जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776 • दुमका • रविवार • 01 फरवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 347 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

Page 11

खेल

महामुकाबले से पहले सचिन तेंदुलकर का खास संदेश, अंडर 19 के युवा खिलाड़ियों को दिया...

कर्नाटक सरकार ने अधिकारियों को हर महीने खादी पहनने को कहा, जारी किया सर्कुलर

देश

Page 10

जमशेदपुर निवेश घोटाला: फिल्मी सितारों समेत 6 के खिलाफ अदालत के आदेश पर नई एफआईआर

संवाददाता। पूर्वी सिंहभूम

जमशेदपुर के साकची थाना क्षेत्र में सामने आए चर्चित निवेश घोटाले के मामले में अदालत के निर्देश पर एक नई प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस एफआईआर में बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा, चंकी पांडेय, शक्ति कपूर, गायक व अभिनेता मनोज तिवारी समेत मेक्सीजोन टच प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक चंद्रभूषण सिंह और उनकी पत्नी प्रियंका सिंह को आरोपित बनाया गया है। कंपनी के दोनों निदेशक पहले से ही न्यायिक हिरासत में हैं। साकची थाना प्रभारी आनंद मिश्रा ने शनिवार को नई एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि करते हुए बताया कि यह मामला अदालत के आदेश के बाद दर्ज किया गया है, जिससे अब जांच को और तेज किया जाएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि यह मामला बर्मामाइंस थाना क्षेत्र निवासी जसपाल सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने मेक्सीजोन टच प्राइवेट लिमिटेड की निवेश योजना से प्रभावित होकर करीब आठ लाख रुपये कंपनी में निवेश किए थे। कंपनी ने उन्हें 15 प्रतिशत प्रतिमाह तक रिटर्न देने का भरोसा दिलाया था। हालांकि, निवेश के बाद न तो उन्हें मूलधन वापस मिला और न ही किसी प्रकार का ब्याज दिया गया। बार-बार संपर्क करने के बावजूद कंपनी की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाया। शिकायतकर्ता जसपाल सिंह का कहना है कि कंपनी के प्रचार-प्रसार और बड़े पैमाने पर आयोजित भव्य कार्यक्रमों में नामी फिल्मी कलाकारों की मौजूदगी देखकर उन्हें कंपनी पर भरोसा हुआ। इन आयोजनों में बड़े मंच, चमक-दमक और मशहूर हस्तियों के भाषणों के जरिए आम लोगों को निवेश के लिए प्रेरित किया गया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि इन कार्यक्रमों में कलाकारों ने मंच साझा किया और कंपनी की योजनाओं की सराहना की, जिससे निवेशकों को यह विश्वास हुआ कि कंपनी पूरी तरह विश्वसनीय है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मेक्सीजोन टच प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ इससे पहले भी साकची थाना में धोखाधड़ी से संबंधित मामला दर्ज किया जा चुका है। अब अदालत के आदेश पर दर्ज हुई नई एफआईआर से इस मामले में जांच की दिशा एक बार फिर सक्रिय हो गई है। कंपनी के निदेशक चंद्रभूषण सिंह और उनकी पत्नी प्रियंका सिंह को करीब एक वर्ष पूर्व बिहार के वैशाली जिले से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद से दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। उन पर बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और निवेशकों की गाढ़ी कमाई हड़पने के गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, मेक्सीजोन टच प्राइवेट लिमिटेड पर 600 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हड़पने का संदेह है। बताया जाता है कि इस कथित घोटाले से 25 हजार से ज्यादा निवेशक प्रभावित हुए हैं। कंपनी का मुख्य कार्यालय जमशेदपुर के साकची इलाके में स्थित था, जहां से पूरे नेटवर्क का संचालन किया जाता था। पुलिस ने बताया कि ताजा एफआईआर में नामजद सभी आरोपियों की भूमिका की जांच कानूनी प्रक्रिया के तहत की जाएगी। खासतौर पर यह जांच की जाएगी कि नामी कलाकार केवल ब्रांड प्रमोशन तक सीमित थे या उन्होंने निवेश के लिए सीधे तौर पर लोगों को प्रोत्साहित किया। इसके लिए जांच एजेंसियां कार्यक्रमों के वीडियो फुटेज, विज्ञापन सामग्री, कंपनी और कलाकारों के बीच हुए अनुबंध, भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड और बैंक लेनदेन की गहन पड़ताल कर सकती हैं। फिलहाल अदालत के संज्ञान में आने के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट, उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर तय की जाएगी। इस मामले पर निवेशकों और आम जनता की निगाहें अब जांच एजेंसियों की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

बलूचिस्तान में एकसाथ 12 जगहों पर बलूचों का हमला

▪ 10 पुलिसकर्मियों की मौत, डिप्टी कमिश्नर को किडनैप किया; शहबाज बोले- इसके पीछे भारत

एजेंसी। क्वेटा

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक साथ 12 जगहों पर हमले किए। हमलों में कम से कम 10 सुरक्षाकर्मी की मौत हुई है। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 37 लड़ाके भी मारे गए। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिले में शनिवार सुबह 12 से ज्यादा जगहों पर एक साथ हमले किए। राजधानी क्वेटा में कम से कम चार पुलिसकर्मी मारे गए। हालांकि यह साफ नहीं हो पाया कि यह चार पुलिसकर्मी उन 10 सुरक्षाकर्मियों में शामिल हैं या नहीं। क्वेटा के एक सीनियर अफसर ने यह भी बताया कि लड़ाकों ने नुश्की जिले के डिप्टी कमिश्नर का अपहरण कर लिया है। बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया है। हमले के बाद पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों के पीछे भारत का हाथ है।

क्वेटा के बाजार पर बीएलए लड़ाकों का कब्जा : इन हमलों की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली है। संगठन ने कहा कि उसने सैन्य ठिकानों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बनाया। साथ ही यह भी दावा किया कि मुख्य हाईवे बंद किए गए, ताकि सेना की कार्रवाई में बाधा डाली जा सके। बीएलए लड़ाकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर ये दावा किया है कि उन्होंने क्वेटा के एक बाजार इलाके पर कब्जा कर लिया है। हथियारबंद आतंकी बाजार में घुस आए और कुछ समय के लिए पूरे इलाके पर उनका नियंत्रण रहा। हालांकि, इस घटना को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। क्वेटा में एएफपी के एक पत्रकार ने बताया कि शहर में कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। पूरे शहर में भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई, मुख्य सड़कें सुनसान रहीं और कारोबार ठप हो गया।

आतंकवाद के खत्म होने तक लड़ाई जारी रहेगी : शहबाज

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए सुरक्षा बलों की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उन्हें और पूरे देश को अपने शहीदों पर गर्व है। साथ ही उन्होंने इन हमलों के पीछे भारत का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश से आतंकवाद के पूरी तरह खत्म होने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई : उपायुक्त

पश्चिमी सिंहभूम। जिला में झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) की ओर से आयोजित होने वाली मैट्रिक और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। परीक्षा को शांतिपूर्ण और कदाचार-मुक्त ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को कोल्हन विश्वविद्यालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में बताया गया कि जिले में मैट्रिक परीक्षा के लिए 53 केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 15,494 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। वहीं इंटरमीडिएट के लिए 29 केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इंटर में आर्ट्स के 7,766, साइंस के 1,168 और कॉमर्स के 1,306 परीक्षार्थी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं 3 फरवरी से शुरू होकर 23 फरवरी तक चलेंगी। उपायुक्त ने अधिकारियों को परीक्षा संचालन पूरी पारदर्शिता और सख्ती के साथ जैक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप करने का निर्देश दिया।

साथ ही उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी सुनिश्चित करने और प्रश्नपत्रों की सुरक्षा एवं गोपनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने कहा कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या गोपनीयता भंग होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि कदाचार पर सख्ती है, लेकिन अनावश्यक रूप से किसी भी परीक्षार्थी को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। बैठक के दौरान सुशांत प्रधान और मनोज राउत ने जैक की गाइडलाइन के आधार पर केंद्र अधीक्षकों, स्टैटिक मजिस्ट्रेट और दंडाधिकारियों को परीक्षा संचालन से जुड़े विस्तृत दिशा-निर्देश दिया। बैठक में अपर उपायुक्त, सदर चाईबासा, जगन्नाथपुर और चक्रधरपुर के अनुमंडल पदाधिकारी, सदर के एसडीपीओ, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी परीक्षा केंद्रों के अधीक्षक, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, विभिन्न थाना प्रभारी सहित जिला प्रशासन के कई अधिकारी उपस्थित थे।

किश्तवाड़ जिले के डोलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के डोलगाम इलाके में शनिवार तड़के सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच एक बार फिर मुठभेड़ शुरू हो गई है। ऑपरेशन त्राशी-I के 14वें दिन सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली, जब उन्होंने छिपे हुए आतंकवादियों के साथ दोबारा संपर्क स्थापित किया। इस संयुक्त अभियान में भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवान शामिल हैं। इलाके की पूरी तरह से घेराबंदी कर दी गई है और दोनों ओर से भारी गोलीबारी जारी है। खुफिया एजेंसियों से सटीक इनपुट मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने जमीन पर इस ऑपरेशन को तेज किया। यह मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब सुरक्षाबल पहले से ही किश्तवाड़ जिले में सक्रिय जैश-ए-मोहम्मद के तीन खूंखार आतंकवादियों की तलाश में बड़े पैमाने पर अभियान चला रहे थे। पिछले दो हफ्तों के भीतर इस क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच यह चौथी मुठभेड़ है। ऑपरेशन की गंभीरता को देखते हुए उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने किश्तवाड़ का दौरा कर आतंकवाद विरोधी ग्रिड की समीक्षा की है। उनका उद्देश्य क्षेत्र में छिपे जैश के आतंकियों का सफाया करना है। सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने किश्तवाड़ के चतरू और डोलगाम के आसपास के छह किलोमीटर के दायरे में इंटरनेट सेवाओं को पूरी तरह बंद कर दिया है। सिंगपुरा, अरिगम, द्वाथर और नैदगाम जैसे इलाकों में कनेक्टिविटी बाधित है। गृह विभाग के आदेशानुसार, 23 जनवरी से लागू यह पाबंदी शुक्रवार रात के बाद भी जारी रखने का निर्णय लिया गया है ताकि किसी भी तरह की अफवाहों को फैलने से रोका जा सके। यह पूरा अभियान 18 जनवरी को बर्फ से ढके दुर्गम इलाकों में शुरू किया गया था। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और भारी बर्फबारी के कारण यह ऑपरेशन काफी चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। पहले दिन की मुठभेड़ में एक पैराट्रूपर शहीद हो गया था और सात सैनिक घायल हुए थे।

गुरु हर राय के प्रकाश पर्व पर लोकसभा अध्यक्ष, गृह मंत्री समेत शीर्ष नेतृत्व ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। सिख धर्म के सातवें गुरु, श्री गुरु हर राय साहिब के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्रियों और दिल्ली की मुख्यमंत्री ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए गुरु साहिब के जीवन और शिक्षाओं को स्मरण किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरु हर राय के दिव्य जीवन को करुणा, त्याग, धर्मनिष्ठा और मानव सेवा का अनुपम उदाहरण बताते हुए कहा कि गुरु साहिब का आदर्श आज भी मानवता को सत्य, सेवा और सहिष्णुता के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। उन्होंने गुरु हर राय को एक महान योद्धा, दयाभाव से परिपूर्ण व्यक्तित्व और आत्मिक पथ के साधक के रूप में स्मरण किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि गुरु हर राय ने लंगर और संगत की परंपरा को और अधिक सुदृढ़ किया। उनकी शिक्षाएँ करुणा और संवेदना का अक्षय स्रोत हैं। गुरु साहिब ने मानव समाज की निःस्वार्थ सेवा की और अपनी औषधीय ज्ञान परंपरा के माध्यम से सभी जाति-वर्ग के लोगों को आरोग्य प्रदान किया।

नबीन की नई रणनीति: विस चुनावों के प्रदर्शन से तय होगा पार्टी का भविष्य और सांगठनिक ढांचा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन द्वारा कार्यभार संभालने के साथ ही संगठन में व्यापक फेरबदल और भविष्य की तैयारियों की सुगबुगाहट तेज हो गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आगामी समय में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव न केवल पार्टी के लिए राजनीतिक परीक्षा होंगे, बल्कि कई नेताओं के भविष्य का फैसला भी करेंगे। इन चुनावों में नेताओं के जमीनी प्रदर्शन के आधार पर ही नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम में उन्हें जगह दी जाएगी। पार्टी ने विशेष रूप से असम के लिए एक सशक्त रणनीतिक टीम तैनात की है। चुनाव प्रभारी बैजयंत जय पांडा के मार्गदर्शन में काम कर रही इस टीम में दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, प्रवेश वर्मा, विधायक अनिल शर्मा और पवन शर्मा जैसे प्रमुख चेहरों को शामिल किया गया है। इनके साथ राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश और राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर जैसे अनुभवी नेताओं को भी जोड़ा गया है। यह टीम भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और दिल्ली स्थित केंद्रीय नेतृत्व के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करेगी। इन नेताओं की जिम्मेदारी केवल चुनावी सभाओं और प्रचार तक सीमित नहीं है। उन्हें सूक्ष्म चुनावी प्रबंधन का जिम्मा सौंपा गया है, जिसमें हर नेता को एक से दो लोकसभा क्षेत्रों के भीतर बूथ स्तर की रणनीति बनाने और जनसांख्यिकीय आंकड़ों के गहन विश्लेषण का कार्य दिया गया है। टिकट वितरण और मतदाताओं के बीच पार्टी की सकारात्मक छवि बनाने में भी इनकी भूमिका निर्णायक होगी। नेताओं के चयन में उनकी वैचारिक पृष्ठभूमि, विशेषकर आरएसएस, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और युवा मोर्चा के साथ उनके पुराने जुड़ाव को प्राथमिकता दी गई है।

पीएम के नेतृत्व में बन रहे समृद्ध, आत्मनिर्भर भारत की प्रक्रिया को गति देगा बजट

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि आगामी केंद्रीय बजट पीएम मोदी के नेतृत्व में बन रहे समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की प्रक्रिया को गति देगा। केंद्रीय मंत्री चौहान छत्तीसगढ़ के रायपुर में यह बात कही, जहां से वे दुर्ग का दौरा करने और स्थानीय किसानों से बातचीत पहुंचे। चौहान ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय बजट 2026-27 वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को पेश किया जाएगा। इस साल बजट प्रस्तुति सप्ताहांत में पड़ रही है। वित्त मंत्री सीतारमण 1 फरवरी को लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारत के संसदीय और आर्थिक इतिहास में एक अहम उपलब्धि होगी। इसके अलावा चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ द्वारा अपनाई जा रही कृषि पद्धतियों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रगतिशील कृषि के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है और राज्य के प्रगतिशील किसानों ने उन्हें लंबे समय से अपने काम को देखने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि आज मैं किसानों से बातचीत करने के लिए छत्तीसगढ़ की इस पवित्र भूमि पर आया हूं। मैं दुर्ग जिले के किसानों से मिलूंगा, जहां अत्यधिक प्रगतिशील कृषि पद्धतियां अपनाई जाती हैं। छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ लंबे समय से मुझे अपने काम को देखने के लिए आमंत्रित करता रहा है और आज मैं ऐसा करूंगा। मैं उनसे चर्चा भी करूंगा और बाद में किसान मेले में भाग लूंगा, क्योंकि किसान मेला सरकार और किसानों के बीच संवाद का सेतु का काम करता है। उन्होंने कहा कि युवा नेता संवाद पहल के तहत पहले दिल्ली का दौरा कर चुके युवाओं को भी इस संवाद में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। चौहान ने कहा कि युवा नेताओं के संवाद की पहल के तहत, यहां के कुछ युवा दिल्ली गए थे, और मैंने उन्हें भी आमंत्रित किया है, क्योंकि युवाओं के पास कई तरह के विचार होते हैं और मैं उनसे भी बातचीत करूंगा।

संक्षिप्त समाचार

बदहाल स्कूल देख अधिकारी का चढ़ा पारा, कहा- 'परीक्षार्थी परीक्षा देंगे या धूल फांकेंगे?'

लातेहार, एजेंसी। तीन फरवरी से शुरू होने वाली इंटरमीडिएट तथा मैट्रिक परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेने शुक्रवार को बीडीओ रेश्मा रेखा मिंज ने विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय की स्थिति देख बीडीओ ने गहरी नाराजगी जतायी। विद्यालय के कमरों की दीवारों पर जाले लटके मिले और बेंच-डेस्क धूल से पटे हुए थे। साफ-सफाई के अभाव और बदहाली को देख बीडीओ ने विद्यालय प्रबंधन को कड़ी फटकार लगायी। बीडीओ ने बालिका उच्च विद्यालय और राजा मेदनीराय इंटर कॉलेज का भी दौरा किया। प्लस टू स्कूल में सुरक्षा के लिहाज से सीसीटीवी कैमरे, शौचालय की लाइट और पंखों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पायी गयी। स्मार्ट क्लास और पेयजल व्यवस्था की जांच के दौरान मिली खामियों को देख बीडीओ ने प्रबंधन को तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने का अल्टीमेटम दिया। बीडीओ ने प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि परीक्षा शुरू होने से पहले पूरे परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करें और परीक्षार्थियों के लिए बुनियादी सुविधाएं जैसे बिजली, पंखा और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा कई शिक्षक उपस्थित थे।

सेक्टर 6 में सिर कूचकर महिला की हत्या, अर्द्धनग्न मिला शव

बोकारो, एजेंसी। सेक्टर छह थाना की पुलिस टीम ने सिटी कॉलेज से 500 मीटर दूर स्थित एक मैदान से शुक्रवार को अज्ञात महिला (लगभग 50 वर्ष) का अर्द्धनग्न शव बरामद किया। महिला की पहचान छिपाने के लिए उसके सिर को किसी वजनदार सामान से बुरी तरह कूच दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर एसपी हरविंदर सिंह दल-बल के साथ पहुंचे। एसपी श्री सिंह के निर्देश पर डॉग स्क्वायड और विधि प्रयोगशाला की टीम पहुंची। छानबीन शुरू कर दिया गया। पुलिस के अनुसार घटना गुरुवार की देर रात की हो सकती है। घटना में कई लोग शामिल होंगे। चास अनुमंडल अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव मोर्चरी में रखा गया है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। जानकारी के अनुसार सेक्टर छह के कुछ लोग मॉर्निंग वॉक के लिए मैदान की तरफ गये थे। महिला का अर्द्धनग्नावस्था में पेट के बल पडा शव देखा। जिसका सिर लहुलूहान अवस्था में कूचा हुआ था। शव के आसपास महिला के कपड़े (साड़ी, पेटीकोट सहित अन्य) बिखरे थे। स्थानीय लोगों ने जानकारी सेक्टर छह थाना इंस्पेक्टर संगीता कुमारी को दी। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद इंस्पेटर ने शव को नजदीक पड़े शॉल से ढक दिया। इसके बाद एसपी श्री सिंह को सूचित किया। एसपी श्री सिंह की सूचना के बाद मौके पर बीएस बीएस सिटी इंस्पेक्टर सुदामा दास, हरला इंस्पेक्टर खुर्शीद आलम भी पहुंचे। डॉग स्क्वायड टीम के साथ श्री दास पैदल लगभग दो किलोमीटर सेक्टर 11 से आनेवाले ड्रेनेज के समीप डॉग के साथ पहुंचे। डॉग इसके बाद आगे नहीं जा सका। आसपास के क्षेत्र में लगभग दो से तीन घंटे सर्च अभियान चलाया गया। दूसरी ओर पुलिस बोकारो कॉलेज के मुख्य द्वार पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज की छानबीन कर रही है। शव की शिनाख्त को लेकर पुलिस की टीम बायोमिट्रिक मशीन उपयोग करेगी। ताकि महिला की अंगुली के जरिये आधार कार्ड या अन्य डिजिटल कागजात के आधार पर महिला की पहचान की जा सके। इसके अलावा हत्यारोपितों को खोजने के लिए पुलिस घटनास्थल पर एक्टिव मोबाइल को भी सीडीआर के माध्यम से खोजेगी। इसके लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फिलहाल घटनास्थल की सुरक्षा को लेकर सेक्टर छह पुलिस की एक टीम को लगाया गया है।

साहिबगंज की आईडी से पाकुड़ में बनाया जा रहा आधार कार्ड, छापेमारी में एक गिरफ्तार

पाकुड़, एजेंसी। जिले के सदर प्रखंड के कांकड़बोना में अवैध तरीके से आधार बनाए जाने के मामले का खुलासा हुआ है। यूआईडीएआई के परियोजना पदाधिकारी रितेश कुमार श्रीवास्तव एवं मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार द्वारा की गई संयुक्त छापेमारी से यह खुलासा हुआ है। पुलिस ने अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाये जाने के मामले में मुस्ताक शेख को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। छापेमारी के दौरान लैपटॉप, प्रिंटर, थम्ब, आइरिस स्कैनर, बनाया गया आधार कार्ड और इनरॉल के लिए रखे गए फॉर्म को जब्त किया गया है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक आरोपी मुस्ताक शेख साहिबगंज जिले के पतना बीआरसी शब्बीर शेख की आईडी है। जिसको आरोपी द्वारा कांकरबोना स्थित अपने घर में अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहा था। अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाए जाने के इस मामले में युआईडीएआई के परियोजना पदाधिकारी रितेश कुमार श्रीवास्तव की लिखित शिकायत पर पतना प्रखंड संसाधन केंद्र को आवंटित आईडी संचालक शब्बीर शेख और मुस्ताक शेख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मेदिनीनगर नगर निगमः क्या बनेगा मुद्दा? पानी, जाम या खास महाल, मजदूरों के लिए

सार्वजनिक स्थल पर नहीं है कोई सुविधा

पलामू, एजेंसी। झारखंड में नगर निकाय चुनाव की घोषणा हो चुकी है। राज्य के 9 नगर निगम में से एक पलामू का मेदिनीनगर नगर निगम भी है, यहां चुनाव हो रहे हैं। मेदिनीनगर एक ऐतिहासिक शहर है जो डाल्टनगंज के नाम से जाना जाता है। राज्य की सरकार इसे मेदिनीनगर लिखती है जबकि केंद्र सरकार इसे डाल्टनगंज लिखती है। 2004 में राज्य सरकार ने डाल्टनगंज का नाम बदलकर मेदिनीनगर कर दिया था।

मेदिनीनगर चेरो वंश के प्रतापी राजा मेदिनी राय के नाम पर रखा गया है। अंग्रेजों के शासनकाल में कर्नल डाल्टन ने 1880 के आसपास इस शहर को बसाया था। 1880 में मेदिनीनगर (डाल्टनगंज) पालिका बना था जबकि मई 2015 यह नगर निगम में अपग्रेड हुआ है। मेदिनीनगर नगर निगम, पलामू प्रमंडल का सबसे बड़ा शहर है। यहां कमिश्नर, आईजी, डीआईजी, डीसी एवं एसपी बैठते हैं। इसी शहर में यूनिवर्सिटी और मेडिकल कॉलेज भी हैं। झारखंड में एकमात्र बाघों के लिए संरक्षित एरिया पलामू टाइगर रिजर्व का ऑपरेशनल कार्यालय भी मेदिनीनगर में मौजूद है।

मेदिनीनगर नगर निगम, तीन तरफ से नदियों से घिरा है। नगर निगम क्षेत्र से कोयल, अमानत एवं गुरुसूती नदी गुजरती है। निगम क्षेत्र में ही अमानत, कोयल एवं अमानत गुरसूती नदी का संगम मौजूद है।

मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में 158941 लोगों की आबादी है, जिसमें 129034 मतदाता हैं। निगम क्षेत्र में 35 वार्ड है जिसमें 65827 पुरुष जबकि 63206 महिला मतदाता हैं। निगम क्षेत्र में एक ट्रांसजेंडर वोटर भी है। नगर निगम क्षेत्र में 35 वार्ड हैं। 2018 में नगर निगम के चुनाव में अरुणा शंकर, पहली मेयर बनी थीं, जबकि मंगल सिंह डिप्टी मेयर। मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में 132 मतदान केंद्र हैं।

मेदिनीनगर नगर निगम, पूरे झारखंड में जल संकट के लिए चर्चित है। गर्मी के दिनों में नगर निगम भीषण पेयजल की संकट से जूझता है। कई वार्ड ड्राई जोन हो जाते हैं, जबकि दर्जनों घरों का बजट पानी के कारण बिगड़ जाता है। मेदिनीनगर को पेयजल के संकट से दूर करने के लिए शहरी पेयजल आपूर्ति योजना फेज 2 की भी शुरुआत हुई है। शहर जाम के संकट से जूझता है, अधिकांश इलाके में स्थाई पार्किंग नहीं है। मेदिनीनगर में 1893 लोग खास महाल जमीन की लिस्ट धारक हैं, जिनमें से 50 से अधिक लोगों ने लीज का नवीनीकरण कराया है। लीज नवीकरण एक बड़ी समस्या है। लीज नवीकरण नहीं होने से शहर का व्यावसायिक विकास प्रभावित हुआ है।

मेदिनीनगर में रहने वाले नवीन तिवारी ने कहा कि मेदिनीनगर पिछली बार नगर निगम बना है। कुछ कार्य हुए हैं लेकिन और भी बेहतर कार्य हो सकते हैं। शहर की सबसे बड़ी समस्या पेयजल की है। मोहल्ले में 30 से 35 चापाकल लगाए गए लेकिन पेयजल संकट दूर नहीं हुआ। यह शहर अप्रवासियों का शहर हो जाएगा।

स्थानीय निवासी प्रभात अग्रवाल ने बताया कि रोड और नाली की समस्या बड़ी है। बारिश के दिनों में नाली का पानी सड़क पर आ जाता है। नगर निगम क्षेत्र में कार्य हुए हैं लेकिन और बेहतर करने की जरूरत है। नगर निगम क्षेत्र के लोगों को अधिकार के साथ-साथ सिविक जानकारी भी रखनी होगी। कचरा कहां फेंकना है? यह भी लोगों को जानना जरूरी है ताकि यह शहर साफ एवं स्वच्छ रह सके।

वहीं एक और निवासी इम्तियाज अहमद नजमी ने बताया कि यह शहर नदियों के संगम पर मौजूद है लेकिन जल के संकट से जूझता रहता है। खास महाल एवं पानी और सड़क जाम बड़ी समस्या है। नगर निगम क्षेत्र में काफी कुछ करने की जरूरत है ताकि इलाके का विकास हो सके।

पलामू में दामाद ने ससुर की चाकू मारकर की हत्या

छतरपुर (पलामू), एजेंसी। छतरपुर थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव में गुरुवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां दामाद ने अपने ससुर सुनील यादव (50 वर्ष) की चाकू मारकर हत्या कर दी, जबकि पत्नी पूजा देवी (22 वर्ष) और साली कविता कुमारी (16 वर्ष) को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी दामाद मौके से फरार हो गया।

मृतक के स्वजनों के अनुसार आरोपी की पहचान हैदरनगर थाना क्षेत्र के सोवा बरैया गांव निवासी लवकुश यादव के रूप में हुई है। लवकुश की शादी कुछ वर्ष पूर्व गम्हरिया गांव निवासी सुनील यादव की पुत्री पूजा देवी से हुई थी।

शादी के कुछ महीनों बाद से ही लवकुश द्वारा छोटी-छोटी बातों को लेकर पूजा देवी के साथ मारपीट की जाती थी। इसको लेकर गांव में कई बार पंचायत भी हो चुकी थी। स्वजनों ने बताया कि लवकुश दिल्ली में मजदूरी करता था और गुरुवार की रात दिल्ली से सीधे अपने ससुराल गम्हरिया पहुंचा था।

देर रात किसी बात को लेकर वह अचानक गुस्से में आ गया और चाकू से हमला कर अपने ससुर सुनील यादव की हत्या कर दी। जब पत्नी पूजा देवी और साली कविता कुमारी बीच-बचाव करने आईं तो आरोपी ने उन्हें भी चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना छतरपुर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

इसके बाद ग्रामीणों की मदद से घायल पूजा देवी और कविता कुमारी को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल छतरपुर थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद से मृतक के स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

देवघर में प्रिज्मा एआई युवाओं को बनाएगी एआई इंडस्ट्री के लायक, मिलेगा रोजगार

देवघर, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में विश्व स्तरीय कंपनी प्रिज्मा एआई देवघर एसटीपीआई में सेंटर खोलने की मंशा से पूर्वी भारत के पहले एआई सेमिनार में भाग लेने आयी है।

सिंगापुर की कंपनी के सीईओ डॉ। श्रीराम अय्यर ने जागरण से बातचीत में बहुत स्पष्ट किया कि तेज तर्रार युवाओं का चयन कर रोजगार देंगे और उसे प्रशिक्षण देकर एआई के लायक बना देंगे। उसका वेतन उसके बौद्धिक क्षमता पर तय होगा।

सीईओ ने कहा कि मकसद एआई इंडस्ट्री के लायक युवाओं को तैयार करना है। प्रिज्मा एआई एक अवसर लेकर आया है। छह महीना का कोर्स होगा जिसमें प्रशिक्षण देकर कंपनी की ओर से प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

ट्रेनिंग के समय छात्रवृति भी मिलेगी। बाद में उनकी दक्षता के हिसाब से वेतन मिलेगा। सुनहरा अवसर है उन युवाओं के लिए जो वर्तमान समय की मांग के अनुरूप अपना कैरियर बनाना चाहते हैं।

एआई में पीएचईडी डॉ। अय्यर के पास इस क्षेत्र का लंबा अनुभव है। जो जर्मन की इस कंपनी को 2013 में क्रय कर भारत की कंपनी बना दिया।

उन्होंने कहा कि एआई एक प्लेटफार्म है जो कंप्यूटर टेक्नोलॉजी पर चलता है। एक सौ चलकर एक हजार युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य है। पहले तो उन युवाओं को प्रिज्मा में नौकरी मिलेगी।

बाद में उसे उस लायक बना दिया जाएगा कि वह दुनिया में कहीं भी नौकरी कर सकता है। डॉ। अय्यर ने बताया कि चयनित युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा कि वह एआई के लिए किस तरह डेटा तैयार करेंगे। उसे अपलोड करेंगे। वह जितनी कुशलता से डेटा तैयार कर अपलोड करेंगे, कैमरा उतना ही सही डेटा देगा। मशीन को इतना सीखा दिया जाता है कि वह खुद सीखकर निर्णय ले सके। एक उदाहरण देकर इसे स्पष्ट किया कि जैसे मशीन को दस इमेज दिया गया। अब जब मशीन उसे सीखकर डेटा देगा तब माना जाता है कि मशीन सीख रहा है। एल्गोरिथम पर फोकस होता है।

सड़क सुरक्षा माहः सड़क पर उतरे 'यमराज', बोले- ट्रैफिक नियम का पालन करें वरना खुलेगा यमलोक का रास्ता

धनबाद, एजेंसी। तेज रफ्तार, लापरवाह ड्राइविंग और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी से बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर धनबाद पुलिस ने शुक्रवार को एक अनोखी जागरूकता पहल की। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जिला परिवहन विभाग के सहयोग से मेमको मोड़ पर नुक्कड़ नाटक के जरिए आम लोगों को यातायात नियमों का महत्व समझाया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस का अलग ही रूप देखने को मिला। यहां पुलिस सिर्फ चालान काटने के बजाय लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करती नजर आई। नुक्कड़ नाटक में कलाकारों ने बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने और तेज रफ्तार के खतरों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। नाटक में 'यमराज' के किरदार ने लोगों को यह संदेश दिया कि ट्रैफिक नियमों की अनदेखी सीधे मौत को दावत देने जैसी है। सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ें हालात की गंभीरता को दर्शाते हैं। वर्ष 2025 में जिले में करीब 350 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें लगभग 250 लोगों की मौत हो चुकी है। इन आंकड़ों को देखते हुए एसएसपी प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस विभाग ने सड़क पर उतरकर लोगों को जागरूक करने का निर्णय लिया। एसएसपी प्रभात कुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुलिस का उद्देश्य चालान से पैसा कमाना नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस चाहती है कि लोग डर के कारण नहीं, बल्कि समझदारी से ट्रैफिक नियमों का पालन करें। हेलमेट और सीट बेल्ट को उन्होंने जीवन रक्षक बताते हुए सभी वाहन चालकों से इनका नियमित उपयोग करने की अपील की।

उन्होंने बताया कि 1 फरवरी से जिले में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान बाइक के पीछे बैठने वाले यात्री के लिए भी हेलमेट अनिवार्य किया जाएगा। साथ ही अवैध और गलत नंबर प्लेट, चार पहिया वाहनों में ब्लैक फिल्म तथा सीट बेल्ट की अनदेखी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन में जिले में 5 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

जामताड़ा में तीन लाख रुपए की अवैध शराब जब्त

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले में आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले में अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसी क्रम में, एसपी राजकुमार मेहता को मिली गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने लगभग तीन लाख रुपए मूल्य की अवैध शराब जब्त की है।

उत्पाद अधीक्षक कुणाल कोशल ने जानकारी देते हुए बताया कि केंदबेना के पास एक ब्रिज के पास खड़े ट्रक में अवैध शराब के भंडारण और तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद, उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर ट्रक को जब्त किया। तस्करों ने शराब को छिपाने के लिए ट्रक में नीचे अवैध शराब रखकर ऊपर से जूट के बोरे रखे थे, जिससे किसी को भनक नहीं लगती थी।

छापेमारी के दौरान, ट्रक से नीले रंग के 35 जार में कुल 1050 लीटर स्पिरिट बरामद हुई। इसके अतिरिक्त, ऑफिसर चॉइस ब्रांड की 10 पेटी अवैध शराब (कुल 86 लीटर, 480 पीस) भी जब्त की गई। इस अवैध कारोबार में केंदबेना निवासी कुख्यात शराब माफिया मनोज मंडल की संलिप्तता सामने आई है।

हालांकि, वह मौके से फरार होने में सफल रहा। उसके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मनोज मंडल एक अंतरराज्यीय शराब माफिया है और पहले भी उसके खिलाफ करोड़ों रुपए की अवैध शराब बरामद की जा चुकी है। उत्पाद विभाग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में उत्पाद विभाग की टीम में एसआई निखिल कुमार सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

मार्च के बाद सीएम हेमंत सोरेन को नहीं मिलेगा वेतन, बंद हो जाएगी मंईयां सम्मान योजनाः निशिकांत दुबे

देवघर, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे शुक्रवार को देवघर पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान सांसद निशिकांत दुबे ने मीडिया से बातचीत करते हुए यूजीसी से जुड़े विवाद और राज्य-केंद्र संबंधों पर खुलकर अपनी बात रखी।

झारखंड सरकार पर निशाना साधते हुए सांसद निशिकांत दुबे ने केंद्र पर लगाए जा रहे एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये के बकाया के आरोपों पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार की स्थिति ऐसी है कि कहीं ऐसा न हो जाए कि मार्च के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का वेतन तक मिलने पर समस्या हो जाए। ऐसी हालत में किसी दिन मंईयां सम्मान योजना बंद हो जाए तो आश्चर्य नहीं होगा, अबुआ आवास योजना में काम बंद हो जाएंगे।

सासंद ने कहा कि झारखंड सरकार के पास पैसा ही नहीं है, पहले वो अपना खाना-पीना तो खा ले। साथ ही सांसद ने राज्य सरकार की योजनाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि 'मंईयां सम्मान योजना' के कारण राज्य में विकास कार्य ठप हो गए हैं। बता दें कि झारखंड सरकार लगातार केंद्र सरकार से बकाया राशि की मांग कर रही है और आगामी बजट में इसके लिए प्रावधान किए जाने की बात कह रही है। जिसको लेकर सांसद ने तमाम बातें कहीं।

देवघर एयरपोर्ट पर यूजीसी के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए निशिकांत दुबे ने कहा कि यह मामला फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और इस पर स्टे भी लगा हुआ है।

उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 देश के पिछड़े, दलित और वंचित वर्गों की सुरक्षा की गारंटी देते हैं। देश आज ऐसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है, जो 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने स्वर्ण समाज के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की, जो इस बात का प्रमाण है कि सरकार सभी वर्गों के हित में सोचती है। सांसद ने यूजीसी मुद्दे को लेकर विरोध कर रहे लोगों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा रखें, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की नीतियों का केंद्र बिंदु समाज के हर तबके का विकास है।

सुप्रीम कोर्ट के रुख पर सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि माननीय न्यायालय द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय पूरी तरह से सम्मान योग्य है और भारतीय जनता पार्टी न्यायपालिका के फैसलों का सम्मान करती है। साथ ही उन्होंने कहा कि जो लोग प्रधानमंत्री की सोच और नीतियों पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें संविधान में वर्णित अनुच्छेद 14 और 15 का अध्ययन जरूर करना चाहिए।

नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा की सांगठनिक बैठक, पार्टी में शामिल हुए विजय सिंह गगराई

रांची, एजेंसी। भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार दिन भर सांगठनिक गतिविधि जोरों पर रहा। प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद आदित्य साहू ने नगर निकाय चुनाव को लेकर जहां महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक की। वहीं चक्रधरपुर के विजय सिंह गगराई को गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए भाजपा की सदस्यता दिलाई गई। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में हुई पार्टी की सांगठनिक बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, मधु कोड़ा, एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और विधायक मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने कहा कि राज्य में होने जा रहे निकाय चुनाव का श्रेय कोर्ट की सख्ती और भाजपा का इसके लिए लगातार सड़क से सदन तक चला आंदोलन है। उन्होंने कहा कि आज राज्य के निकाय क्षेत्र में लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। प्रशासनिक तंत्र हावी है। जनता की समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। ऐसे में आगामी निकाय चुनाव में सेवा भाव और जन कल्याण को समर्पित राष्ट्रवादी सोच के प्रत्याशियों को जीत दिलाने के लिए संकल्पित होने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने हार के डर से चुनाव को दलीय आधार पर नहीं कराने की घोषणा की है। राज्य सरकार ने चुनाव को बैलेट से कराने की घोषणा के साथ इसे प्रशासनिक तरीके से प्रभावित करने की साजिश रची है। उन्होंने इस साजिश को नाकाम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता अपने-अपने निकाय क्षेत्रों में राष्ट्रवादी सोच वाले और विकास को समर्पित प्रत्याशियों को जीत दिलाने का प्रयास करेंगे।

इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आज प्रदेश में विकास शून्यता की स्थिति है, लेकिन निकाय चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को जीतने की जरूरत है जो तुष्टिकरण में विश्वास नहीं करते हों, जिनकी सोच विकास को समर्पित हो और जो राज्य के निकाय क्षेत्रों को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए संकल्पित हों।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज मिलन समारोह भी आयोजित हुआ, जिसमें चक्रधरपुर के विजय सिंह गगराई ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गगराई को पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। विजय सिंह गगराई के साथ सदस्यता ग्रहण करने वालों में सुशांत मंडल, हीरालाल खंडाइत, ललित ठाकुर, हारून मेलगांडी, बेसरा पूर्ति, विजय नाग, राजेंद्र मेलगांडी, रामू महतो, मार्कस गगराई, वीरसिंह हांसदा, राकेश जोंकों सहित सैकड़ों लोग शामिल हैं।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि हेमंत सरकार ने राज्य के आदिवासी, दलित, पिछड़े सभी वर्गों को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। यह सरकार विकास विरोधी सरकार है। आए दिन आदिवासी समाज के युवाओं की हत्याएं हो रही हैं, बहन-बेटियां अपमानित हो रहीं और राज्य में अपहरण एक उद्योग बन गया है।

उन्होंने कहा कि यह सरकार पूरी तरह झूठी सरकार साबित हुई है। उन्होंने कहा कि पेसा कानून के नाम पर भी हेमंत सरकार ने जनता को ठगा है। ऐसे में जनजाति समाज का मोह राज्य सरकार से भंग हो रहा है। यही वजह है कि आज भाजपा की ओर आशा भरी नजरों से जनजाति समाज देख रहा है।

इधर, भाजपा में शामिल हुए विजय सिंह गगराई ने भाजपा नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सच्चे सिपाही के रूप में पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को वे धरातल पर उतारने केलिए संकल्पित है। उनका तन मन धन पार्टी कार्यों केलिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि पार्टी जो जिम्मेवारी देगी उसे सहर्ष पूरा करेंगे।

गुरुओं का सम्मानः राजकीय मध्य विद्यालय सरभंगा में सेवानिवृत्त शिक्षकों को दी गई भावपूर्ण विदाई

संवाददाता

गोड्डा/महागामा। शिक्षक समाज का वह दर्पण होते हैं जो न केवल ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के चरित्र का निर्माण भी करते हैं। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए महागामा प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय सरभंगा में एक भव्य विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अवसर था विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती वायलेट सोरेन एवं सहायक अध्यापक सब्बीर अहमद की सेवानिवृत्ति का। समारोह में न केवल सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों को विदा किया गया, बल्कि विद्यालय में पूर्व में कार्यरत रहे और वर्तमान में प्लस टू उत्क्रमित हाई स्कूल मेहरमा के प्रधानाध्यापक अनवारुल हक को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पैक्स लैम्पस संघ के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कृष्ण ठाकुर ने की, जबकि मंच संचालन अपनी विद्वतापूर्ण और चुंबकीय वाणी के लिए प्रसिद्ध शिक्षक रितेश रंजन ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गान, मनमोहक नृत्य और संगीत की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में अपने गुरुओं के प्रति स्नेह और बिछड़ने का दर्द साफ झलक रहा था। बच्चों ने अपने शिक्षकों से मिले मार्गदर्शन को याद करते हुए उनके सुखद भविष्य की कामना की। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजेंद्र कृष्ण ठाकुर ने अनवारुल हक को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं। श्रीमती वायलेट सोरेन और शब्बीर अहमद ने अपने लंबे सेवाकाल में न केवल किताबी ज्ञान दिया, बल्कि बच्चों को संस्कार, अनुशासन और जीवन के मूल्यों से भी परिचित कराया। उनका योगदान विद्यालय और समाज के लिए हमेशा अविस्मरणीय रहेगा।

विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्मान

प्रभारी प्रधानाध्यापक रमेश दास ने दोनों सेवानिवृत्त शिक्षकों को अंग वस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया और उनके समर्पण की सराहना की।

मुखिया प्रतिनिधि राम प्रसाद मांझी और ग्राम प्रधान अशोक कुमार झा ने शिक्षक शब्बीर अहमद को डायरी, पेन और माला भेंट कर विदाई दी।

शिक्षिका श्रीमती मुन्नी देवी ने अपनी सहकर्मी श्रीमती वायलेट सोरेन को शॉल भेंट कर उनके साथ बिताए शिक्षण के पलों को याद किया। विदाई की इस बेला में सेवानिवृत्त शिक्षकों की आंखें नम थीं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए सहकर्मियों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय से उनका भौतिक रिश्ता भले ही कम हो रहा हो, लेकिन भावनात्मक जुड़ाव हमेशा बना रहेगा।

समारोह के सफल आयोजन में सहायक शिक्षक हाशिमुल हक, मो. नसीम, सफरुद्दीन, अजय शाह और नरेंद्र भारती ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर अतिथि शिक्षक अंजना चौधरी, राधे ईश्वर, मोहम्मद हरीश, प्रबंध समिति अध्यक्ष गौतम मंडल सहित सुरेंद्र शाह, अगस्त पंडित, नंदकिशोर शाह, राजेंद्र शाह, ब्रजेंद्र कुमार जैसे सैकड़ों अभिभावक और ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन गरिमापूर्ण तरीके से राष्ट्रगान के साथ हुआ।

साहिबगंज नगर निकाय चुनावः वार्ड 22 से सुरेंद्र यादव ने भरा हुंकार, समर्थकों के साथ दाखिल किया नामांकन

संवाददाता

साहिबगंज। नगर निकाय चुनाव को लेकर साहिबगंज में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। चुनावी बिगुल बजते ही प्रत्याशियों ने अपनी दावेदारी पेश करनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में शनिवार को वार्ड संख्या 22 से पार्षद पद के लिए सुरेंद्र यादव ने पूरे उत्साह के साथ अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। सुरेंद्र यादव ने अपने समर्थकों के साथ निर्वाची पदाधिकारी मेधनाथ उरांव के कार्यालय पहुंचकर आधिकारिक रूप से अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जैसे ही वे बाहर निकले, वहां मौजूद समर्थकों ने फूल-माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया और जमकर नारेबाजी की। गौरतलब है कि सुरेंद्र यादव की पत्नी पहले भी वार्ड संख्या 22 से वार्ड पार्षद रह चुकी हैं। इस कारण क्षेत्र की जनता के बीच उनकी गहरी पैठ है और उन्हें वार्ड की समस्याओं और प्रशासनिक कार्यों का लंबा अनुभव प्राप्त है। उनके चुनावी मैदान में उतरने से वार्ड 22 का मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है।

नामांकन के बाद मीडिया कर्मियों से बात करते हुए सुरेंद्र यादव ने आत्मविश्वास के साथ कहाः

"यह चुनाव मैं अकेला नहीं लड़ रहा हूँ, बल्कि वार्ड संख्या 22 की पूरी जनता इस चुनाव को लड़ रही है। क्षेत्र के लोगों का जो प्यार और समर्थन मुझे मिल रहा है, उससे मेरी जीत सुनिश्चित है। मेरा उद्देश्य केवल विकास और जनसेवा है।" सुरेंद्र यादव के नामांकन के दौरान भारी संख्या में उनके समर्थक मौजूद रहे, जिससे क्षेत्र में उनकी सक्रियता और लोकप्रियता साफ झलक रही थी। समर्थकों का मानना है कि सुरेंद्र यादव एक जमीनी नेता हैं जो हमेशा लोगों के सुख-दुख में खड़े रहते हैं। फिलहाल, साहिबगंज नगर निकाय चुनाव के तहत अन्य वार्डों में भी नामांकन की प्रक्रिया जारी है, लेकिन वार्ड 22 में सुरेंद्र यादव की दावेदारी ने चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है।

महागामा में स्वास्थ्य सेवाओं की नई उड़ानः 50 गांवों तक पहुँची 'अस्पताल वाली वैन', ग्रामीणों के लिए बनी वरदान

संवाददाता

गोड्डा/महागामा। स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक होती है, तभी सही मायने में विकास की सार्थकता सिद्ध होती है। गोड्डा जिले के महागामा प्रखंड में इन दिनों कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिल रहा है। हेल्पेज ऑर्गेनाइजेशन और अदाणी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संचालित मेडिकल हेल्थ यूनिट (MHU) ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सूरत बदल दी है। महागामा प्रखंड के करीब 50 सुदूरवर्ती गांवों में यह मोबाइल मेडिकल वैन नियमित रूप से चक्कर लगा रही है। इस पहल का सबसे बड़ा लाभ उन बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को मिल रहा है, जिन्हें इलाज के लिए शहर या बड़े अस्पतालों तक जाने में कठिनाई होती थी। अब विशेषज्ञ डॉक्टर और दवाइयां सीधे उनके दरवाजे तक पहुंच रही हैं।

इस एमएचयू (MHU) की सफलता के पीछे एक समर्पित टीम का हाथ है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी ग्रामीणों की सेवा में जुटी रहती हैः

डॉ. ललन कुमार (चिकित्सक): मरीजों की नियमित जांच, प्राथमिक उपचार और सटीक स्वास्थ्य परामर्श देकर ग्रामीणों का भरोसा जीत रहे हैं।

बंटी कुमार महतो (चालक): मेडिकल वैन को समय पर गांवों तक पहुँचाने और आपातकालीन सेवाओं में चालक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

सोनामती मरांडी (ANM): मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण और गर्भवती महिलाओं की जांच के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

वंदना प्रजापति (सोशल प्रोटेक्शन ऑफिसर): यह सुनिश्चित कर रही हैं कि ग्रामीणों को केवल इलाज ही न मिले, बल्कि उन्हें सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी और लाभ भी प्राप्त हो सके।

यह मेडिकल वैन सिर्फ दवा देने तक सीमित नहीं है। टीम के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता, पोषण और बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सोशल प्रोटेक्शन ऑफिसर के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक और सामाजिक संबल मिल सके।

ग्रामीणों में खुशी की लहर: स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह सेवा उनके लिए किसी 'वरदान' से कम नहीं है। पहले छोटी बीमारियों के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, लेकिन अब गांव में ही जांच और दवा मुफ्त मिल जाती है। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए हेल्पेज ऑर्गेनाइजेशन और अदाणी फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया है। महागामा प्रखंड में चल रही यह मेडिकल हेल्थ यूनिट इस बात का सटीक उदाहरण है कि यदि कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) और संस्थागत अनुभव साथ मिल जाएं, तो ग्रामीण भारत की स्वास्थ्य चुनौतियों का प्रभावी समाधान निकाला जा सकता है।

महागामा नगर पंचायत चुनावः वार्ड 12 से प्रियंका कुमारी ने भरा हुंकार, नाजीर रसीद कटाकर आधिकारिक तौर पर मैदान में उतरीं

संवाददाता

गोड्डा/महामामा। झारखंड में नगर निकाय चुनाव की सुगबुगाहट के साथ ही महागामा नगर पंचायत क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। चुनावी बिगुल बजते ही प्रत्याशियों ने अपनी दावेदारी मजबूत करनी शुरू कर दी है। इसी क्रम में वार्ड संख्या 12 से भावी प्रत्याशी प्रियंका कुमारी ने आधिकारिक रूप से नाजीर रसीद कटवाकर चुनावी समर में अपने कदम रख दिए हैं। प्रियंका कुमारी जब नाजीर रसीद कटाने पहुंचीं, तो उनके साथ समर्थकों और स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ देखी गई। रसीद कटते ही वार्ड संख्या 12 के मतदाताओं और समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यालय परिसर से लेकर वार्ड की गलियों तक 'प्रियंका कुमारी जिंदाबाद' के नारे गूंजने लगे, जिससे क्षेत्र का सियासी पारा एकाएक बढ़ गया है। वार्ड संख्या 12 के स्थानीय निवासियों का मानना है कि प्रियंका कुमारी एक सक्रिय और जुझारू चेहरा हैं। वे लंबे समय से क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं जैसे जर्जर सड़कें, जलभराव (नाली की समस्या), शुद्ध पेयजल की किल्लत, खराब स्ट्रीट लाइटें और साफ-सफाई के मुद्दों पर आवाज उठाती रही हैं। ग्रामीणों के बीच उनकी छवि एक ऐसी नेत्री की है जो सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ी रहती हैं।

नाजीर रसीद कटाने के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रियंका कुमारी ने अपने इरादे साफ कर दिए। उन्होंने कहाः

"मेरा चुनाव लड़ने का उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि अपने वार्ड के हर परिवार की समस्याओं का समाधान करना है। यदि जनता ने मुझे सेवा का अवसर दिया, तो वार्ड संख्या 12 का सर्वांगीण विकास मेरी पहली प्राथमिकता होगी। हम मिलकर एक आदर्श वार्ड बनाएंगे।" प्रियंका कुमारी की आधिकारिक दावेदारी के बाद वार्ड संख्या 12 में चुनावी समीकरण बदलने लगे हैं। महागामा नगर पंचायत के अन्य वार्डों में भी प्रत्याशी अब सक्रिय हो गए हैं और जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। आने वाले दिनों में नामांकन प्रक्रिया और चुनाव प्रचार के साथ ही मुकाबला और भी कड़ा होने की उम्मीद है। फिलहाल, प्रियंका कुमारी के चुनावी मैदान में आने से वार्ड संख्या 12 के मतदाताओं के बीच चर्चाओं का बाजार गर्म है और मुकाबला काफी दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है।

साहिबगंज नगर परिषद चुनावः अशोक तुरी ने अध्यक्ष पद के लिए दाखिल किया नामांकन, विकास और शुचिता का लिया संकल्प

संवाददाता

साहिबगंज। नगर निकाय चुनाव की बढ़ती सरगर्मी के बीच आज अशोक तुरी ने साहिबगंज नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। उन्होंने निर्वाची पदाधिकारी गौतम कुमार भगत के कार्यालय में विधिवत रूप से अपनी दावेदारी पेश की। नामांकन के दौरान उनके साथ समर्थकों और कार्यकर्ताओं का भारी हुजूम देखा गया, जिनमें जबरदस्त उत्साह और जोश था।

नामांकन प्रक्रिया पूरी करने के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए अशोक तुरी ने नगर क्षेत्र के विकास के लिए अपना विजन साझा किया। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य नगर परिषद क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का जड़ से समाधान करना है। उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं में निम्नलिखित बिंदुओं को प्रमुखता से रखाः

स्वच्छ पेयजल: हर घर तक शुद्ध पानी की पहुंच सुनिश्चित करना।

सड़क और जल निकासी: जर्जर सड़कों की मरम्मत और जलजमाव की समस्या से मुक्ति के लिए ड्रेनेज सिस्टम को बेहतर बनाना।

सफाई और रोशनी: शहर की नियमित साफ-सफाई और हर गली-मोहल्ले में हाई-मास्ट व स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था।

शिक्षा और स्वास्थ्य: नगर क्षेत्र के सरकारी स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति में सुधार।

अशोक तुरी ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन का भरोसा दिलाते हुए कहा, "नगर परिषद में अब बिचौलिया संस्कृति नहीं चलेगी। हम पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ कार्य करेंगे ताकि सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। विशेषकर गरीब, कमजोर और पिछड़े वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा करना मेरा परम कर्तव्य होगा।" नामांकन के दौरान 'अशोक तुरी जिंदाबाद' के नारों से परिसर गूंज उठा। समर्थकों का कहना है कि अशोक तुरी एक कर्मठ और ईमानदार प्रत्याशी हैं, जो शहर की सूरत बदलने की क्षमता रखते हैं। इस मौके पर शहर के कई गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद थे। अशोक तुरी के चुनावी मैदान में उतरने से साहिबगंज नगर परिषद के अध्यक्ष पद का मुकाबला अब बेहद रोचक हो गया है। उनके द्वारा किए गए विकास के वादों और 'स्वच्छ-सुंदर साहिबगंज' के संकल्प ने मतदाताओं के बीच चर्चा तेज कर दी है।

सीनियर क्रिकेट लीगः अब्राहम शेख की घातक गेंदबाजी और अभिषेक के अर्धशतक से जीता पोखरिया पैंथर्स, बरहरवा को 4 विकेट से दी मात

संवाददाता

साहिबगंज। जिला क्रिकेट संघ (SDCA) के तत्वाधान में स्थानीय सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में शनिवार को एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में पोखरिया पैंथर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीए बरहरवा को 4 विकेट से पराजित कर जीत अपने नाम की। मैच की शुरुआत में सीए बरहरवा ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। हालांकि, पोखरिया पैंथर्स के गेंदबाजों की कसी हुई गेंदबाजी के सामने बरहरवा की टीम ज्यादा देर टिक नहीं सकी और 27.2 ओवर में मात्र 147 रनों पर ऑल आउट हो गई। बरहरवा की ओर से पीयूष गुप्ता ने सर्वाधिक 42 रन बनाए, जबकि ललित नारायण मंडल ने 29 और रोशन कुमार ने 18 रनों का योगदान दिया। पोखरिया पैंथर्स की ओर से गेंदबाजी में अब्राहम शेख मुख्य आकर्षण रहे, जिन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए। उनका बखूबी साथ देते हुए शुभम ने 3 और गौरव ने 2 विकेट हासिल किए। 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पोखरिया पैंथर्स की टीम ने आक्रामक शुरुआत की। टीम ने 20.2 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की जीत में अभिषेक की 50 रनों की अर्धशतकीय पारी और आदित्य कुमार मंडल के महत्वपूर्ण 39 रनों का बड़ा योगदान रहा। विकास और गौरव ने भी 14-14 रन जोड़कर टीम को जीत की दहलीज तक पहुँचाया। सीए बरहरवा की ओर से गेंदबाज सन्नी श्रीवास्तव ने कड़ी टक्कर देते हुए 4 विकेट लिए, लेकिन वे अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। मैच के अंत में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए पोखरिया पैंथर्स के अब्राहम शेख को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। मुख्य अतिथि नवीन भगत ने उन्हें ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। मैच का सफल संचालन अंपायर हयातुल्लाह और तारीक अनवर ने किया, जबकि स्कोरिंग की जिम्मेदारी श्याम रंजन ने निभाई। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा, टूर्नामेंट इंचार्ज मो. अशफाक आलम सहित कई खेल प्रेमी और खिलाड़ी मौजूद थे। टूर्नामेंट इंचार्ज मो. अशफाक आलम ने जानकारी दी कि रविवार को टूर्नामेंट का अगला मैच राजमहल बी बनाम नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के बीच खेला जाएगा।

रणधीर वर्मा ट्रॉफीः साहिबगंज की सीनियर क्रिकेट टीम गिरिडीह रवाना, 1 फरवरी से शुरू होगा अभियान

संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (JSCA) के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 'जेएससीए सीनियर इंटर डिस्ट्रिक्ट प्लेट ग्रुप टूर्नामेंट' (रणधीर वर्मा ट्रॉफी) में हिस्सा लेने के लिए साहिबगंज की टीम शुक्रवार को गिरिडीह के लिए रवाना हो गई। टीम के खिलाड़ी और पदाधिकारी साहिबगंज रेलवे स्टेशन से ट्रेन के जरिए गंतव्य की ओर निकले।

जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा ने टीम के कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि साहिबगंज की टीम गिरिडीह में आयोजित प्लेट ग्रुप में अपनी चुनौती पेश करेगी। टीम का मुकाबला निम्नलिखित तिथियों को होगाः

01 फरवरीः मेजबान गिरिडीह के खिलाफ पहला मैच।

02 फरवरीः दुमका की टीम के साथ टक्कर।

04 फरवरीः गोड्डा की टीम से मुकाबला।

खिलाड़ियों की रवानगी के वक्त साहिबगंज स्टेशन पर खेल प्रेमियों और संघ के पदाधिकारियों का उत्साह देखते ही बनता था। जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा, सुरेश साह, मो. अशफाक आलम, राकेश गुप्ता, श्याम रंजन तिवारी और चंदन यादव ने स्टेशन पहुंचकर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। सभी पदाधिकारियों ने टीम के सदस्यों को माला पहनाकर और शुभकामनाएं देकर विदा किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि साहिबगंज की टीम इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेगी। रणधीर वर्मा ट्रॉफी जिले के वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मंच है। साहिबगंज की टीम ने टूर्नामेंट के लिए कड़ी तैयारी की है और खिलाड़ियों के बुलंद हौसलों को देखते हुए इस बार अच्छे परिणाम की उम्मीद जताई जा रही है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

एक ही जमीन की कई बार बिक्री, महिला परेशान

संवाददाता मेदिनीनगर (पलामू): पलामू के मेदिनीनगर सदर अंचल में अंचल कर्मचारी और पदाधिकारी की मिलीभगत से एक ही जमीन की कई बार बिक्री का मामला सामने आया है। इससे खरीदार खासा परेशान हैं। रेड़मा गांव निवासी रागिनी पाठक ने आरोप लगाया है कि प्रशांत तिवारी उर्फ चिंटू ने उनके साथ मिलकर उनके पति के नाम से जमीन का म्यूटेशन कराया, जबकि बाद में उसी जमीन को फर्जी तरीके से स्वराज सिंह और शुभम सिंह के नाम भी रजिस्ट्री कर दी गई। रागिनी ने बताया कि उन्होंने जमीन का टैक्स पिछले तीन साल से जमा किया है और सीमांकन के लिए कई बार आवेदन किया, लेकिन अंचल के कर्मी और पदाधिकारी उनकी शिकायतों को अनदेखा कर रहे हैं। उन्होंने उपायुक्त और अंचल अधिकारी से कई बार शिकायत की, लेकिन जमीन का विवाद अब भी सुलझा नहीं। रागिनी ने कहा कि प्रशांत तिवारी, संजीव सिंह और शुभम सिंह उन्हें धमकियां दे रहे हैं। थाना में रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद भी अंचल के कर्मचारी कुंदन कुमार की मिलीभगत से उनके विरोध के बावजूद म्यूटेशन आगे बढ़ाया गया। रागिनी पाठक ने कहा कि अगर अधिकारियों से अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो वे मुख्यमंत्री से शिकायत करने को मजबूर होंगी।

विश्रामपुर में चुनावी रण गर्म, नामांकन में बढ़ी हलचल

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू): विश्रामपुर नगर परिषद चुनाव निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। नामांकन प्रक्रिया के चौथे दिन नगर परिषद कार्यालय और आसपास का इलाका पूरे दिन चुनावी गतिविधियों से गुलजार रहा। प्रत्याशियों, समर्थकों और राजनीतिक रणनीतिकारों की आवाजाही ने साफ कर दिया कि इस बार का चुनाव कड़ा, रोचक और बहुकोणीय होने वाला है। गुरुवार को अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशियों मसीना बेगम, प्रमिला देवी और नुरैसा वीवी ने विधिवत नामांकन दाखिल कर चुनावी रण में उतरने का औपचारिक ऐलान किया। अध्यक्ष पद की लड़ाई अब तेजी पकड़ चुकी है। वहीं चार वार्ड पार्षद प्रत्याशियों ने भी अपने-अपने नामांकन दाखिल कर वार्ड स्तर पर मुकाबले को और धारदार बना दिया। नामांकन के साथ-साथ फॉर्म बिक्री की प्रक्रिया भी पूरी गति से जारी रही। चौथे दिन अध्यक्ष पद के लिए तीन नामांकन फॉर्म की बिक्री हुई, जबकि वार्ड पार्षद पद के लिए 11 प्रत्याशियों ने फॉर्म खरीदे। अब तक की स्थिति पर नजर डालें तो अध्यक्ष पद के लिए कुल 24 नामांकन फॉर्म बिक चुके हैं, जिनमें से केवल तीन प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं वार्ड पार्षद पद के लिए 135 फॉर्म बिक चुके हैं, जिनमें से 11 प्रत्याशियों ने पर्चा भरा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि फॉर्म बिक्री की तुलना में नामांकन की कम संख्या यह संकेत देती है कि असली सियासी तस्वीर अंतिम चरण में ही सामने आएगी। संभावित प्रत्याशी अंतिम समय तक समीकरण साधने में जुटे हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में नामांकन स्थल पर भीड़ और मुकाबले की गर्मी और बढ़ने की संभावना है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, विश्रामपुर में चुनावी चक्रम और सियासी हलचल अपने चरम की ओर बढ़ती नजर आ रही है।

किसान का बेटा चेन्नई में जीता ब्राउंज मेडल

संवाददाता मेदिनीनगर। झारखंड के गढ़वा जिला के नगर उंटारी निवासी आमीर रेयाज ने चेन्नई में चल रहे ट्रैक साईक्लिंग एशिया कप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ब्राउंज मेडल जीतकर सफलता का परचम लहराया है। इस प्रतियोगिता में 11 देश की टीमों ने भाग लिया है। किसान का बेटा आमीर रेयाज मीन एलाईट टीम स्प्रिंट 100 मीटर और दो सौ मीटर दोनों में ब्राउंज मेडल प्राप्त कर सबको चौका दिया। आमीर ने गढ़वा सहित पूरे झारखंड का नाम रौशन किया है। ब्राउंज मेडल जीतने पर खिलाड़ियों, पदाधिकारियों समेत उसके शुभाचिंतकों ने जीत की बधाई दी है। ब्राउंज मेडल का पुरस्कार मिलने के बाद आमीर रेयाज ने कहा कि मेहनत कर कठिन से कठिन मंजिल व सफलता पायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा ग्रहण कर देश की सेवा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी है। युवाओं को हर क्षेत्र में बेहतर करने से आगे बढ़ने का रास्ता खुद ही खुल जाता है।

83 वर्षीय रिटायर शिक्षक का निधन

संवाददाता मेदनी नगर। नावा बाजार-रबदा निवासी रिटायर शिक्षक 83 वर्षीय मधुसूदन प्रसाद सिंह का मेदनी नगर के दूसरे आवास पर शुक्रवार रात अचानक निधन हो गया। उनकी मौत की खबर क्षेत्र में तेजी से फैल गई और अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर लोगों की भीड़ लग गई। लोग परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाते हुए उन्हें सांत्वना देने पहुंचे। मधुसूदन प्रसाद सिंह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वे सरकारी शिक्षक थे और लोहड़ा मध्य विद्यालय से 2004 में रिटायर हुए थे। उन्होंने अपने पीछे एक पूरा परिवार छोड़ गया है। उनके निधन पर परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक का अंतिम संस्कार शनिवार को मेदनी नगर, राजा हरिश्चंद्र घाट पर किया गया। अंतिम संस्कार में भाजपा नेता श्यानारायण दुबे, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र पांडेय, वेदप्रकाश शर्मा, बेरोजगार संघ के जिलाध्यक्ष उदय राम, पूर्व मंत्री एन त्रिपाठी, विपिन बिहारी सिंह, नावा बाजार राजद प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र चौधरी, पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं विधायक प्रतिनिधि अनुज राम, तुकबेरा पंचायत मुखिया विनोद विश्वकर्मा, रबदा पंचायत मुखिया प्रतिनिधि संजीवन भुईयां, प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र दुबे, सीआरसी श्रीकांत पांडे, पारा शिक्षक सतेंद्र पासवान, पलामू बार एसोसिएशन के सदस्य विभाकर नारायण पांडे सहित कई वरिष्ठ लोग उपस्थित थे।

जसपुर स्कूल के प्रधानाध्यापक सुरेंद्र कुमार का विदाई सह सम्मान समारोह संपन्न

संवाददाता

मनातू (पलामू)। दिन शनिवार को मनातू प्रखंड अंतर्गत ग्राम जसपुर स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में प्रधानाध्यापक सुरेंद्र कुमार के सम्मान में विदाई सह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, प्रखंड के कई शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। स्कूल के प्रधानाध्यापक सुरेंद्र कुमार को प्रखंड के कई शिक्षकों ने अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर शिक्षकों द्वारा सम्मानित किया गया। सभी शिक्षकों ने उन्हें उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान, अनुशासन एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए कार्यों की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर जसपुर विद्यालय के सहायक अध्यापक राजकुमार सिंह, कुमारी कंचन, समशीर अंसारी, सुभान अंसारी, आनंद बिहारी सिंह, तक्कीउद्दीन अंसारी, महाबली दुबे, रामशरण कुमार, संजय श्रीवास्तव, सुधा कुमारी, आशीष कुमार, अजीत सिंह सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी शिक्षकों ने अपने संबोधन में कहा कि सुरेंद्र कुमार का कार्यकाल विद्यालय के लिए प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, अनुशासन कायम रखने एवं बच्चों को बेहतर भविष्य की ओर मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है। विदाई समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को भावनात्मक बना जिससे विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत एवं विदाई गीत प्रस्तुत कर अपने प्रिय शिक्षक के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया। बच्चों की प्रस्तुति देखकर कई शिक्षक एवं अभिभावक ने सराहना किया एवं कहा कि सरकारी स्कूल में ऐसी ऐसी कार्यक्रम के लिए बहुत बड़ी बात है जो ऐसे शिक्षक का देन है। प्रखंड के कई शिक्षको ने बोला विद्यालय के विकास, शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता एवं बच्चों के भविष्य को संवारने में शिक्षक का हाथ होती है सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापक सुरेंद्र कुमार के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल जीवन की कामना करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

हरिहरगंज : वार्ड पार्षद पद पर हुआ पहला नामांकन

संवाददाता

हरिहरगंज. नाम निर्देशन के तीसरे दिन शनिवार को वार्ड पार्षद पद के अभ्यर्थी पूजा कुमारी ने नामांकन प्रपत्र दाखिल किया. उन्होंने निर्वाची पदाधिकारी मनीष कुमार सिन्हा के समक्ष परचा दाखिल किया. वे अपने समर्थक व प्रस्तावक के साथ हरिहरगंज कार्यालय पहुंचे थे. इधर अध्यक्ष पद के लिए चार प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र खरीदा है. जबकि वार्ड पार्षद पद के लिए वार्ड संख्या 1 से 8 तक कुल 9 तथा 9 से 16 के पार्षद पद के लिए 13 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई. हालांकि नामांकन प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची उपलब्ध नहीं कराए जाने को लेकर उम्मीदवारों में नाराजगी भी देखने को मिली. कई उम्मीदवारों ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के अभाव में नामांकन करने में कठिनाई हो रही है. इस संबंध में कुछ उम्मीदवारों ने निर्वाचन पदाधिकारी से शीघ्र मतदाता सूची उपलब्ध कराने की मांग की.

पोक्सो व जे जे एक्ट पर जिला स्तर पर मल्टी स्टेक होल्डर कंसल्टेशन आयोजित

संवाददाता

पलामू: पोक्सो एक्ट और जे जे एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन और बच्चों के न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर मल्टी स्टेक होल्डर कंसल्टेशन का आयोजन शनिवार को सिविल कोर्ट सभागार में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मेदिनीनगर, झालसा रांची के निर्देश व पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश व डालसा के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम अखिलेश कुमार, पोक्सो कोर्ट की स्पेशल जज श्वेता ढींगरा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव राकेश रंजन, जे जे बोर्ड की प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट समीरा खान, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजीव रंजन, सिविल सर्जन अनिल श्रीवास्तव, एमएमसीएच के सुपरिडेंट डॉ. अजय कुमार और जिला प्रशासन के विभिन्न स्टेक होल्डर उपस्थित थे। कार्यशाला का मुख्य फोकस पोक्सो और जे जे एक्ट के मामलों में पीड़िता को न्याय दिलाने और सरकारी प्रावधानों के तहत उचित मुआवजा सुनिश्चित करने पर रहा। स्पेशल जज श्वेता ढींगरा ने पोक्सो एक्ट के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों और जांच अधिकारियों तथा स्टेक होल्डर की शंकाओं का समाधान साझा किया। उन्होंने कहा कि पोक्सो के मामलों में पीड़िता का नाम सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए और स्पॉट पर्सन की भूमिका महत्वपूर्ण है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सुझाव दिया कि स्कूल और कॉलेजों में पोक्सो एक्ट से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। वहीं, जे जे एक्ट से संबंधित बच्चों के कल्याण और संरक्षण के प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू कराने पर भी चर्चा हुई।

संत मरियम स्कूल के छात्र शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना

संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल हायर सेकेंडरी के छात्र शैक्षणिक भ्रमण के लिए नेतरहाट रवाना हुए। इस अवसर पर मेदिनीनगर वन प्रभाग के अटैच्ड ऑफिसर नवनीत बी. आर. एवं अधिकारी लव कुमार ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को शुभारंभ किया। इस शैक्षणिक भ्रमण में चेयरमैन अविनाश देव, उप-प्राचार्य एस. बी. शाहा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे। विद्यालय के सैकड़ों छात्र इस यात्रा में भाग लेकर प्रकृति को करीब से समझेंगे और उसका अध्ययन करेंगे। नवनीत बी. आर. ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती। कक्षा में पढ़ाए जाने वाले विषय तभी सार्थक बनते हैं, जब विद्यार्थी उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से समझते हैं। पहाड़, जंगल, नदी, झरने तथा सूर्य का उदय और अस्त—ये सभी जीवन के मौन शिक्षक हैं, जो बच्चों को बहुत कुछ सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा वातावरण सबसे बड़ी पाठशाला है और ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों की सोच को व्यापक बनाते हैं। लव कुमार ने कहा कि विद्यार्थी किस पृष्ठभूमि से आते हैं, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना उनके सपने और लक्ष्य। यदि बच्चे अपने सपनों को साकार करने का संकल्प रखते हैं, तो वे जीवन में ऊँचाइयों को छू सकते हैं। विद्यालय के अध्यक्ष अविनाश देव ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह भ्रमण उन्हें नई ऊर्जा, नए विचार और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ लौटने का अवसर देगा तथा वे तनावमुक्त होकर पुनः अध्ययन में जुटेंगे। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्र नेतरहाट में सूर्य उदय एवं

मैट्रिक-इंटर की परीक्षा 3 फरवरी से,81002 परीक्षार्थी लेंगे भाग

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू झारखंड अधिविद्य परिषद,रांची द्वारा वार्षिक माध्यमिक परीक्षा एवं वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा,2026 का आयोजन 3 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक संचालित होगी। माध्यमिक परीक्षा में 42989 एवं इंटरमीडिएट कला,विज्ञान एवं वाणिज्य संकायों की परीक्षा में 38013 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। इस प्रकार दोनों परीक्षाओं में 81002 परीक्षार्थी भाग लेंगे। माध्यमिक परीक्षा के लिए पलामू जिले में 70 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये गए हैं।वहीं इंटर परीक्षा के लिए 39 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं।निष्पक्ष,शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन को लेकर आज समाहरणालय के दूसरे तल्ले के सभागार में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस एवं उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों ने सभी उड़नदस्ता-सह गश्ती दंडाधिकारी, स्टैटिक दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी,उड़नदस्ता एवं गस्ती दल पदाधिकारी केन्द्राधीक्षक एवं प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में परीक्षा से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा एवं सजगतापूर्वक करने का निदेष दिया गया।उपायुक्त ने कहा कि परीक्षाओं का संचालन निष्पक्ष,शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त संपन्न कराना सभी की जिम्मेवारी है।परीक्षा के सफल संचालन हेतु झारखंड परीक्षा संचालन अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।उन्होंने परीक्षा से जुड़े सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय एवं समय प्रबंधन के साथ कार्य करने का निदश दिया।केन्द्राधीक्षकों को परीक्षा केन्द्र में सीसीटीव इंस्टॉल करने के सख्त निदेश दिये गये।केन्द्रों पर परीक्षार्थियों के लिए पीने के शुद्ध पानी,रनिंग वाटर युक्त छात्र एवं छात्राओं के लिए शौचालय,परीक्षा कक्ष में पर्याप्त प्रकाश व्यस्था, पर्याप्त फर्नीचर (बेंच-डेस्क)आदि आवश्यक बुनियादी सुविधाएं बहाल रखने का निदेश दिया।वहीं आवंटित रौल नंबर-रौल कोड के अनुरूप परीक्षार्थियों के लिए सिटिंग अरेंजमेंट करने का निदेश दिया। परीक्षा को लेकर परीक्षा केन्द्रों पर निषेधाज्ञा लागू की गई है। परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर की परिधि में परीक्षा की तिथि को परीक्षा के दौरान निषेधाज्ञा लागू रहेगी।निषेधाज्ञा परीक्षा केन्द्रों पर निर्धारित तिथि को ही लागू होगा। परीक्षा से संबंधित व्यक्तियों के अलावें अन्य किसी की उपस्थिति निषेध रहेगा।उन्होंने कहा कि निष्पक्ष,शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन की जिम्मेवारी केन्द्राधीक्षक को है। परीक्षा में लगाये गये वीक्षकों को केन्द्राधीक्षकों द्वारा परिचय पत्र जारी करने का निदेष दिया गया ताकि उनका पहचान हो सके।इससे परीक्षा केन्द्र में अनावश्यक रूप से किसी अन्य व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने में मदद मिलेगी।मौके पर सदर एसडीओ सुलोचना मीणा,अपर समाहर्ता कुंदन कुमार,सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी,कोषागार पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी,जिला जिला शिक्षा अधीक्षक आदि उपस्थित थे। प्रथम पाली में माध्यमिक व द्वितीय पाली में होगी इंटरमीडिएट की परीक्षा माध्यमिक परीक्षा प्रथम पाली में 9.45 बजे पूर्वाहन से 1:00 बजे अपराह्न तक होगी और इंटरमीडिएट परीक्षा (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) की परीक्षा 2:00 बजे अपराह्न से 5:15 बजे अपराह्न तक आयोजित होगी।3 फरवरी 2026 से शुरू होकर परीक्षाएं 23 फरवरी तक चलेगी।

उपेंद्र मिश्रा का विद्यालय में विदाई समारोह, सम्मानित हुए शिक्षक

संवाददाता

बेतला: प्रखंड के सरइडीह उच्च विद्यालय में शनिवार को सेवानिवृत शिक्षक उपेंद्र मिश्रा के लिए विशेष विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर और प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज उपस्थित रही। विदाई समारोह का उद्घाटन सेवानिवृत शिक्षक और अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक उमेश टोप्पो और अन्य शिक्षकों के साथ अतिथियों ने उपेंद्र मिश्रा को अंग वस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने संस्कृत गीत और भक्ति गीत प्रस्तुत कर शिक्षक को भावभीनी विदाई दी। मुख्य अतिथि संतोषी शेखर ने कहा कि समाज में किसी भी पद पर योगदान देने वाले व्यक्ति की पहचान बनाने में शिक्षक का योगदान अहम होता है और शिक्षक के ज्ञान और सम्मान के बिना जीवन अधूरा है। बीडीओ रेखा ने कहा कि शिक्षक सरकारी सेवा से सेवानिवृत हो सकते हैं, पर उनका समाज के प्रति योगदान जीवनभर जारी रहता है। सेवानिवृत शिक्षक उपेंद्र मिश्रा ने कहा कि उन्होंने अपनी सेवा के दौरान विभिन्न जिलों और प्रखंडों में कार्य किया और सफलता तथा निराशा दोनों अनुभव की। अब सेवानिवृत होने के बाद समाज के प्रति जिम्मेदारी और बढ़ गई है, जिसे वे पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। कार्यक्रम में मुखिया बुद्धेश्वर सिंह, ग्राम प्रधान रामनाथ प्रसाद, शिक्षक मनोज पांडे, राजकुमार, नरेंद्र राम, वार्ड सदस्य जय शंकर सिंह जानू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अवैध शराब विवाद व कॉलेज कैंपस फायरिंग का खुलासा, 5 अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता

पलामू: हुसैनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत अलग-अलग दो घटनाओं में हुई मारपीट व हवाई फायरिंग के मामले का पुलिस ने त्वरित उद्भेदन करते हुए कुल 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस एवं एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कजरात नावाडीह में अवैध शराब कारोबार को लेकर दो गुटों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। इस संबंध में दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर हुसैनाबाद थाना कांड संख्या 10/26 एवं 14/26 दर्ज किया गया था। इसी क्रम में 20 जनवरी 2026 को ए.के. सिंह कॉलेज, जपला के कैंपस में परीक्षा के दौरान छात्रों के बीच आपसी विवाद हो गया। आरोप है कि छात्र आयुष कुमार सिंह उर्फ सिट्ट ने अपने साथियों को कॉलेज परिसर में बुलाकर छात्र सत्यम कुमार सिंह के साथ मारपीट की तथा हवाई फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। इस मामले में जख्मी छात्र सत्यम कुमार के आवेदन पर हुसैनाबाद थाना कांड संख्या 15/26 दर्ज किया गया। प्रारंभिक अनुसंधान के दौरान दोनों ही घटनाओं में हवाई फायरिंग की पुष्टि होने के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, हुसैनाबाद के नेतृत्व में एक एसआईटी (SIT) टीम का गठन किया गया। एसआईटी टीम ने मानवीय सूचना, तकनीकी शाखा एवं गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों कांडों में शामिल 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान सभी अभियुक्तों ने अपने-अपने अपराध को स्वीकार किया। दोनों घटनाओं में संयुक्त रूप से शामिल अभियुक्त रौशन कुमार सिंह के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर फायरिंग में प्रयुक्त देशी कट्टा व दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसके साथ ही घटना में प्रयुक्त एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (संख्या JH03 Q-6922) भी जब्त की गई है। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों

रौशन कुमार सिंह (22 वर्ष), पिता- रंजय सिंह, महुअरी डिहरी, थाना- हुसैनाबाद

सत्यम कुमार सिंह (21 वर्ष), पिता- कुंदन सिंह, कजरात नावाडीह

लड्डू कुमार सिंह उर्फ मनीष कुमार सिंह (25 वर्ष), पिता- राजेन्द्र कुमार सिंह, मझौली

दीपक कुमार सिंह (23 वर्ष), पिता- दलभजन सिंह, बिशुनुपुर

चिकु उर्फ विकास कुमार सिंह (23 वर्ष), पिता- सुरेन्द्र सिंह, कुर्मीपुर आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा दो जिंदा कारतूस (8MM KF अंकित) एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (JH03 Q-6922) बरामद हुआ है

नगरपालिका निर्वाचन 2026: प्रत्याशियों के पाई-पाई खर्च पर रहेगी पैनी नजर, व्यय प्रेक्षकों ने निगरानी टीमों को दिया 'कड़ा टास्क'

संवाददाता

जामताड़ा। नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रलोभन मुक्त संपन्न कराने के लिए जामताड़ा जिला प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। शनिवार को समाहरणालय सभागार में मिहिजाम नगर परिषद (वर्ग ख) के व्यय प्रेक्षक श्री राजेश कुमार यादव और जामताड़ा नगर पंचायत के व्यय प्रेक्षक श्री शिवशंकर सिंह मुंडा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान दोनों व्यय प्रेक्षकों ने सहायक व्यय प्रेक्षक, अकाउंटिंग टीम, वीडियो सर्विलांस टीम (VST), वीडियो अवलोकन दल (VVT), उड़नदस्ता दल (FST) और स्थैतिक निगरानी दल (SST) के सदस्यों को उनके दायित्वों के प्रति ब्रीफ किया। प्रेक्षकों ने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्वाचन की शुचिता को बनाए रखना सभी टीमों की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि अभ्यर्थियों द्वारा किए जा रहे एक-एक पैसे के खर्च का संधारण (Accounting) पूरी सटीकता के साथ किया जाए ताकि चुनाव में धनबल के प्रभाव को रोका जा सके। बैठक में जिले के 8 चिन्हित चेकनाको की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। व्यय प्रेक्षकों ने उड़नदस्ता दल (FST) और स्थैतिक निगरानी दल (SST) को निर्देश दिया कि चेकनाकों पर सघन जांच सुनिश्चित की जाए। अवैध नकदी, शराब या अन्य उपहार सामग्री की आवाजाही पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। व्यय प्रेक्षकों ने कहा कि निर्वाचन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जिला शिकायत अनुश्रवण नियंत्रण कक्ष और कॉल सेंटर को पूरी तरह 'फंक्शनल' कर दिया गया है। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त कर्मियों को आपसी समन्वय (Mutual Coordination) के साथ कार्य करने की सलाह दी, ताकि सूचनाओं का आदान-प्रदान त्वरित गति से हो सके।

समाहरणालय में आयोजित इस उच्चस्तरीय बैठक में मुख्य रूप से:

अनुमंडल पदाधिकारी श्री अनंत कुमार

जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) श्री पंकज कुमार रवि

कोषागार पदाधिकारी श्री विकेश कुणाल प्रजापति

विभिन्न टीमों के प्रभारी, संबंधित पुलिस पदाधिकारी और प्रतिनियुक्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रमुख निर्देश:

1. वीडियो सर्विलांस: चुनावी रैलियों और सभाओं की हर गतिविधि की वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य होगी।
2. व्यय संधारण: अभ्यर्थियों के रजिस्टर और अकाउंटिंग टीम के रजिस्टर का समय-समय पर मिलान किया जाएगा।
3. त्वरित कार्रवाई: उड़नदस्ता दल सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

जामताड़ा प्रशासन की इस सक्रियता से स्पष्ट है कि आगामी नगरपालिका चुनाव में नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रत्याशियों पर गाज गिरनी तय है। व्यय प्रेक्षकों की सीधी निगरानी में अब हर चुनावी गतिविधि प्रशासन के राडार पर है।

नगरपालिका चुनाव 2026: जामताड़ा में चुनावी तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, त्रुटिरहित निर्वाचन के लिए कर्मियों को दिया गया महा-प्रशिक्षण

संवाददाता

जामताड़ा। जिले में आगामी नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त श्री रवि आनंद (भा०प्र०से०) के निर्देश पर शनिवार, 31 जनवरी 2026 को जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर (DPRC) के सभागार में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी श्री अनंत कुमार ने उपस्थित सभी वरीय एवं नोडल अधिकारियों सहित प्रतिनियुक्त कर्मियों को संबोधित किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्वाचन एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "सभी कर्मी प्रशिक्षण के हर बिंदु को गहराई से समझें ताकि मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियात्मक त्रुटि न हो। हमारा लक्ष्य सुगम और पारदर्शी चुनाव संपन्न कराना है।" प्रशिक्षण कोषांग के वरीय प्रभारी सह जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री चार्ल्स हेंब्रम ने प्रशिक्षण की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि निर्वाचन जैसे जटिल कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए गहन प्रशिक्षण सबसे अनिवार्य हिस्सा है। उन्होंने कर्मियों से अपील की कि यदि मन में कोई भी संशय या शंका हो, तो मास्टर ट्रेनर से उसका समाधान तुरंत कराएं। कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार की दुविधा चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर सैयद मो० इमाम एवं हरि प्रसाद राम ने प्रोजेक्टर और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से विभिन्न कोषांगों के कार्य और उत्तरदायित्वों की जानकारी दी। इस दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गया:

विभिन्न कोषांगों के कार्य और उनका समन्वय।

निर्वाचन प्रक्रम (Election Process) की विस्तृत जानकारी।

स्वच्छ और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के मानक संचालन प्रक्रिया (SOP)।

ईवीएम और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकियां।

इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्र में जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) श्री पंकज कुमार रवि, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री सुनील कुमार सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री चार्ल्स हेंब्रम सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी और निर्वाचन कार्य के लिए प्रतिनियुक्त भारी संख्या में कर्मी मौजूद रहे। जामताड़ा प्रशासन द्वारा समय रहते शुरू किए गए इस प्रशिक्षण अभियान से यह स्पष्ट है कि आगामी नगरपालिका चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह से 'अलर्ट मोड' पर है। अधिकारियों का जोर तकनीक और नियमों के सटीक समन्वय पर है ताकि लोकतंत्र का यह पर्व निर्विघ्न संपन्न हो सके।

जामताड़ा: मनरेगा दिवस पर ग्रामीण विकास को मिलेगी नई रफ्तार, 'मनरेगा का विश्वास, रोजगार से विकास' अभियान का होगा आगाज

संवाददाता

जामताड़ा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली मनरेगा योजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जामताड़ा जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। आगामी 02 फरवरी को 'मनरेगा दिवस' के अवसर पर जिले के सभी 6 प्रखंडों और 118 पंचायतों में "मनरेगा का विश्वास, रोजगार से विकास" अभियान शुरू किया जाएगा। शनिवार को उपायुक्त श्री रवि आनंद (भा०प्र०से०) के निर्देश पर उप विकास आयुक्त (DDC) श्री निरंजन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में इस महा-अभियान की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए डीडीसी श्री निरंजन कुमार ने कहा कि 02 फरवरी 2006 को जब यह योजना शुरू हुई थी, तब इसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी देना था। इस वर्ष हम इस दिन से एक विशेष अभियान शुरू कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों से होने वाले पलायन को रोकना और इच्छुक परिवारों को उनके गांव में ही सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराना है।

अभियान की मुख्य विशेषताएं:

1. जॉब कार्ड का सुदृढ़ीकरण: वंचित परिवारों को चिन्हित कर उन्हें आधार लिंक और ई-केवाईसी युक्त जॉब कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे।
2. सहभागिता और जागरूकता: गांव-गांव में दीवार लेखन के माध्यम से जागरूकता फैलाई जाएगी और विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन होगा।
3. 100 कार्य दिवस का लक्ष्य: प्रशासन का जोर इस बात पर है कि अधिक से अधिक परिवारों को साल में 100 दिनों का पूर्ण रोजगार मिल सके।
4. साप्ताहिक रोजगार दिवस अब प्रत्येक गुरुवार को पंचायतों में 'साप्ताहिक रोजगार दिवस' मनाया जाएगा, ताकि काम की मांग और आपूर्ति में समन्वय बना रहे।

प्रशासन ने योजना के क्रियान्वयन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने का भी निर्णय लिया है। मनरेगा दिवस पर जिले के उन सर्वश्रेष्ठ श्रमिकों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने वर्ष के दौरान सबसे अधिक दिन काम किया है। साथ ही, बेहतर कार्य करने वाले मेट को भी जिला स्तर पर सम्मान मिलेगा।

केवल रोजगार ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी इस दिवस से जोड़ा गया है। जिले में निर्मित अमृत सरोवरों और जल संरक्षण स्थलों पर सामुदायिक श्रमदान का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। समाहरणालय में आयोजित इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी आकांक्षा कुमारी (नाला), जमाले राजा (कुंडहित), प्रेम कुमार दास (फतेहपुर) और देवराज गुप्ता (नारायणपुर) के अलावा जेएसएलपीएस के जिला समन्वयक और परियोजना पदाधिकारी पूनम मौजूद रहीं। जिले के सभी प्रखंडों के बीपीओ और अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन जुड़े रहे। जामताड़ा प्रशासन की इस पहल से न केवल मनरेगा मजदूरों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि 'मनरेगा का विश्वास, रोजगार से विकास' अभियान के जरिए जिले के सुदूरवर्ती गांवों में आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे।

असम के संथालों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ जामताड़ा में गूँजी आवाज़: भारत दिसोम आदिवासी संघ ने भरी हुंकार

संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भारत दिसोम आदिवासी संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। केंद्रीय अध्यक्ष सुरेश मुर्मू और केंद्रीय उपाध्यक्ष शिवधन सोरेन के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में मुख्य रूप से असम में संथाल आदिवासियों के साथ हो रहे शोषण, अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध रणनीति तैयार की गई। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष सुरेश मुर्मू ने कहा कि असम में हमारे संथाल भाइयों के साथ लगातार अन्याय और शोषण हो रहा है, जिसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत दिसोम आदिवासी संघ पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ा है और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान कर रहा है। संघ ने केंद्र सरकार से पुरजोर मांग की है कि असम के संथालों को अविलंब न्याय, पर्याप्त सुरक्षा और उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से बैठक में सर्वसम्मति से देवघर और धनबाद जिला इकाइयों के पदाधिकारियों का चयन किया गया:

देवघर जिला: अमर हेंब्रम को जिला अध्यक्ष और अखिलेश मुर्मू को जिला उपाध्यक्ष चुना गया।

धनबाद जिला: रामदेव मरांडी को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे आदिवासी समाज के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस बैठक में संघ के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मौके पर प्रेम मरांडी, गणेश मरांडी, विकास किस्कू, जितन हेंब्रम, विजय हेंब्रम, आकाश सोरेन, आनंद सोरेन, बबलू सोरेन, अमर हेंब्रम, दीपन मुर्मू, रामदेव मरांडी, संदीप बेसरा, लखिनदर हेंब्रम, मिंदर हेंब्रम, महादेव बेसरा, सोनालाल मरांडी, रमेश हेंब्रम, राकेश टुडू और संजय हेंब्रम सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता और समाज के प्रबुद्ध जन मौजूद थे।

जामताड़ा के गांधी मैदान से उठी यह आवाज़ न केवल संगठन की मज़बूती को दर्शाती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि आदिवासी समाज अपने अधिकारों और अपने भाइयों की सुरक्षा के लिए किसी भी स्तर पर संघर्ष करने को तैयार है।

'जान है तो जहान है': जामताड़ा SP के निर्देश पर सड़क सुरक्षा अभियान तेज, वाहन चालकों को सिखाए यातायात के पाठ

संवाददाता

जामताड़ा। जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आम जनमानस को सुरक्षित सफर के प्रति जागरूक करने के लिए जामताड़ा पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस अधीक्षक (SP) के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए शनिवार को बिंदपाथर थाना क्षेत्र के बस्ती पालजोरी के समीप सघन सड़क सुरक्षा सह जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान सब-इंस्पेक्टर (SI) अनुज कुमार की देखरेख में संचालित किया गया। इस दौरान पुलिस बल ने मुख्य सड़क से गुजरने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहनों को रोककर उनकी बारीकी से जांच की। अभियान का मुख्य फोकस केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहकर लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने पर रहा। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि कई चालक बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के वाहन चला रहे थे। SI अनुज कुमार ने ऐसे चालकों को रोककर उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा:

"हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग केवल पुलिस के चालान या दंड से बचने के लिए न करें। यह आपकी अपनी जान की सुरक्षा के लिए है। सड़क पर आपकी एक छोटी सी लापरवाही आपके परिवार के लिए भारी पड़ सकती है।"

अभियान की मुख्य प्राथमिकताएं:

दस्तावेजों की पड़ताल: पुलिस ने वाहनों के बीमा (Insurance), ड्राइविंग लाइसेंस और प्रदूषण प्रमाण पत्र (PUC) की जांच की।

ट्रिपल लोडिंग पर लगाम: दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाकर चलने वाले युवाओं को विशेष रूप से रोका गया और उन्हें सड़क सुरक्षा के खतरों के बारे में समझाया गया।

युवाओं को चेतावनी: बिना हेलमेट तेज रफ्तार बाइक चलाने वाले युवाओं को भविष्य में यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी गई।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस निरंतर चलने वाले अभियान का प्राथमिक उद्देश्य राजस्व वसूली या जुर्माना लगाना नहीं है, बल्कि लोगों में यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी का भाव पैदा करना है। पुलिस का मानना है कि जब लोग स्वयं जागरूक होंगे, तभी जिले में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों में कमी आएगी। इस मौके पर बिंदपाथर थाना के कई पुलिसकर्मी और सशस्त्र बल के जवान मुस्तैद रहे, जिन्होंने सुचारू रूप से वाहन चेकिंग और जागरूकता कार्य को संपन्न कराया।

शिक्षा के एक समर्पित अध्याय का समापन: आदर्श मध्य विद्यालय कुंडहित में सुब्रत चक्रवर्ती को दी गई भावभीनी विदाई

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। एक शिक्षक का विदा होना केवल एक पद का रिक्त होना नहीं, बल्कि अनुभवों के एक विशाल भंडार का विद्यालय से ओझल होना है। शनिवार को कुंडहित शैक्षणिक अंचल के आदर्श मध्य विद्यालय कुंडहित में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहाँ प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री सुब्रत चक्रवर्ती के सेवानिवृत्ति पर एक भव्य विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। 22 वर्षों की लंबी और गौरवशाली सेवा के बाद जब वे विद्यालय से विदा हुए, तो छात्र-छात्राओं और सहकर्मियों की आंखें नम हो गईं। समारोह की अध्यक्षता कर रहे मुख्य अतिथि सह पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरी मंडल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी सेवा की एक समय सीमा होती है, लेकिन एक शिक्षक समाज के लिए कभी रिटायर्ड नहीं होता। श्री चक्रवर्ती ने अपना पूरा जीवन बच्चों के भविष्य को संवारने में लगा दिया। यह उनके जीवन का एक नया चरण है, जिसे वे अपने अनुभवों से और भी मूल्यवान बनाएंगे। विशिष्ट अतिथि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (BEEO) मिलन कुमार घोष ने सुब्रत चक्रवर्ती के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि 17 फरवरी 2004 को नियुक्ति के बाद से उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में जो योगदान दिया, वह सराहनीय है। आज 31 जनवरी 2026 को वे अपनी 60 वर्ष की आयु पूरी कर सेवामुक्त हो रहे हैं। उनकी कार्यकुशलता और अनुशासन विद्यालय के लिए हमेशा एक मिसाल रहेगा। समारोह में विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। विदाई के क्षणों में विद्यार्थी काफी भावुक नजर आए। बच्चों और शिक्षकों ने अपने 'परम शिक्षक' को उपहार और स्मृतियां भेंट कीं। इस दौरान वक्ताओं ने उनके कार्यकाल से जुड़ी यादें साझा कीं और उनके सुखद व स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि माधव चन्द्र महतो, भागवत झा आजाद महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य सुखदेव माजी, कुंडहित मुखिया विमला हांसदा, सेवानिवृत्त शिक्षक अजीत घोष और अर्जुन मंडल विशेष रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा, शिक्षक जयदेव रविदास, गिरिधारी महतो, श्यामल माजी, अरिजित सिंह, सीआरपी संजीत मिस्त्री, चन्दन लौह, घनश्याम गोराई, स्वप्न मंडल, शांति मय माजी, देवीश्वर सोरेन, नगरी विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल मुर्मू, अपर्णा मंडल, झरना मंडल, वंदना फौजदार सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य और भारी संख्या में ग्रामीण व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

साहिबगंज: स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखने निकले सिविल सर्जन, 4 स्वास्थ्य केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

साहिबगंज। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने और सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के उद्देश्य से शनिवार को सिविल सर्जन ने बड़ी कार्रवाई की। सिविल सर्जन ने जिले के चार प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और लापरवाह कर्मियों को सख्त चेतावनी दी। सिविल सर्जन ने अपने दौरे के दौरान एएएम सकरीगली एफपी, एएएम सकरीगली, एएएम मदनशाही एवं एएएम लोहंडा स्वास्थ्य संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। बिना किसी पूर्व सूचना के पहुंचे सिविल सर्जन को देख स्वास्थ्य केंद्रों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने सबसे पहले कर्मियों की उपस्थिति पंजी (Attendance Register) की जांच की। उन्होंने केवल कागजी उपस्थिति पर भरोसा न करते हुए आसपास के स्थानीय नागरिकों से भी बातचीत की। ग्रामीणों से यह फीडबैक लिया गया कि स्वास्थ्य कर्मी नियमित रूप से केंद्र पर आते हैं या नहीं और मरीजों को समय पर उपचार मिलता है या नहीं।

इसके अलावा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (AAM) में दी जा रही सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें निम्नलिखित बिंदुओं पर गौर किया गया:

दवाइयों का स्टॉक: क्या मरीजों को मुफ्त दवाइयां मिल रही हैं?

डायग्नोस्टिक सेवाएं: जांच उपकरणों की स्थिति और पैथोलॉजी सेवाओं की उपलब्धता।

फील्ड विजिट: संबंधित संस्थानों के अधीनस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच।

निरीक्षण के बाद सिविल सर्जन ने उपस्थित सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ बैठक की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार की मंशा स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की है, इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रमुख निर्देश:

1. सेवा की गुणवत्ता: मरीजों के साथ मृदु व्यवहार करें और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाएं।
2. ईमानदारी और निष्ठा:सभी कर्मी अपनी ड्यूटी के प्रति ईमानदार रहें और निर्धारित समय पर केंद्र पर उपस्थिति सुनिश्चित करें।
3. स्वच्छता: अस्पताल परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और स्वयं भी स्वच्छता के मानकों का पालन करें।
4. जागरूकता: सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण लाभ उठा सकें।

सिविल सर्जन की इस सक्रियता से जिले के स्वास्थ्य विभाग में खलबली है। इस तरह के औचक निरीक्षणों से न केवल कर्मियों की कार्यशैली में सुधार आने की उम्मीद है, बल्कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का सरकारी स्वास्थ्य तंत्र पर भरोसा भी मजबूत होगा।

जेईई मेन फेल छात्रों के लिए करियर ऑप्शन

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्र फेल हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। इस परीक्षा में जो अभ्यर्थी फेल हुए हैं उनके लिए हम यहां पर करियर ऑप्शन बता रहे हैं।

जेईई मेन परीक्षा में कई छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। जबकि कई छात्र फेल भी हुए हैं। फेल छात्र करियर को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में हम बताते हैं कि जेईई मेन फेल छात्रों के लिए करियर ऑप्शन क्या हैं?

दोबारा से करें तैयारी

अगर आप जेईई मेन की परीक्षा नहीं पास कर पाएं हैं तो दोबारा से तैयारी करें। क्योंकि कोई भी अभ्यर्थी इस परीक्षा को दो बार दे सकता है। ऐसे में तैयारी बेहतर और नई स्ट्रैटेजी के साथ करें। अगर तैयारी अच्छी होगी तो आपको सफलता पाने से कोई रोक नहीं पाएगा।

इंजीनियरिंग परीक्षा दें

अभ्यर्थी स्टेट स्तर की इंजीनियरिंग परीक्षा दे सकते हैं। देश के लगभग सभी राज्यों की तरफ से स्टेट स्तर की परीक्षा आयोजित की जाती है। जिसके तहत विभिन्न ट्रेड में बीटेक में प्रवेश दिया जाता है। ऐसे में छात्र यूपी, दिल्ली, एमपी, हरियाणा सहित अन्य राज्यों की राज्य स्तरीय इंजीनियरिंग की परीक्षा दे सकते हैं।

प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में लें दाखिला

जो छात्र जेईई मेंस की परीक्षा नहीं पास कर पाएं हैं, वे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में भी दाखिला ले सकते हैं। देश में कई ऐसे प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो बीटेक कराते हैं। हालांकि, छात्रों को सलाह है कि वे प्राइवेट कॉलेजों में एडमिशन लेने से पहले वेरिफिकेशन जरूर कर लें।

दूसरे क्षेत्र में भी बना सकते हैं करियर

अगर जेईई मेन की परीक्षा में फेल हुए हैं तो छात्र कोई अन्य कोर्स भी कर सकते हैं। जैसे पांच वर्षीय एलएलबी, पांच वर्षीय एमबीए सहित अन्य। कई ऐसे संस्थान हैं जो पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स कराते हैं।

सरकारी नौकरी की करें तैयारी

अगर छात्र चाहें तो देश की सबसे प्रतिष्ठित नौकरी यूपीएससी की सिविल सर्विसेज की तैयारी कर सकते हैं। हालांकि, उन्हें ग्रेजुएशन में प्रवेश लेना होगा। क्योंकि बिना ग्रेजुएशन किए सिविल सर्विसेज की परीक्षा कोई नहीं दे सकता है। अगर छात्र अभी से सिविल सर्विसेज की तैयारी करेंगे तो तीन साल बाद जब ग्रेजुएशन कर लेंग तो सिविल सर्विसेज की परीक्षा देने पर आसानी से क्लियर कर लेंगे।

वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में बना सकते हैं शानदार करियर

यदि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना है और आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ पर्यावरण मुहैया करवाना है, तो जीव जंतुओं के बीच की कड़ी को बनाए रखना होगा। अगर आपको वन क्षेत्र और जंगली जीव-जंतुओं से प्यार है, वन क्षेत्र में समय बिताने में आपको आनंद आता है, यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में आप शानदार करियर बना सकते हैं।

कुछ वर्ष पहले तक पक्षियों की चहचहाहट केवल गांवों में ही नहीं, बल्कि शहरों में भी आसानी से सुनी जा सकती थी, लेकिन बढ़ते शहरीकरण के कारण पक्षियों का कोलाहल शहरों में अब कम ही सुनने को मिलता है। पक्षी व जानवर अपने आवास को छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं। कई जीव-जंतु विलुप्त हो गए हैं, तो कई प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं, क्योंकि शहरीकरण बढ़ने लगा है और वन सिमटने लगे हैं। ऐसे में यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में शानदार करियर बना सकते हैं। सच पूछिए तो वाइल्ड लाइफ और पर्यावरण हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम छोटे-छोटे इंसेक्ट्स को भी दरकिनार नहीं कर सकते, क्योंकि इन्हीं की वजह से फसलें पॉलिनेट हो पाती हैं। कहने का तात्पर्य है कि हर जीव-जंतु प्राकृतिक संतुलन को कायम रखने में विशेष भूमिका निभाता है। यदि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना है और आने वाली पीढ़ी को एक स्वस्थ पर्यावरण मुहैया कराना है, तो जीव-जंतुओं के बीच की कड़ी को बनाए रखना होगा। अगर आपको वन क्षेत्र और जंगली जीव-जंतुओं से प्यार है, वन क्षेत्र में समय बिताने में आपको आनंद आता है, यदि वाइल्ड लाइफ आपको आकर्षित करता है, तो वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में आप शानदार करियर बना सकते हैं।

कैसे पहुंचें मुकाम पर

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए विज्ञान विषय से 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है और 12वीं के बाद बायोलॉजिकल साइंस से बीएससी की डिग्री जरूरी है। एग्रीकल्चर में बैचलर डिग्री भी इस क्षेत्र में प्रवेश दिला सकती है। फोरेस्ट्री या एन्वायरनमेंटल साइंस से भी स्नातक की डिग्री ली जा सकती है। बीएससी के बाद वाइल्ड लाइफ साइंस से एमएससी करने वालों के लिए भी यह क्षेत्र असीम संभावनाओं से भरा हुआ है।

रोजगार के अवसर

आज इस क्षेत्र में संभावनाओं की कमी नहीं है। अपेक्षित डिग्री हासिल करने के बाद मुंबई नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी, वर्ल्ड वाइड फंड, वाइल्ड लाइफ इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया, वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अलावा कई ऐसे आर्गेनाइजेशंज हैं, जिनमें रिसर्चज और प्रोजेक्ट आफिसर्ज के रूप में काम कर सकते हैं। वाइल्ड बायोलॉजिस्ट के क्षेत्र में भी भरपूर अवसर हैं। इस क्षेत्र में कोर्स पूरा करने के बाद वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरीज, एन्वायरनमेंटल एजेंसी, जूलॉजिकल फर्म, एन्वायरनमेंटल कंसल्टेंसी फर्म, नॉन गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशन, एग्रीकल्चरल कंसल्टेंट फर्म, इंडियन काउंसिल ऑफ फोरेस्ट रिसर्च एंड एजुकेशन और ईको रिहैबिलीटेशन फर्मों में नौकरी पा सकते हैं।

पारिश्रमिक

प्राइवेट सेक्टर में वाइल्ड लाइफ साइंटिस्ट को 30 से 35 हजार रुपए मासिक वेतन मिलता है। यह वेतन सीनियोरिटी और अनुभव के साथ बढ़ता जाता है। पीएचडी होल्डर एक वरिष्ठ वैज्ञानिक का 50 हजार प्रतिमाह वेतन हो सकता है। इसके विपरीत एनजीओ या सरकारी विभाग में वाइल्ड लाइफ साइंस से जुड़े कर्मचारियों को काफी अच्छे वेतनमान पर नौकरियां मिलती हैं।

जोखिम के साथ पैसा भी

यदि आपको प्रकृति और वन्य जीवों से थोड़ा भी लगाव है या इनके क्रियाकलापों और जीवन को जानने में आपकी विशेष रुचि है तो समझ लीजिए आपको रोजगार की राहें खुल गई हैं। क्योंकि सरकारी संस्थाओं के अलावा देश-विदेश के एनजीओ भी वाइल्ड लाइफ से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट की तलाश करते रहते हैं। हालांकि इस क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तरह सुविधाएं नहीं हैं, लेकिन आपमें काम करने का जुनून है तो पैसे कोई मायने नहीं रखते। वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट के काम को समझते हुए संस्थान इस क्षेत्र से जुड़े पेशवरों को धन संबंधी समस्याएं नहीं आने देते।

कोर्स

- बीएससी इन वाइल्ड लाइफ
- एमएससी इन वाइल्ड लाइफ बायोलॉजी
- एमएससी इन वाइल्ड लाइफ
- पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री इन वाइल्ड लाइफ साइंस
- अंडर ग्रेजुएट कोर्स इन वाइल्ड लाइफ
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एडवांस्ड वाइल्ड लाइफ साइंस
- बीएससी इन फोरेस्ट्री इन वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन जू एंड वाइल्ड एनिमल हैल्थ केयर एंड मैनेजमेंट
- सर्टिफिकेट कोर्स इन वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट

प्रमुख संस्थान

- वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया,देहरादून
- हिमाचल फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीच्यूट, शिमला
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, बंगलूर
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलूर
- नेचर कंजरवेशन फाउंडेशन, मैसूर
- सौराष्ट्र विश्वविद्यालय राजकोट, गुजरात
- गुरु घासीराम विश्वविद्यालय बिलासपुर, मध्यप्रदेश
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तरप्रदेश

दक्षता क्या हो

- बायोलॉजी, मैथमेटिक्स तथा स्टेटिस्टिक्स में मजबूत पकड़ हो।
- वन्य जीवन के प्रति आकर्षण हो।
- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल व आंतरिक दक्षता हो।
- कम्प्यूटर पर काम करने की जानकारी हो।

कार्य स्वरूप

- फील्ड साइट पर पहुंच कर डाटा एकत्र करना।
- फील्ड साइट की भौगोलिक स्थिति के मुताबिक ऊबड़-खाबड़ और मुश्किल रास्तों पर चढ़ाई या ड्राइव करना होता है।
- वन्य जीव विशेषज्ञों से मिलना और बातचीत करना।
- साइंटिफिक पेपर, टेक्निकल रिपोर्ट या पॉपुलर ऑर्टिकल्स का काम पूरा करना या अनुदान या वित्तीय सहायता के लिए लिखना तथा नीति निर्माताओं या कॉलेबोरेटर्स से मुलाकात करना।

कैसे करें इंग्लिश की तैयारी सिलेक्शन में होगी आसानी

डेली प्रैक्टिस से इंग्लिश की तैयारी बेहतर तरीके से की जा सकती है। जिन कैंडिडेट ने इंग्लिश का सब्जेक्ट चुना होगा, उम्मीद होगा कि अब तक उन्होंने इस टॉपिक को कवर कर लिया होगा। ए उन टॉपिक का ज्यादा रिवीजन करें जिनसे एग्जाम में प्रश्न पूछे जाएंगे। इंग्लिश के एग्जाम में कौन से टॉपिक्स से प्रश्न पूछे जाते हैं, यह बताने के लिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से तीन-तीन एक्सपर्ट्स को लेकर आए हैं। जिनके टिप्स की मदद से आप अपने इंग्लिश के सब्जेक्ट और अच्छे से इंप्रूव कर सकेंगे।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एक्सपर्ट प्रमोद ने बताया ने कि छात्रों के पास अब लिमिटेड समय है। इसलिए छात्रों को अब उन्हीं टॉपिक्स पर फोकस करना चाहिए, जिनमें वह खुद कंफर्टेबल हैं। जिनमें उनकी तैयारी पहले से है। लास्ट मौके पर नए टॉपिक्स को पढ़ कर खुद को कंफ्यूजन से बचाना चाहिए। इंग्लिश सब्जेक्ट एक्सपर्ट के अनुसार, कुछ टॉपिक ऐसे होते हैं, जिनसे हर एग्जाम में प्रश्न पूछे जाते हैं। यह टॉपिक भले ही कितने मुश्किल क्यों ने हों, छात्रों का उन्हें अच्छे से तैयार कर लेना चाहिए। इंग्लिश लैंग्वेज के पेपर में एक्टिव वॉइस-पैसिव वॉइस, नरेशन, टेंस, आर्टिकल, प्रीपोजिशन और कंजक्शन से जुड़े अधिकतर सवाल पूछे जाते हैं। इसलिए स्टूडेंट को इन टॉपिक के अच्छे से तैयार करना चाहिए।

फॉलो करें ये टिप्स

- इंग्लिश में सिलेबस को लिटरेचर, फोनेटिक्स ग्रामर और कॉम्प्रिहेंशन में बांटकर तैयारी करें।
- ग्रामर के टापिक्स को क्लियर करने के लिए डिटेल में पढ़ने की जगह चैप्टर की थ्योरी को पढ़कर उसके मल्टीपल चॉइस के सवालों सॉल्व करें।
- साल्ट समय में ज्यादा से ज्यादा पैसेज सॉल्व कर प्रैक्टिस पर फोकस करें। प्रैक्टिस करने से पेपर में आपको फायदा मिलेगा।
- एग्जाम में वोकेबलरी के कुछ सवाल पूछे जाते हैं। वोकेबलरी की लिस्ट तैयार कर रिवीजन करें। वोकेबलरी अच्छी होने से आप एग्जाम में अच्छा स्कोर कर पाएंगे।
- स्टूडेंट्स को एग्जाम टाइम में सबसे पहले सोशल मीडिया से दूरी बना लेनी चाहिए। क्योंकि एग्जाम के दौरान एक गलत जानकारी आपके पूरे माइंडसेट को बिगाड़ सकता है।
- इंग्लिश में अनसीन पैसेज बहुत महत्वपूर्ण हैं।
- फोनेटिक्स की यूनिट में सिंबल्स को जरूर देखना चाहिए। पेपर में इस पोर्शन से सवाल आने की पूरी संभावना है।
- इंग्लिश लैंग्वेज में Tense से लेकर सभी भागों को कवर करना जरूरी है।
- पेपर में अनसीन पैसेज और कॉम्प्रिहेंशन का एक हिस्सा भी आता है।
- इंग्लिश में जो टॉपिक हैवी हैं, उन्हें छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। शर्ट नोट्स बनाकर इन टापिक्स की तैयारी करें।
- एग्जाम की तैयारी के दौरान हर पार्ट को अलग-अलग डिवाइड कर उसको सॉल्व करें।
- एग्जाम के दौरान एक ही पोर्शन में ज्यादा समय न लगाएं। क्योंकि इससे आपका पेपर छूट सकता है।
- मॉडल पेपर को सॉल्व करने के दौरान स्पीड पर भी ध्यान दें। क्योंकि एग्जाम की समय सीमा होता है।
- टेस्ट सीरीज के सवालों और लास्ट ईयर के पेपर को भी ज्यादा से ज्यादा सॉल्व करने की कोशिश करें।

इन टिप्स को करें फॉलो

- इंग्लिश के प्रश्नों का लेवल मॉडरेट रहेगा इसलिए सिर्फ बेसिक पर ज्यादा फोकस करना चाहिए। ऐसे में प्रैक्टिस सेट से अपनी तैयारी को अधिक मजबूत करें। प्रैक्टिस सेट सॉल्व करने के बाद मॉडल पेपर का एनालिसिस करना न भूलें। क्योंकि जो गलतियां आप प्रैक्टिस सेट में करेंगे उन पर अधिक ध्यान देना चाहिए।
- पेपर में कुछ महत्वपूर्ण टॉपिक जैसे एक्टिव-पैसिव, डायरेक्ट-इनडायरेक्ट, टेंस, इवैल्यूएशन और प्रिंसिपल्स ऑफ टीचिंग इंग्लिश को अच्छे से तैयार करना चाहिए।
- प्रश्न-पत्र सॉल्व करते उसकी लैंग्वेज पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। कई बार लैंग्वेज समझ नहीं आने पर आपका आंसर गलत हो सकता है। इसलिए पेपर को अच्छे से पढ़कर तभी आंसर लिखें।
- पेपर में छात्र सभी प्वाइंट्स को ध्यान में रखकर अगर आंसर देते हैं तो उन्हें अच्छा स्कोर करने से कोई भी नहीं रोक सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में खाकी असुरक्षित! महिला समेत 5 अपराधियों ने एएसआई को घेरकर पीटा

जहानाबाद, एजेंसी। जिले में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि अब पुलिसकर्मी भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं। ताजा मामला वाणावर थाना क्षेत्र से जुड़ा है, जहां समकालीन अभियान में गश्ती पर निकले एएसआई सोनू कुमार को अपराधियों ने घेरकर उनकी पिस्टल छीन ली और मारपीट कर जख्मी कर दिया। मामले में एक महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। वाणावर थाने में कार्यरत एएसआइ समकालीन अभियान के तहत क्षेत्र में गश्त पर निकले थे। इसी दौरान दो बाइक पर सवार एक महिला सहित पांच लोगों ने उन्हें घेर लिया और उनके साथ मारपीट करते हुए सरकारी पिस्टल छीन ली। मारपीट में जख्मी पुलिसकर्मी का इलाज मखदुमपुर रेफरल अस्पताल में कराया गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही वरीय पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने बताया कि पिस्टल बरामद कर लिया गया है साथ ही साथ घटना को अंजाम देने वाले सभी लोगों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसपी ने यह भी बताया कि घटना में शामिल सभी आरोपी दो बाइक पर सवार थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अपराधियों ने इस घटना को किस उद्देश्य से अंजाम दिया और इसके पीछे कहीं कोई आपराधिक गिरोह तो सक्रिय नहीं है। इस घटना के बाद जिले में पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। हालांकि पुलिस प्रशासन का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और कानून व्यवस्था बनाए रखने में किसी तरह की कोताही नहीं बरती जाएगी।

नालंदा थानाध्यक्ष ने महिला को पीटा, बाल खींचकर थप्पड़ मारने का वीडियो वायरल

थरथरी (नालंदा), एजेंसी। नालंदा जिले के थरथरी थाना क्षेत्र से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में थरथरी थानाध्यक्ष पर एक महिला के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया जा रहा है। वायरल फुटेज में थानाध्यक्ष महिला का बाल खींचते और थप्पड़ मारते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे इलाके में आक्रोश फैल गया है। जानकारी के अनुसार पुलिस वर्ष 2014 के एक पुराने मामले में आरोपित राम बच्चन को गिरफ्तार करने उसके घर पहुंची थी। गिरफ्तारी के दौरान घर की एक महिला ने पुलिस से गिरफ्तारी का कारण पूछ लिया। इसी बात से नाराज होकर थानाध्यक्ष ने कथित तौर पर महिला पुलिसकर्मी की मौजूदगी में ही महिला का बाल खींचकर थप्पड़ मार दिया। बताया जा रहा है कि पीड़ित महिला पेशे से आंगनबाड़ी सेविका है। घटना के समय वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल से पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली पुलिस से संयम, मर्यादा और संवेदनशीलता की अपेक्षा की जाती है, खासकर महिलाओं के मामलों में। इस तरह का व्यवहार पुलिस की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला है। मामले पर नालंदा के पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने कहा कि घटना उनके संज्ञान में आई है। जांच का जिम्मा एसडीपीओ हिलसा को सौंपा गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस तरह का व्यवहार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में चार मेडल जीतकर जिले को गौरवान्वित किया

सहरसा, एजेंसी। बिहार के मधुबनी जिले में 27 से 30 जनवरी तक आयोजित अंडर- 15 बालक बालिका राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में सहरसा जिला ने चार मेडल प्राप्त किया,जिसमें राधा कुमारी ने 58 किलोग्राम में सिल्वर मेडल प्राप्त किया।वही रक्षा कुमारी 41 किलोग्राम में ब्रांउज मेडल प्राप्त किया।दोनों बरहसेर गांव की रहने वाली है जबकि पंचगछिया निवासी रमेश कुमार 41 किलोग्राम में सिल्वर मेडल प्राप्त किया।सहरसा जिला कुश्ती संघ सचिव नेशनल कोच हरेंद्र सिंह मेजर ने कहा बरहसेर पंचायत मुखिया प्रदीप ठाकुर उर्फ लल्लू जी ने पंचायत सरकार भवन में सभी जांबाज पहलवानों को एक सेट जर्सी के साथ एक हजार रूपया देखकर सम्मानित किये। कड़ी मेहनत का परिणाम आज सुदूर गांव में लड़की भी कुश्ती खेलना आरंभ कर दी है जो पहले सपना था।जिले में सभी खेलों को कुश्ती पीछे छोड़कर आगे बढ़ गई।इस ऐतिहासिक उपलब्धियों पर जिले के तमाम खेल संघ,सहरसा कुश्ती संघ के तमाम पदाधिकारी ने सभी जांबाज पहलवानों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

नए गन्ना किसानों को फ्री में मिलेगा बीज

15 दिन कें अंदर रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश

पटना, एजेंसी। सरकार नई चीनी मिल लगाने से पहले गन्ने की खेती का रकबा बढ़ाने के लिए हर जतन कर रही है। प्रयास है कि अधिक से अधिक गन्ना की खेती को बढ़ाया जाए, ताकि मिलों को गन्ना की कमी नहीं रहे।

इसके लिए जिन इलाकों में गन्ना की खेती नहीं होती है, वहां के किसानों को पांच एकड़ तक गन्ना की खेती करने के लिए निशुल्क गन्ना बीज दिया जाएगा। गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव के सेंथिल कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिस क्षेत्र में गन्ने की खेती नहीं है, उसे डेवलप किया जाए। गन्ना की खेती करने के लिए किसानों के बीच प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि वह गन्ना की खेती करने के लिए जागरूक हो सकें।

उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों के बकाये मूल्य का 15 दिनों के अंदर भुगतान किया जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने राज्य के सभी गन्ना किसानों का 15 दिनों के अंदर रजिस्ट्रेशन कराने का सख्त निर्देश दिया।

इसके पहले उन्होंने ईख मूल्य भुगतान, मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना, यांत्रिकरण योजना, गुड़ प्रोत्साहन योजना, चीनी मिलों की समस्या, नई चीनी मिलों की स्थापना और अन्य योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित के लिए कई योजनाएं चला रही है। इसका लाभ उन किसानों को कैसे मिले, इसके बारे सोंचना होगा।

वहीं, गन्ना आयुक्त अनिल कुमार झा ने कहा कि

प्रमाणित बीज उत्पादन प्रोत्साहन कार्यक्रम मद का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसे हर हालत में प्राप्त करना है।

बेहतर करने वालों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित भी किया जाएगा। बैठक में संयुक्त गन्ना आयुक्त जेपीएन सिंह, सभी चीनी मिलों के महाप्रबंधक, सभी उपनिदेशक, सहायक निदेशक सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

गन्ना कृषि क्षेत्रों में जल-जमाव की समस्या के निराकरण हेतु संबंधित अभियंताओं को सर्वेक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर योजनाएं तैयार करने का निर्देश पिछले वर्ष 30 दिसंबर को दिया गया था। शुक्रवार को जल संसाधन विभाग और गन्ना उद्योग विभाग ने निर्देश के अनुपालन की संयुक्त रूप से समीक्षा की।

गन्ना कृषि क्षेत्रों से संबंधित नहरों, नहर संरचनाओं तथा स्लुइस गेट, पुलिया निर्माण, नाला उड़ाही (सफाई) एवं अतिक्रमण मुक्ति के लिए जिलों में सर्वेक्षण हो रहा है।

पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण और समस्तीपुर में अब तक कुल 72 योजनाएं चिह्नित हुई हैं, जिनके क्रियान्वयन से 61,590 एकड़ क्षेत्र को जल-जमाव से मुक्ति मिलेगी।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव एसके मल्ल ने सर्वेक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण कर विभाग को रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि प्राथमिकता के आधार पर योजनाएं बनाई जा सकें।

छपरा जंक्शन पर 'ऑपरेशन आहट' कारगर, आठ नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू; तीन मानव तस्कर गिरफ्तार

छपरा, एजेंसी। वाराणसी रेल मंडल के छपरा जंक्शन पर ऑपरेशन आहट के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी है। छपरा जंक्शन की सीआईबी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और एसोसिएशन फॉर वॉलंट्री एक्शन (एवीए) की संयुक्त टीम ने मानव तस्करी के एक मामले का पर्दाफाश करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है, जबकि बाल मजदूरी के लिए पंजाब ले जाए जा रहे आठ नाबालिग बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है।

आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई कर्मभूमि एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12407) में की गई। मुखबिर से सूचना मिली थी कि उक्त ट्रेन से कुछ नाबालिग बच्चों को मजदूरी के लिए दूसरे राज्य, विशेष रूप से पंजाब, ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर वाराणसी रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त और गोरखपुर के वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त (अपराध) के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। ट्रेन के छपरा जंक्शन पर पहुंचते ही संयुक्त टीम ने सघन जांच अभियान चलाया।

जांच के दौरान आठ नाबालिग बच्चों को तीन व्यक्तियों के साथ संदिग्ध स्थिति में पाया गया। पूछताछ में स्पष्ट हुआ कि बच्चों को जालंधर (पंजाब) में बाल मजदूरी के लिए ले जाया जा रहा था। इसके बाद मौके से तीनों मानव तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कटिहार निवासी रंजीत कुमार सोनी, मधेपुरा निवासी मोहम्मद कमाल और पूर्णिया निवासी सूरज कुमार के रूप में हुई है।

रेस्क्यू किए गए सभी बच्चे बिहार के कटिहार और पूर्णिया जिलों के विभिन्न गांवों के रहने वाले बताए गए हैं, जिनकी उम्र 13 से 17 वर्ष के बीच है। बच्चों ने पूछताछ में बताया कि उन्हें काम दिलाने के बहाने दूसरे राज्य ले जाया जा रहा था।

इस पूरी कार्रवाई में सीआईबी, रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी और एवीए के अधिकारियों व कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आरपीएफ छपरा की उप निरीक्षक नंदिनी कुमारी ने बताया कि मामले की विधिसम्मत जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

इंटरमीडिएट परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पूर्व ही परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश की मिलेगी अनुमति : डीएम

गोपालगंज, एजेंसी। इंटरमीडिएट वार्षिक (सैद्धांतिक) परीक्षा-2026 को कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी क्रम में समाहरणालय सभा कक्ष में जिला पदाधिकारी पवन कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उच्चस्तरीय बैठक की गई, जिसमें परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर विस्तृत रणनीति तय की गई। यह बैठक मुख्य सचिव, बिहार सरकार, अपर मुख्य सचिव गृह एवं शिक्षा विभाग, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष तथा परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के आलोक में संपन्न हुई।

बैठक में जानकारी दी गई कि इंटरमीडिएट वार्षिक (सैद्धांतिक) परीक्षा 02 फरवरी से प्रारंभ होकर 13 फरवरी तक जिले के सभी निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वाह्न 09:30 बजे से 12:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 02:00 बजे से 05:15 बजे तक संचालित होगी। परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पूर्व ही परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। प्रथम पाली के अभ्यर्थियों को सुबह 09:00 बजे तथा द्वितीय पाली के अभ्यर्थियों को दोपहर 01:30 बजे तक हर हाल में परीक्षा केंद्र में प्रवेश करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा। कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी योगेश कुमार को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। वे सभी केंद्राधीक्षकों एवं वीक्षकों के साथ बैठक कर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के निर्देशों से अवगत कराएंगे और निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करेंगे।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में मनाई

गोपालगंज, एजेंसी। जिला कांग्रेस कार्यालय में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम प्रकाश गर्ग ने की। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गांधी जी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर उनके बलिदान को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गर्ग ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा और मानवता का जीवंत संदेश है। उन्होंने कहा कि आज जब सामाजिक सौहार्द को कमजोर करने के प्रयास हो रहे हैं, ऐसे समय में गांधी जी के विचार ही देश को जोड़ने का कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से नफरत के खिलाफ प्रेम और हिंसा के खिलाफ अहिंसा की राह पर चलने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कटिहार, 30 जनवरी (हि.स.)। जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में साप्ताहिक शुक्रवारीय जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 73 आवेदकों ने जिलाधिकारी को अपनी फरियाद सुनाई।

इनमें सबसे अधिक मामले राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित प्राप्त हुए, जिनकी संख्या लगभग 40 रही। इनमें मुख्यतः भूमि मापाई, मुआवजा प्राप्ति, भूमि अतिक्रमण मुक्ति, भूदान, अवैध कब्जा निवारण, नामांतरण, वासगीत पर्चा निर्गमन तथा ए.सी.पी. के लाभ से जुड़े मामले शामिल रहे।

अन्य विभागों से प्राप्त आवेदनों में पुलिस अधीक्षक व उपाधीक्षक, एसडीओ, सिविल सर्जन, प्रखंड विकास पदाधिकारी, एडीएसएस, विद्युत आपूर्ति, थानाध्यक्ष, बीडीओ और स्थापना कार्यालय से संबंधित मामले शामिल थे।

जिलाधिकारी ने सुनवाई के दौरान कई आवेदकों की समस्याओं का समाधान आन द स्पॉट किया गया, तथा शेष मामलों के शीघ्र निपटारे को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि सप्ताह में सोमवार एवं शुक्रवार को सभी सरकारी कार्यालय में पदाधिकारी जनसामान्य से सीधे मिलकर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करते हैं। नागरिक संबंधित कार्यालय में जाकर अपनी समस्याओं का निदान प्राप्त कर सकते हैं।

चचेरे भाई ने नाबालिग को किया प्रेग्नेंट, आरोपी को 20 साल की सजा

हाजीपुर, एजेंसी। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश ने एक किशोरी के साथ करीब डेढ़ वर्षों तक दुष्कर्म कर उसे गर्भवती बनाने के मामले में उसके चचेरे भाई और उसके एक साथी को 20-20 वर्ष सश्रम कारावास और 50-50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

विशेष लोक अभियोजक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि लालगंज थाना क्षेत्र की 16 वर्षीय किशोरी को उसके अपने चचेरे भाई गुड्डु सहनी लालगंज स्थित अपने दोस्त के खाली मकान में मार्च 2021 में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना को किसी को नहीं बताने को लेकर उसे काफी धमकी दे दिया। डर कर वह किसी को कुछ नहीं बताई।

इसके बाद फिर कुछ दिनों बाद युवक उसे अपने मौसी के घर ले गया। वहां देर रात उसकी मां का तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर वहां से लेकर चला। रास्ते में अपने दोस्त बजरंगी सहनी को बुला लिया और फिर दोनों उसे अपने दोस्त के घर पर ले गए। वहां दोनों ने मिलकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

इसके बाद सितंबर 2022 में किशोरी के पेट में दर्द होने लगा। तब उसकी मां ने जांच करवाई। इस दौरान पता चला कि वह गर्भवती है। इस पर किशोरी ने अपनी मां को आपबीती बताई।

इसके बाद उसकी मां गुड्डु सहनी से पूछताछ करने गई तो गुड्डु सहनी उसे 04 हजार रुपए देकर गर्भपात कराने की कोशिश करने लगा, लेकिन उसकी मां ने महिला थाने में गुड्डु सहनी और उसके दोस्त बजरंगी सहनी के विरुद्ध प्राथमिकी कराई।

मामले में पुलिस के जांच कराने पर किशोरी के गर्भवती होने की पुष्टि होने के बाद इन दोनों के विरुद्ध 04 नवंबर 2021 को न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया गया।

इस मामले में दोनों के विरुद्ध न्यायालय में 10 नवंबर 2021 को संज्ञान लेकर 31 जनवरी 2023 को आरोप गठित किया गया। इसी बीच पीड़िता ने एक बच्चे को जन्म दिया।

बच्चा का आनुवंशिक परीक्षण कराया गया, जिसमें गुड्डु सहनी को उसके जैविक पिता होने की पुष्टि की गई। मामले में विशेष लोक अभियोजक के पीड़िता की नई दिल्ली के गुरु तेग बहादुर नगर सर्वोदय कन्या विद्यालय के प्राचार्य संगीता बत्रा सहित 11 साक्षियों एवं 18 प्रदर्श के कराए गए परीक्षण-प्रतिपरीक्षण के बाद दोनों को 27 जनवरी को दोषी करार दिया गया था।

इस मामले में सजा की बिंदू पर 30 जनवरी को सुनवाई के बाद लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 6 में दोनों आरोपितों को 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास और 50-50 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई गई है।

अर्थदंड की राशि पीड़िता को भुगतान करने का आदेश दिया गया है। जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रन के सहयोग से स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान ने पीड़िता की काउंसलिंग और कानूनी सहायता प्रदान की जा रही थी।

डायरेक्टर सह सचिव सुधीर कुमार शुक्ला ने विशेष न्यायाधीश एवं विशेष लोक अभियोजक के प्रति त्वरित न्याय देने के लिए आभार व्यक्त किया है।

ब्रेकअप के बाद लड़की को दी इंस्टाग्राम पर गाली, प्रेमिका ने प्रेमी से करवा दी छात्र की हत्या

आरा, एजेंसी। नवादा थाना क्षेत्र के केजी रोड से इंटर के एक छात्र का अपहरण कर पहले उसकी पिटाई की गई, फिर गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से पानी भरे गड्ढे में फेंक दिया गया। शुक्रवार की देर रात छात्र का शव मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पिपरहिया रेलवे अंडरपास पुल के समीप से बरामद किया गया।

मृतक के शरीर पर कई जगह हल्के जख्म के निशान पाए गए हैं। काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया, जिसके बाद स्थानीय थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया।

मृत छात्र की पहचान बड़हरा थाना क्षेत्र के एकवना गांव वार्ड संख्या नौ निवासी दुकानदार उपेन्द्र कुमार सिंह के 16 वर्षीय पुत्र सन्नी कुमार सिंह के रूप में हुई है। सन्नी इंटर का छात्र था। उसका परिवार वर्तमान में नगर थाना क्षेत्र के धनुपरा में मकान बनाकर रह रहा है।

घटना के मूल में इंस्टाग्राम पर एक लड़की को गाली-गलौज किए जाने को लेकर उपजे विवाद की बात सामने आ रही है। पुलिस लड़की के कथित प्रेमी मुख्य आरोपित बादल समेत तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामले में साजिश के तहत हत्या किए जाने का आरोप लगाया

जा रहा है। मृतक के चचेरे भाई संदीप कुमार ने बताया कि फरीदाबाद में रहने वाली अंकिता नामक युवती का पहले सन्नी के एक चचेरे भाई से प्रेम-प्रसंग था, जिसका सन्नी विरोध करता था। बाद में अंकिता का बादल नामक युवक से भी प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इसी बात को लेकर सन्नी ने गुस्से में इंस्टाग्राम पर अंकिता को गाली दे दी थी।

इसके बाद अंकिता ने अपने दूसरे प्रेमी बादल को शर्त के साथ सन्नी की हत्या करने के लिए उकसाया। उसने कहा था कि जब तक सन्नी को नहीं मारोगे, तब तक शादी नहीं करेंगे। इसी दबाव में बादल ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर सन्नी की हत्या की साजिश रची।

शुक्रवार की सुबह करीब दस बजे सन्नी धनुपरा स्थित घर से अपने दोस्त धर्मवीर के साथ आरा नवादा थाना क्षेत्र के केजी रोड स्थित गणित की कोचिंग के लिए निकला था।

इस दौरान उसने अपने सगे भाई मंदीप को फोन कर बताया कि अंकिता नामक लड़की ने उसकी हत्या की सुपारी दी है और राजा, बादल समेत अन्य लोग उसे जबरन उठाकर गड़हनी की ओर ले जा रहे हैं। इसके बाद सन्नी का मोबाइल बंद हो गया।

सूचना मिलने पर स्वजनों ने नवादा थाना पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने केजी रोड स्थित कोचिंग और आसपास के इलाकों में जांच शुरू की। कई स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें केजी रोड के हरिजी के हाता के समीप सन्नी को बाइक सवार युवकों द्वारा जबरन बाइक पर बैठाकर ले जाते हुए देखा गया।

काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने इस कांड में शामिल आरोपी बादल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसने अपने साथियों के साथ मिलकर सन्नी की गला दबाकर हत्या करने की बात कबूल की। साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को नहर में फेंक दिया गया था। बादल की निशानदेही पर शव बरामद कर लिया गया। साथ ही उसके दो अन्य दोस्तों को भी हिरासत में लिया गया है। बताया गया कि सभी आरोपी एक-दूसरे को इंस्टाग्राम के माध्यम से जानते थे

जनता दरबार में डीएम ने त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के दिए निर्देश

अररिया, एजेंसी। बिहार सरकार के सात निश्चय-3.0 के अंतर्गत सबका सम्मान-जीवन आसान कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को समाहरणालय स्थित परमान सभागार में डीएम विनोद दूहन की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में भूमि विवाद से जुड़े अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इस क्रम में जिलाधिकारी द्वारा बारी-बारी से फरियादियों की समस्याएं सुनी गई तथा कई मामालों में जिलाधिकारी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनता दरबार में साधना झा ने दूसरे पक्ष द्वारा जबरन भूमि कब्जा किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। राजा बैठा ने अपनी भूमि को रोक सूची से हटाने का अनुरोध किया। वहीं राजेंद्र प्रसाद एवं इकलाख अहमद ने भूमाफियाओं द्वारा निजी भूमि पर गलत जमाबंदी कायम किए जाने की शिकायत की। मनोज कुमार ने बीरनगर पश्चिम पंचायत में अनुज्ञप्ति रद्द जन वितरण प्रणाली दुकानदार द्वारा मिलीभगत कर दुकान संचालन के संबंध में शिकायत दर्ज कराया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

ई-पेपर sonvarshavani.com/epaper

विचार-मंथन

संपादकीय

ऐतिहासिक व्यापार समझौता, तरक्की के खुलेंगे नए रास्ते

इंडियन ईयू-एफटीए बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच भारत अपनी आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की राह पर आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में अब भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक समझौता होने वाला है, जिसकी घोषणा द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में किए जाने की संभावना है। इसके तहत रक्षा क्षेत्र, समुद्री सुरक्षा एवं आतंक के खिलाफ साझा मोर्चेबंदी, भारतीय और यूरोपीय नागरिकों की आसान आवाजाही तथा वस्त्र उद्योग एवं प्रौद्योगिकी जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए द्वार खुलेंगे। यह समझौता इसलिए भी अहम होगा, क्योंकि माना जा रहा है कि इससे अमेरिका की शुल्क नीति के प्रभाव से निपटने के लिए भारत और यूरोपीय देशों के बीच साझा एवं व्यापक दृष्टिकोण विकसित होगा। अनुमान है कि इस समझौते से दो अरब लोगों का एक ऐसा बाजार बनेगा, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। इससे न केवल भारत के निर्यात को गति मिलेगी, बल्कि यहां के पेशेवरों के लिए यूरोपीय देशों में रोजगार पाने का रास्ता भी सुगम हो जाएगा। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाए जाने के बाद देश का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ है। नतीजतन, भारत अपने उत्पादों के लिए दुनिया के विभिन्न देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने के हर संभव प्रयास में जुटा है। हाल ही में भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार एवं व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को अंतिम रूप दिया है। इससे पहले ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए गए थे। यूरोपीय संघ के साथ भारत ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पहली बार वर्ष 2007 में शुरू की थी, लेकिन कुछ मसलों पर आपसी सहमति न बनने के कारण वर्ष 2013 में बातचीत स्थगित कर दी गई थी। जून, 2022 में वार्ता को फिर से आगे बढ़ाया गया, जो निर्णायक रही। अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़े जानकारों का मानना है कि यह ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने में गुणात्मक बदलाव लाएगा।

टी20 विश्व कप में उतरने को तैयार खिलाड़ी, कुछ ताकतें बांग्लादेश को अकेला कर रही?

बांग्लादेश की ओर से नाहक ही सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर भारत में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 में भाग न लेने के फैसले को खेल भावना के विपरीत माना जा रहा है। खेल भावना शांति, एकता और आपसी सम्मान का प्रतीक है, जो मतभेदों को भुलाकर विभिन्न देशों, उनके खिलाड़ियों और लोगों को भौगोलिक सीमा के दायरे से इतर एक साथ लाती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह सवाल भी चर्चा का विषय बन गया है कि बांग्लादेश का निर्णय क्या वास्तव में सुरक्षा चिंताओं का नतीजा है, या फिर मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अपनी सियासी कुंठा को छिपाने की रणनीति।दरअसल, भारत और खुद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) बांग्लादेश के असुरक्षा संबंधी दावों को खारिज कर चुके हैं। इसके बावजूद अपनी जिद पर अड़े रहने का नुकसान आखिरकार बांग्लादेश को ही झेलना पड़ेगा, न केवल आर्थिक तौर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में साख गिरने के रूप में भी।खेल के जानकारों का मानना है कि इस मामले में बात इतनी बिगड़ती ही नहीं, अगर शुरू से ही खेल को खेल भावना से जोड़कर देखा जाता। पिछले दो हफ्तों में आइसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कई बार बातचीत की, पर गतिरोध बना रहा। बांग्लादेश सरकार और बोर्ड, दोनों भारत में न खेलने की बात पर अड़े रहे। जबकि, खिलाड़ियों की सुरक्षा का जो मसला उठाया गया है, उसके पीछे मंशा कुछ और ही प्रतीत होती है।माना जा रहा है कि असल में यह फैसला खेल की जमीन पर नहीं, बल्कि भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव की बुनियाद पर लिया गया है, जो खेल भावना के खिलाफ है। यह बात छिपी नहीं है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड लंबे समय से आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा है और टी20 विश्व कप में भाग न लेने से उसकी दिक्कतें और बढ़ेंगी। हालांकि इस विवाद के बीच बांग्लादेश के कुछ खिलाड़ियों के बयानों से ऐसे संकेत मिले हैं कि वे भारत में खेलने के इच्छुक हैं। इससे स्पष्ट है कि खेल भावना पर सियासत का रंग चढ़ाया जा रहा है।

शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए।

सरल नहीं पर प्रभावशाली थे, आदर्शवादी नहीं पर निर्णायक थे अजित पवार

(नीरज कुमार दुबे)

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है। छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग-अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव प्रचार एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती। अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी-एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अजित पवार ने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया। गठबंधनों के बदलते दौर में भी अपनी उपयोगिता और असर बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रही। अजित पवार चूंकि केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रमुख घटक थे इसलिए उनका निधन बड़ा राजनीतिक नुकसान भी है। देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार-बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया। 2023 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है। अजित पवार की राजनीति नैतिकता के आदर्शों की किताब से कम और यथार्थ की जमीन से ज्यादा निकली थी। यही कारण है कि वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे और समर्थकों के भरोसे का केंद्र भी बने। वह जानते थे कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन प्रभाव बनाया जा सकता है। उन्होंने वही किया। विभिन्न लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मैंने खुद देखा कि वह समर्थकों और कार्यकर्ताओं के कितने करीब रहते हैं और सबकी बातें ध्यान से सुनते हैं। यही कारण था कि बारामती में खासतौर पर अजित दादा के नाम का बोलबाला हर जगह देखने को मिलता है। आज जब उनका जाना अचानक और असमय हुआ है, महाराष्ट्र की राजनीति एक खालीपन महसूस कर रही है। यह खालीपन सिर्फ पद का नहीं, उस अनुभव का है जो दशकों में गढ़ा जाता है। आने वाले समय में यह सवाल और तीखा होगा कि क्या कोई नेता सहकार से सत्ता तक के इस रास्ते को फिर उसी धार और दृढ़ता से तय कर पाएगा।

दुनिया जल के वैश्विक दिवालियापन की ओर बढ़ रही है

(ललित गर्ग)

दरअसल, जल संकट अब 'वाटर स्ट्रेस' से आगे बढ़कर 'ग्लोबल वाटर बैंक्रप्सी' यानी दुनिया जल के वैश्विक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। 'जल है तो जीवन है'-यह पंक्ति कोई नारा भर नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का शाश्वत सत्य है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। किंतु विडंबना यह है कि जिस जल को हम जीवन का आधार मानते हैं, वही आज सबसे अधिक संकटग्रस्त संसाधन बन चुका है। देश-दुनिया में जल संकट के हालात विकराल हो चुके हैं और यह संकट अब केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार और मूल्यहीन शासन का भी परिणाम बनता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 25 देश अत्यधिक जल तनाव से जूझ रहे हैं। चार अरब से अधिक लोग वर्ष में कम से कम एक माह पानी की गंभीर कमी का सामना करते हैं। मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र इस संकट की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यहां 60 करोड़ से अधिक लोग उच्च जल तनाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जबकि चेन्नई, बेंगलूरु और दिल्ली जैसे महानगरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। दरअसल, जल संकट अब 'वाटर स्ट्रेस' से आगे बढ़कर 'ग्लोबल वाटर बैंक्रप्सी' यानी दुनिया जल के वैश्विक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। यह संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट भी है। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कृषि, उद्योग और ऊर्जा-तीनों ही क्षेत्र पानी पर निर्भर हैं। जब खेतों को पानी नहीं मिलता, उद्योग ठप होते हैं और बिजली उत्पादन प्रभावित होता है, तो देश की जीडीपी में 6 प्रतिशत तक की कमी का खतरा उत्पन्न हो जाता है। आमजन के लिए यह संकट जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। जहां पानी पर्याप्त है, वहां बर्बादी हो रही है और जहां पानी की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय बनाया है। जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे कार्यक्रम इसी दिशा में ऐतिहासिक पहल हैं। जल जीवन मिशन का लक्ष्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जा सके। अटल भूजल योजना भूजल के सतत प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना हर खेत को पानी के संकल्प को साकार करने का प्रयास है। इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं ने निश्चित रूप से जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया है। कई क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनी हैं, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला है और भूजल पुनर्भरण के प्रयास हुए हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5990

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5989

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

वर्ग पहेली 5990

1		2	3	■	4		5
	■	6		7		■	
■	8		■	9		10	
11		■	12		■		■
■	13			■	14		15
16		■	17		■	18	
19		■		■	20		
21		■		22			■

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत के इस पडौसी देश में 6 जून 1995 को बाल अपराध अथवा उनकी फांसी की सजा प्रतिबंधित की गई (4)
4. माता सरस्वती का एक नाम (3)
6. जमीन से उगने वाला पेड़, पौधे आदि (4)
8. सुखभोग, चसका (2)
9. पार लगना, उद्धार होना (4)
11. अनुराग, प्रेम, लालसा (2)
12. केकड़ा, फलित ज्योतिष की बारह राशियों में से एक (2)
13. काव्यमर्मज्ञ, रस लेने वाला (3)
14. पश्चिम अफ्रीका के दश सेनेगल की यह राजधानी है, उर्ध्ववायु को मुंह से निकलती है (3)
16. मिथ्या संवाद, झूठी खबर (2)
17. जबड़े की हड्डी (2)
18. जामन डालकर जमाया हुआ दूध (2)
19. सप्ताह का दिन प्रहार करने की क्रिया (2)
20. शक, संदेह, भ्रम (2)
21. एक नक्षत्र जिसमें पांच तारे है (2)
22. विस्तार पूर्वक कथन (3)

ऊपर से नीचे

1. कुंती का एक नाम पृथा भी था इसलिए अर्जुन का एक नाम यह भी है (2)
2. स्तुति करने वाला (3)
3. महिला ईसाई पादरी यह कहलाती है (2)
4. काइंया, चालाक (3)
5. गर्म धातु से शरीर पर निशान लगाना (3)
7. अग्नि की चिंगारी को यह अंग्रेजी में कहते है (3)
8. पतिव्रता (उर्दू) (6)
10. फागुन की पूर्णिमा को होने वाला हिंदुओं का एक त्यौहार, होली (6)
12. क से ह तक की वर्णमाला (4)
15. महादयाल, कृपा, दया करने वाला (3)
16. जिसने कोई घटना अपनी आंखों से देखी हो , साक्षी (3)
20. अक्षर, जाति, रंग (2)

वर्ग पहेली 5989 का हल

सा	नि	या	मि	र्जा	■	बु	ध
ब	दा	■	ल	■	सा	ज	न
र	न	क	ना	■	■	दि	वा
म	■	र्म	■	फि	स	ल	न
ती	ज	■	आ	रो	ही	■	■
■	या	■	ग	जा	■	स	जा
■	प्र	जा	■	बा	हु	ब	ली
कु	दा	ल	■	द	■	ब	■

आज का राशिफल

मेष

आज दिन उत्तम राजयोग का सृजन कर रहा है। आपकी राज्य-मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। हो सकता है कुछ आकस्मिक लाभ भी हो जाए। सायंकाल से लेकर रात्रि तक शुभ व धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। सत्कर्म में खर्चा हो सकता है।आपके पराक्रम और साहस से लाभ के बड़े अवसर प्राप्त होंगे। इस दिन विदेश से जुड़ा काम करने वाले लोगों को विशेष सफलता प्राप्त होगी।

वृष

आज शत्रु पक्ष की कुचेष्टाएं आपको परेशान करेंगी। आप अपनी कार्यकुशलता से समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करें।कल के दिन आपको राजनीतिक और सामाजिक संपर्क से फायदा भी मिलेगी। अगर करियर में बदलाव की सोच रहे हैं तो आपको जल्द कोई मौका मिल सकता है। वहीं, आपका वैवाहिक जीवन भी सुखद ही नजर आ रहा है।

मिथुन

आज आप अपने किए कार्यों की प्रशंसा से फूले नहीं समाएंगे। रात्रि का समय किसी सामाजिक समारोह में सम्मिलित होने का है।बड़े बाई के सहयोग से किसी रुके हुए कार्य में आपको सफलता मिल सकती है। सामाजिक क्षेत्र में भी मान-सम्मान मिलेगा और प्रतिष्ठा पढ़ेगी।

तुला

वैसे तो आप इस प्रकार के काम करते रहते हो जो दूसरों के लिए जोखिम भरे होते हैं। लेकिन यह सब आपके परिजनों के लिए आम बात है और आपके कार्य क्षेत्र के रिस्क से उनका कोई लेना देना भी नहीं है। नया वाहन आने से हर्ष रहेगा। नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास करने वाले जातकों को आज कुछ सकारात्मक खबर मिल सकती है।

वृश्चिक

आज आपका घरेलू और व्यावसायिक वातावरण काफी अस्त-व्यस्त रहेगा। कई प्रकार के विवाद और झंझट आपके सामने आ सकते हैं। सायंकाल तक आप अपना कुछ समय लगाकर अपने कार्य कौशल से अपनी मुसीबतें कम कर पायेंगे। रात्रि का समय किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में व्यतीत होगा।वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है।

धनु

आज दिन भर प्रतिद्वंद्वियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे। कारोबार में अकस्मात् आशा से अधिक लाभ व प्रगति होने से खोया हुआ विश्वास पुनः प्राप्त होगा। संतान पक्ष से भी अपेक्षित समाचार मिलेगा। कोई पारिवारिक व्यक्ति आपके पेट में घुसने का प्रयास करेगा उससे सावधान रहें और अपनी प्रगति का रहस्य उसे न बताएं।

कर्क

आज पुराने किसी महान सत्तारूढ़ पुरुष की कृपा से मंत्री पद की प्राप्ति भी हो सकती है। चार पांच माह पूर्व खोई मूल्यवान वस्तु अकस्मात् मिल जाएगी। सायं से लेकर रात्रि तक सक्रिय राजनीति में बिजी रहेंगे। आपके लिए आज सितारे बताते हैं कि किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें नहीं तो लोग मित्र बनकर आपको नुकसान भी पहुंचा सकता हैं।

सिंह

जितना भी हो सके आज आप अपने परिवार और रोजगार को ही ठीक तरह से संभालने की चेष्टा करें। आज व्यवसाय के विस्तार के लिए पर्याप्त अवसर और अनुकूल समय है। बाहर की सुविधाएं भी आपको मिल रही हैं और आर्थिक कमी को भी इस वक्त परेशानी नहीं। अगर संतान के विवाह का प्रसंग प्रबल है तो पंडित या पुरोहित में गंभीरता पूर्वक संपर्क करें।

कन्या

आजकल एकदम से बहुत सारे काम आपके आगे पीछे आ रहे हैं। आपके विरोधी भी कुछ एसी चाल चल रहे हैं कि आप फालतू कामों में उलझे रहे हैं। आपको अपनी पोजीशन स्पष्ट करनी है, तो फिर अपने वरिष्ट अधिकारी को इसकी जानकारी अवश्य दें।

मकर

आज आप जिस प्रकार प्रतियोगिता या परीक्षा को आप उत्तीर्ण कर लेना चाहते हैं, उसका निदान आज करना है। क्योंकि जिस तरीके से आप अपनी रणनीति को लागू कर रहे हैं, उससे लगता है कि युक्तिसंगत प्रयासों का लाभकारी परिणाम सामने आएगा। आर्थिक स्थिति में भी धीरे-धीरे सुधार होगा। रात्रि में माता को अकस्मात् कष्ट संभव है।

कुंभ

आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। किसी बड़े लाभ के चक्कर में आप दिनभर भागदौड़ करने के लिए भी तत्पर रहेंगे। परिस्थितियां जब सुधरने लगती हैं तो सभी काम एक-एक कर बनने लगते हैं और व्यर्थ की जद्दोजहद तथा तनाव भी समाप्त होने लगते हैं। आप आज सेहत के मामले में अपना ध्यान रखें आपको आज पित्त से संबंधित समस्या होने की भी आशंका रहेगी, जिन लोगों को बवासीर की समस्या है।

मीन

आज काफी दिनों से जो असमंजस बना हुआ है, अब उसका अंत होगा और मायूसी भी समाप्त हो जाएगी। जिस वजह से आप के सभी कार्य अभी तक नहीं बन रहे थे आज वह रुकावट हट जाएगी और आपके रचनात्मक कार्यों में गति आएगी। ज्ञान विज्ञान कला और लेखन कार्य में आपकी दक्षता रंग लाएगी। सायंकाल का समय मौज मस्ती में बीतेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता फिर बने मिस्ट्री थ्रिलर का हिस्सा, 'वध 2' का ट्रेलर रिलीज

साल 2022 में फिल्म 'वध' रिलीज हुई। छोटे बजट की इस फिल्म ने दर्शकों को चौंकाया, क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा है। 'वध 2' को लेकर दर्शक काफी समय से इंतजार रहे थे। मंगलवार को 'वध 2' का ट्रेलर सामने आया। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी मेकर्स ने साझा की है।

'वध 2' के ट्रेलर में नजर आई नई मिस्ट्री?

फिल्म 'वध 2' के ट्रेलर में एक जेल गार्ड शंभूनाथ के रोल में संजय मिश्रा नजर आते हैं। वह जेल की एक कैदी मंजू सिंह (नीना गुप्ता) के करीब आते हैं। दोनों के बीच एक अलग तरह का रिश्ता बनता है। लेकिन इसी बीच जेल में कैदी गायब हो जाता है। वह कैदी कहां गया? उसके गायब होने से संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के किरदारों का क्या कनेक्शन है, यही पूरी फिल्म की कहानी है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'वध 2' 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के डायेक्टर, राइटर जसपाल सिंह संधू हैं। फिल्म में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के अलावा कुमुद मिश्रा, अमित के. सिंह, अक्षय डोगरा, शिल्पा शुक्ला और योगिता बिहानी जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर लव रंजन और अंकुर गर्ग हैं। फिल्म फेस्टिवल में सराही गई 'वध 2' थिएटर में रिलीज होने से पहले फिल्म फेस्टिवल्स में वध 2 सराही गई थी। इस फिल्म को रिलीज से पहले 56वें आईएफएफआई 2025 में काफी तारीफ मिली थी। गाला प्रीमियर सेक्शन में इसकी स्क्रीनिंग हाउसफुल रही थी।

25 साल के फिल्मी सफर की चुनौतियों पर बोलीं एक्ट्रेस श्रिया सरन

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री श्रिया सरन को एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 25 साल पूरे हो गए हैं। इतने लंबे सफर के बाद उनका नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने अलग-अलग भाषाओं और सिनेमा के दौर को करीब से देखा है।

श्रिया सरन ने खास बातचीत में अपने करियर, फिल्मी दुनिया में आए बदलाव और आज के दौर की चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे प्री-सोशल मीडिया दौर से लेकर आज के डिजिटल युग तक इंडस्ट्री पूरी तरह बदल चुकी है। खास बातचीत में श्रिया सरन ने सबसे पहले फिल्म सेट्स पर आए तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, जब मैंने करियर की शुरुआत की थी, तब शूटिंग का माहौल बिल्कुल अलग था। उस समय लाइट्स बहुत तेज होती थीं, जो आंखों को चुभती थीं और कई बार परेशानी भी होती थी। कैमरे भी भारी और सीमित तकनीक वाले होते थे। कलाकारों को सेट पर इंतजार करना पड़ता था और कैमरे के चलने की आवाज सुनकर ही पता चलता था कि शूटिंग शुरू हो गई है। उस दौर में सब कुछ ज्यादा मेहनत और धैर्य की मांग करता था। श्रिया ने कहा, आज हालात काफी बदल चुके हैं। तकनीक ने फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा आरामदायक बना दिया है। अब सॉफ्ट लाइट्स होती हैं जो आंखों पर असर नहीं डालतीं। कैमरे पहले से ज्यादा आधुनिक और हल्के हो गए हैं, जिससे शूटिंग आसान और तेज हो गई है। इन बदलावों की वजह से कलाकार अपने अभिनय पर ज्यादा ध्यान दे पाते हैं और काम का माहौल भी पहले से बेहतर हो गया है। या सरन ने कहा, पहले कलाकारों को सिर्फ एक मैनेजर से डील करना पड़ता था, लेकिन अब पूरा सिस्टम बदल चुका है। आज एजेंसियों का दौर है, जहां कलाकारों को कई लोगों से बात करनी होती है। नई पीढ़ी के लोग नई तरह की जानकारी और सोच लेकर आते हैं। वे ऐसी चीजें जानते हैं, जो पुरानी पीढ़ी को नहीं पता होतीं। ऐसे में बदलाव को स्वीकार करना जरूरी है। अपने 25 साल के करियर के उतार-चढ़ाव पर बात करते हुए श्रिया ने कहा, इतने लंबे सफर में भावनात्मक रूप से कई तरह के दौर आते हैं। कभी ऐसा लगता है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है और कभी इंसान खुद को बहुत अकेला या कमजोर महसूस करता है। इन मुश्किल दिनों से निकलने के लिए अपने आसपास ऐसे लोगों का होना बहुत जरूरी है, जो आपका साथ दें और आपको संभालें। सही लोग और सकारात्मक माहौल ही आपको आगे बढ़ने की ताकत देते हैं। श्रिया सरन ने अपने लंबे और सफल करियर का श्रेय अपनी टीम और सहयोगियों को दिया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी निर्देशकों और सह-कलाकारों की देन हूं, जिनके साथ मैंने काम किया है। हर फिल्म और हर अनुभव ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। अगर सही लोग और टीम का सहयोग न मिला होता, तो यह सफर इतना आसान और सफल नहीं होता।

कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग, सोशल मीडिया ने बदली जिंदगी

लिटिल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

रियलिटी शोज में रोमांस अब फेक और स्ट्रैटेजी बन चुका है

रियलिटी शो के स्टार प्रिंस नरूला का मानना है कि आजकल रियलिटी शो में रोमांस ज्यादातर नकली हो गया है। उनका कहना है कि कई कंटेस्टेंट गेम में आगे बढ़ने और लाइमलाइट में आने के लिए रिश्तों को स्ट्रैटेजी के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। प्रिंस जल्द ही पत्नी युविका चौधरी के साथ अपकमिंग रियलिटी शो द 50 में नजर आएंगे। उन्होंने बताया, अब रियलिटी शो में रोमांस नकली हो गया है। लोग शो में रिश्ते बनाते हैं, लेकिन बाहर आने के बाद अलग हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि यह शो में सर्वाइव करने का आसान तरीका है। प्रिंस ने बताया कि जब उन्होंने बिग बॉस 9 में हिस्सा लिया था, तब भी ऐसी चीजें होती थीं। लेकिन उनका मानना है कि अगर कोई सच में प्यार ढूंढ रहा है, तो रियलिटी शो में भी सच्चा रिश्ता बन सकता है। उन्होंने कहा, मुझे भी अपना प्यार एक रियलिटी शो में ही मिला और पत्नी के साथ द 50 में एंट्री को लेकर मैं उत्साहित हूं। पत्नी के साथ होने से मुझे एक्स्ट्रा ताकत मिलेगी, जब भी युविका मेरे साथ होती है तो मुझे टेंशन नहीं होती और शो में भी मैं टेंशन के बिना रह सकूंगा।

जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी वेलकम टू द जंगल

बस पांच महीने का इंतजार और फिर सिनेमाघरों में होगा धमाल! जी हां, क्योंकि वेलकम टू द जंगल की रिलीज डेट सामने आ गई है। दिसंबर में अक्षय कुमार ने एक वीडियो साझा कर बताया था कि यह फिल्म साल 2026 में रिलीज होगी। अब इसकी रिलीज डेट का खुलासा भी कर दिया गया है। कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह मल्टीस्टारर फिल्म 26 जून, 2026 को रिलीज होगी। वेलकम फेंचाईजी की यह तीसरी किस्त है और काफी मजेदार होने वाली है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा कई और शानदार सितारे नजर आएंगे। फिल्म वेलकम टू द जंगल के निर्देशन की कमान अहमद खान ने संभाली है। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सहित करीब 30 सितारे नजर आएंगे। रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, और दलेर मेहंदी भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मैं खुद एक बेटी की मां हूं, डर तो लगा ही रहता है

एक लड़की जिसे अव्वल तो एक्ट्रेस बनना नहीं था, पर किस्मत ने फिल्म के सेट पर पहुंचा दिया। फिर सितारों की इस दुनिया में वह ऐसी चमकी कि बॉलीवुड की रानी बन गई। हम बात कर रहे हैं, नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं रानी मुखर्जी की। इस साल इंडस्ट्री में 30 साल का शानदार सफर पूरा करने वाली रानी अपनी फिल्म मर्दानी 3 के लिए चर्चा में हैं। वह पर्दे पर एक बार फिर टॉप कॉप शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापसी कर रही हैं। इस बार वह उन लड़कियों को बचाने के लिए वापस आ गई हैं, जो बिना किसी सुराग के अचानक गायब हो जाती हैं। रानी ने बातचीत में फिल्म, निजी जीवन, करियर और बेटी आदिरा की परवरिश को लेकर बात की।

आपने सिनेमा जगत में 30 साल का सफर तय कर लिया है। ढेरों फिल्में, अवॉर्ड्स, कैसे देखती हैं आप अपने इस सफर को?

पैरेंट्स नहीं, सिर्फ डैडी नहीं चाहते थे कि मैं एक्टर बनूं। मम्मी बहुत एक्साइटेड थीं। मम्मी की वजह से ही तो मैं आई हूं पर आप सही हैं, मैं वो लड़की थी जिसे एक्ट्रेस नहीं बनना था। मैं बाय चांस एक्ट्रेस बन गई, लेकिन इंडस्ट्री में आने के बाद इस काम, इस कला से मुझे प्यार हो गया तो मुझे लगता है कि शायद मैं एक्ट्रेस बनने के लिए ही पैदा हुई थी, क्योंकि इन तीस साल में मुझे दर्शकों से जिस तरह का प्यार मिला, वह बहुत खास है। इसमें ऊपरवाले का बहुत बड़ा हाथ है कि वह मुझे यहां तक खींचकर लाए।

बीते साल आपको मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में बेहतरीन अदाकारी के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड मिला। आपको लगता है कि अगर आप मां नहीं होती तो वो इमोशन निभा पाती? खुद मां होने का कितना श्रेय है उसमें?

मां का किरदार मैंने पहले भी निभाया है। तारा रम पम में किया था। कुछ कुछ होता है में भी मेरा मां का किरदार था तो मुझे लगता है कि जब आप एक औरत के रूप में जन्म लेते हैं, तभी आपके अंदर एक मां का भी जन्म हो जाता है, तो मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे पहले भी आती तो शायद मेरा वही भाव होता, क्योंकि मेरी भतीजी भी है, उसे भी मैं अपने बच्चे की तरह ही प्यार करती हूं। मुझे नहीं लगता है कि एक औरत के भीतर बच्चा होने के बाद ही वो मदरली फीलिंग आती है। आप किसी बड़ी बहन से बात करें तो वो अपनी छोटी बहन या भाई के लिए यही कहती है, यह मेरे बच्चे जैसा है। एक औरत होना अपने में ही महान चीज है। ममता का भाव हममें जन्म से ही होता है। इसलिए हम, गुड्डे-गुड़ियों का खेल खेलते हैं, घर बनाते हैं तो वह एक फीलिंग हममें हमेशा से ही होती है।

एक औरत होने की सबसे बड़ी ताकत और कमजोरी आप क्या मानती हैं?

हमारी ताकत ही हमारी कमजोरी है। हमारा जो प्यार है, हम जिस तरह से प्यार करते हैं कि प्यार में सब कुछ दे देते हैं। सबको खुद से आगे रखते हैं। यह हमारी ताकत भी है और कमजोरी भी। मैं भी ऐसी ही हूं, क्योंकि मैंने अपनी मां को ऐसा करते देखा है, लेकिन मेरा मानना है कि हर इंसान को खुद को आगे रखना चाहिए, क्योंकि अगर खुद पर ध्यान नहीं देंगे तो दूसरे को कहां वो प्यार दे पाएंगे, तो ऐसा करना जरूरी है।

करियर के शुरुआत में आपकी आवाज को लेकर आलोचना हुई, उन चीजों से कैसे डील किया?

असल में, चाइनीज कैलेंडर में मेरी राशि घोड़ा है तो मैं वैसी ही हूं। मैं ब्लिंकर्स पहनती हूं और सामने देखती हूं। इधर-उधर देखती ही नहीं हूं। कौन क्या कह रहा है, सोच रहा है, उसमें वक्त बर्बाद नहीं करती हूं। मुझे जो करना है, करती हूं और यही सोच मेरे काम आई।

आप एक्स, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया से दूर हैं। ये चीजें आपको नहीं लुभाती?

नहीं। मेरे इतने सारे रिश्ते हैं। मैं एक बेटी हूं, बीवी हूं, मां हूं, दोस्त हूं, एक्टर हूं तो मुझे कितनी भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। उस पर एक सोशल मीडिया की जिम्मेदारी मैं क्यों अपने ऊपर लादूं? वो भी तो एक जिम्मेदारी बन जाएगी तो कम से कम उससे तो बचूं। (हंसती हैं)

मर्दानी 2 में कहानी एक रेप केस की थी, अब मर्दानी 3 में आप गर्ल चाइल्ड ट्रैफिकिंग जैसी गंभीर सामाजिक खतरे से डील कर रही हैं। ये फिल्में करते वक्त आप पर क्या असर पड़ता है? ये मुद्दे परेशान करते हैं?

परेशान तो करते ही हैं ना, क्योंकि समाज में ये चीजें हो रही हैं। बहुत बार हम सोचते हैं कि यार, हमें ऐसी डिस्टर्बिंग चीज से बचना चाहिए, क्योंकि हम इससे असहज हो जाते हैं, लेकिन ऐसी चीजों में असहज होना जरूरी है। डिस्टर्बिंग चीज देखनी है क्योंकि उसी से जागरूकता आएगी। मैं ये कहानियां इसीलिए लेकर आती हूं कि लोगों को बताऊं कि ये सब हो रहा है। हमारे नुक्कड़, पड़ोस में हो रहा है, तो जागो। हम सिर्फ अपने आरामदायक कमरों में नहीं रह सकते। इस दौर में हमें हर चीज का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बांबे हाई कोर्ट ने किशोरी की गर्भपात की याचिका खारिज की

मुंबई , एजेंसी। बांबे हाई कोर्ट ने 18 वर्षीय महिला की 28 सप्ताह की गर्भावस्था को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की याचिका को खारिज कर दिया है, यह कहते हुए कि जबरन गर्भपात भ्रूण हत्या के समान होगा क्योंकि भ्रूण स्वस्थ और जीवित है। जस्टिस रविंद्र घुगे और अभय ज. मंती की एक पीठ ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक आदेश में निर्देश दिया कि किशोरी को उसके प्रसव तक व्यापक चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाए। अदालत ने कहा, जब बच्चा पैदा हो जाएगा और उसे गोद लेने के लिए पंजीकृत अनाथालय में भेजने की स्थिति में होगा, तो बाल कल्याण समिति इस संबंध में संभावित मां की सहायता करेगी। किशोरी की मां ने गर्भपात की याचिका दायर की थी, जो कि लड़की के 17 वर्ष की आयु में एक पुरुष मित्र के साथ संबंध का परिणाम था। याचिका में कहा गया है कि पुरुष मित्र ने शादी का वादा करके लड़की को शारीरिक संबंध में मजबूर किया। 2 जनवरी को एक एफआइआर दर्ज की गई, जब किशोरी को गर्भवती पाया गया। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत में कहा कि किशोरी गर्भावस्था को जारी रखने की इच्छा नहीं रखती है और यह उसका निर्णय था कि इसे समाप्त किया जाए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि यह तथ्य बना रहता है कि उस आयु में ऐसा संबंध सहमति से था, हालांकि यह कानूनी रूप से अस्वीकार्य था।

मुंबई के सायन स्टेशन पर झगड़े के दौरान तीन यात्री ट्रेन से गिरे

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के सायन स्टेशन पर तीन यात्री किसी बात को लेकर आपस में भिड़ गए। इस दौरान वह ट्रेन से नीचे गिर गए। उन्हें बचाने के लिए रेलवे ने तुरंत बिजली बंद कर दी और अन्य ट्रेनों को रोक दिया। एक अधिकारी ने बताया, सुबह करीब 10 बजे कुछ यात्रियों के बीच कहासुनी और हाथापाई हुई और इसी अफरा-तफरी में वे सीएसएमटी जाने वाली ट्रेन से गिर गए। ट्रेन की गति उस समय धीमी थी। ट्रेन सायन स्टेशन से अभी-अभी चली ही थी। इस घटना में तीनों यात्री घायल हो गए हैं। कंट्रोल रूम में सूचना मिलते ही हमने 8-9 मिनट के लिए बिजली बंद कर दी ताकि तीनों को बचाए जाने तक विपरीत दिशा से कोई दूसरी ट्रेन न आ सके।

असामाजिक तत्वों ने खंडित की शहीद काली बाइ और नाना भाई खांट की मूर्तियां

जयपुर,एजेंसी। राजस्थान के डूंगरपुर जिले के चौरासी थाना क्षेत्र स्थित शहीद काली बाइ और नाना भाई खांट की मूर्तियों को असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। आदिवासी संगठनों व ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने इसे समाज की धरोहर और शहीदों के सम्मान का अपमान बताया है। पुलिस ने अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन का कहना है कि दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जानकारी के अनुसार ये मूर्तियां 19 जून 2022 को एक आदिवासी परिवार द्वारा स्थापित की गई थीं। गुरुवार रात अज्ञात लोगों ने मौके पर पहुंचकर मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया, जिससे वे खंडित हो गईं। सुबह घटना सामने आने पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना प्रशासन और संगठनों को दी। घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में आदिवासी संगठन और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और मूर्तियों की मरम्मत की मांग की। सूचना पर चौरासी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

पर्यावरणविदों ने पूर्वी कोलकाता की आर्द्रभूमि पर अतिक्रमण की जांच की मांग की

कुछ हिस्सों में कथित अतिक्रमण और अवैध निर्माण की गहन जांच की मांग की

कोलकाता ,एजेंसी।
कई पर्यावरण संगठनों ने शुक्रवार को पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि (ईकेडब्ल्यू) के कुछ हिस्सों में कथित अतिक्रमण और अवैध निर्माण की गहन जांच की मांग की, जो अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर-सूचीबद्ध आर्द्रभूमि है। यह मांग कोलकाता के आनंदपुर के नाजिराबाद क्षेत्र में दो गोदामों में लगी भीषण आग के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी। आरोप है कि इन गोदामों का निर्माण रामसर दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए किया गया था। सबुज मंच, प्रोयश, बसुंधरा, कल्चरल एंड लिटरेरी सोसाइटी, ईस्ट कोलकाता फिशरीज एसोसिएशन सहित कई पर्यावरण समूहों की ओर से यह मुद्दा उठाया गया था। सेव रबींद्र सरोवर फोरम के सोमेंद्र मोहन घोष ने कहा कि कुछ मुद्दों को सूचीबद्ध करते हुए एक विज्ञप्ति पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि प्रबंधन प्राधिकरण (ईकेडब्ल्यूएमए) को भेजी गई है, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि आर्द्रभूमि रामसर कन्वेंशन, एक अंतरराष्ट्रीय संधि के तहत संरक्षित है। पत्र में रामसोर दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए बड़े पैमाने पर निर्माण और अतिक्रमण पर भी चिंता व्यक्त की गई। सबुज मंच के पर्यावरणविद् नबा दत्ता ने नाजिराबाद रोड के चौड़ीकरण पर चिंता व्यक्त की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इस प्रक्रिया के कारण आनंदपुर नहर का लगभग सात

किलोमीटर का हिस्सा संकरा हो गया है, जो रामसर-संरक्षित आर्द्रभूमि प्रणाली के अंतर्गत आता है।

नहर को धीरे-धीरे सडक़ों, गोदामों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों सहित निर्मित क्षेत्रों में परिवर्तित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम ईकेडब्ल्यूएमए के मुख्य तकनीकी अधिकारी से एक पारदर्शी रिपोर्ट की मांग कर रहे हैं कि रामसर साइट के भीतर के इलाकों के नाम कैसे बदले गए, इन परिवर्तनों को किसने अधिकृत किया और नवीनतम आधिकारिक ईकेडब्ल्यू मानचित्रों में कई क्षेत्र क्यों नहीं दिखाई देते हैं।

पर्यावरण समूहों ने अधिकारियों से कथित अतिक्रमणों, मानचित्र संबंधी विसंगतियों और पर्यावरण मानदंडों के उल्लंघन की स्वतंत्र जांच कराने का आग्रह किया है, और चेतावनी दी है कि आर्द्रभूमि के निरंतर क्षरण से कोलकाता और उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक पारिस्थितिक परिणाम हो सकते हैं। रिपोर्ट दाखिल होने तक ईकेडब्ल्यूएमए की ओर से इन मुद्दों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। रामसर समझौता आर्द्रभूमियों के संरक्षण और उनके विवेकपूर्ण उपयोग हेतु दो फरवरी 1971 को ईरान के रामसर शहर में अपनाई गई एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। यह 1975 में प्रभावी हुई, जिसका उद्देश्य पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए आर्द्रभूमियों का संरक्षण करना है। भारत में यह एक फरवरी 1982 को लागू हुआ। अधिक जानकारी प्रदान करता है

सुरक्षित रहेंगे रानी सराय के हरे-भरे पेड़

हजारों आशियाने उजड़ने से बचे

अंडरग्राउंड बनेगा इंदौर मेट्रो स्टेशन

इंदौर, एजेंसी।
शहरवासियों के लिए राहत भरी खबर है कि मेट्रो स्टेशन के नाम पर रानी सराय में लगे सैंकड़ों हरे-भरे पेड़ यथावत बने रहेंगे। इन्हें न तो काटा जा सकेगा न ही इनका ट्रांसप्लांट होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि हाई कोर्ट ने इस संबंध में प्रस्तुत जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए पेड़ों को काटने या इनके ट्रांसप्लांट पर रोक लगा दी है। हजारों परिंदे इन पेड़ों पर घरोंदा बनाकर रह रहे हैं। जनहित याचिका में कहा है कि अगर पेड़ों को काटा गया तो हजारों परिंदों पर संकट आ जाएगा। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से सरकारी वकील ने कहा कि पेड़ काटने की योजना नहीं है क्योंकि रानी सराय में अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन बनाया जाना है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह बात लिखित में दें। इस आदेश के बाद रानी सराय परिसर की हरियाली यथावत बने रहने की संभावना बढ़ गई है। पिछले कई दिनों से पर्यावरणविद रानी सराय परिसर की हरियाली बचाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं। हाई कोर्ट में यह जनहित याचिका प्रियांशु जैन ने एडवोकेट लवेश सारस्वत के माध्यम से प्रस्तुत की है। इसमें कहा है कि रानी सराय परिसर में सैंकड़ों की संख्या में पेड़ हैं। इन पेड़ों पर हजारों परिंदे घरोंदा बनाकर रह रहे हैं। इनमें कई दुर्लभ प्रजाति के पक्षी भी शामिल हैं। मेट्रो कॉर्पोरेशन ने मेट्रो स्टेशन के नाम पर इन पेड़ों को काटने की तैयारी कर ली है। ऐसा किया जाता है तो हजारों परिंदों का जीवन संकट में पड़ जाएगा। यह वन संरक्षण अधिनियम 1980 और पर्यावरण अधिनियम 1986 की उलंघन है। मेट्रो कॉर्पोरेशन ने पेड़ों को काटने के लिए नगर निगम से किसी तरह की अनुमति भी नहीं ली है। 9 जनवरी 2026 को नगर निगम के उद्यान अधिकारी ने नोटिस जारी कर कहा है कि मेट्रो कार्पोरेशन ने पेड़ काटने के लिए किसी तरह का आवेदन ही नहीं दिया है।

बेरहमी से मारपीट और झूठे एनडीपीएस केस पर राजस्थान हाई कोर्ट सख्त

जयपुर,एजेंसी। कोर्ट जोधपुर मुख्यपीठ ने प्रतापगढ़ में पुलिस हिरासत के दौरान बेरहमी से मारपीट और एक व्यक्ति को झूठे एनडीपीएस मामले में फंसाने के गंभीर आरोपों पर सख्ती दिखाई है। हाई कोर्ट की फटकार के बाद प्रतापगढ़ एसपी ने तत्काल प्रभाव से आरोपी पुलिस इंस्पेक्टर एवं तत्कालीन एसएचओ दीपक बंजारा को निलंबित कर दिया है। साथ ही, मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायिक जांच जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। जस्टिस फरजंद अली की अदालत ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए प्रतापगढ़ के न्यायिक मजिस्ट्रेट को बिना किसी दबाव के जांच आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। पीड़ित की ओर से सीनियर एडवोकेट धीरेंद्र सिंह और एडवोकेट राबिन सिंह ने पैरवी की। प्रतापगढ़ की है। आरोप है कि एसएचओ दीपक बंजारा और उनकी टीम ने शाकिर के पिता अब्दुल हमीद शेख को हिरासत में लेकर जबरन घर में घुसकर बर्बरतापूर्वक प्रताड़ित किया और झूठे एनडीपीएस केस में फंसाने के लिए फर्जी सुबूत गढ़े।

कर्नाटक सरकार ने अधिकारियों को हर महीने खादी पहनने को कहा, जारी किया सर्कुलर

राज्य सरकार ने खादी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया

बेंगलुरु ,एजेंसी।
कर्नाटक सरकार ने अधिकारियों को हर महीने खादी पहनने को कहा है। खादी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे हर महीने के पहले शनिवार को खादी पहनें। राज्य की मुख्य सचिव शालिनी राजनीश ने इस संबंध में सर्कुलर जारी करते हुए कहा, खादी केवल वस्त्र नहीं है। यह राष्ट्र की गरिमा और गर्व का प्रतीक है। खादी राज्य में हजारों बुनकरों को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से आजीविका प्रदान करता है। इसलिए 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य सरकार ने खादी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

राज्य सरकार, सहायता प्राप्त संस्थानों, निगमों, बोर्डों, स्वायत्त निकायों, विश्वविद्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध किया गया है कि वे हर महीने के पहले शनिवार को स्वेच्छा से खादी पहनें, और अपने संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को सभी सरकारी कार्यक्रमों में खादी पहनने के लिए निर्देश दें।यह पहल स्वदेशी उत्पादों के प्रति सम्मान, एकता, राष्ट्रीय भावना, भारतीयता, आत्म-सम्मान और सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने में मदद करेगी। कर्नाटक के शिक्षा विभाग ने राज्य में महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म छुट्टी की सुविधा देने का

आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि मासिक धर्म के दौरान प्रति माह एक दिन के वैतनिक अवकाश मिलेगा यानी कुल मिलाकर सालाना 12 दिन की छुट्टी मिलेगी। लाभ उठाने के लिए पात्र होंगी।

अब कर्नाटक के बस अड्डों पर नहीं दिखेंगे तंबाकू के विज्ञापन

कर्नाटक, एजेंसी। कर्नाटक सरकार ने राज्य की बसों और बस अड्डों पर तंबाकू उत्पादों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सभी विज्ञापनों पर बैन लगा दिया है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने राज्य की चारों परिवहन निगमों को यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी), बेंगलुरु मेट्रोपालिटन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (बीएमटीसी), उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (एनडब्ल्यूकेआरटीसी) और कल्याण कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (केकेआरटीसी) के प्रबंध निदेशकों को जारी नोट में कहा कि किसी भी बस या बस अड्डे पर तंबाकू सेवन को बढ़ावा देने वाला कोई भी विज्ञापन नहीं लगाया जाएगा। उन्हें हटाने के लिए समयसीमा तय की जाए और आदेश का सख्ती से पालन कराया जाए।

बंगाल पुलिस में बड़ा फेरबदल, राजीव कुमार की जगह पीयूष पांडे बनाए गए नए कार्यवाहक डीजीपी

कोलकाता , एजेंसी।
बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव और कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति से एक दिन पहले राज्य सरकार ने शुक्रवार देर शाम शीर्ष पुलिस महकमे में महत्वपूर्ण फेरबदल की घोषणा की।

कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को इधर से उधर करने के साथ राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफी भरोसेमंद माने जाने वाले आईपीएस राजीव कुमार की जगह आईपीएस पीयूष पांडे को राज्य का नया कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किया है।

वरिष्ठ आईपीएस पीयूष पांडे फिलहाल मुख्यमंत्री के सुरक्षा निदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अस्थाई डीजीपी की नियुक्ति को लेकर जारी गतिरोध और कानूनी जटिलताओं के बीच राज्य सरकार ने विशेष आदेश जारी कर यह नियुक्ति की है।

राज्य सचिवालय की ओर से जारी तबादला आदेश के अनुसार, कोलकाता पुलिस के आयुक्त (सीपी) के पद से मनोज वर्मा की छुट्टी कर दी गई है। उनकी जगह सुप्रतीम सरकार को कोलकाता का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है।

सुप्रतीम सरकार फिलहाल दक्षिण बंगाल के एडीजी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। मनोज वर्मा को पीयूष पांडे की जगह मुख्यमंत्री का सुरक्षा निदेशक बनाया गया है। इसी तरह राज्य पुलिस के एडीजी (कानून-व्यवस्था) के पद से जावेद शमीम को हटाकर उनकी जगह एसटीएफ के एडीजी विनीत गोयल को यह जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, जावेद शमीम को विनीत गोयल की जगह एसटीएफ का नया एडीजी नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता के अलावा

इसके आसपास के क्षेत्रों- हावड़ा, बैरकपुर, विधाननगर और चंदननगर के पुलिस आयुक्तों का भी तबादला किया है। काफी समय से हावड़ा पुलिस कमिश्नरेट के सीपी की जिम्मेदारी संभाल रहे वरिष्ठ आईपीएस प्रवीण कुमार त्रिपाठी को बैरकपुर का नया सीपी नियुक्त किया गया है। उनकी जगह प्रेसिडेंसी रेंज के डीआईजी आकाश मेघारिया को हावड़ा का नया सीपी बनाया गया है। इसी तरह बैरकपुर के सीपी मुरलीधर शर्मा को विधाननगर कमिश्नरेट का सीपी नियुक्त किया गया है।

कलवा-ठाणे के बीच पटरी के पास लगी आग, धुएं से विजिबिलिटी हुई कम

ठाणे, एजेंसी।
मुंबई की सेंट्रल रेलवे लाइन पर शुक्रवार शाम यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, जब कलवा और ठाणे स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। यह घटना शाम के पीक ऑवर के दौरान हुई, जिससे लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित हो गईं।

यह आग शाम करीब 5:27 बजे ठाणे (पश्चिम) में कलवा स्टेशन के आगे रेलवे पटरियों के नीचे बने एक नाले में जमा कचरे में लगी। आग लगते ही घना काला धुआं पटरियों पर फैल गया, जिससे ट्रेनों के चलने में खतरा पैदा हो गया।

धुएं के कारण दृश्यता कम हो गई, जिसके चलते सुरक्षा के लिहाज से रेलवे प्रशासन ने एहतियात बरती। सेंट्रल लाइन की अप और डाउन फास्ट लोकल ट्रेनों को हाथ के इशारों (हैंड सिग्नल) पर चलाया गया। यह व्यवस्था लगभग शाम 7:30 बजे तक जारी रही, जिससे यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस, फायर ब्रिगेड और ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। कड़ी मशक्कत के बाद शाम 7 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, शाम के व्यस्त समय में हुई इस घटना से सेंट्रल लाइन के यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

गुरुग्राम में ग्रामीण क्षेत्र के 25 लिंक रोड होंगे चौड़े, 6 फीट और बढ़ेगी चौड़ाई

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम जिले की 25 संपर्क सड़कों (लिंक रोड) को चौड़ी करने की मंजूरी मिल गई है। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की 12 फीट चौड़ी सड़कों को बढ़ाकर 18 फीट का किया जा रहा है। इस परियोजना को दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) के अनुसार, गांवों को जोड़ने वाली लिंक सड़कों की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। गांवों में बेहतर कनेक्टिविटी और सड़कों पर वाहनों के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए योजना तैयार की गई है। गुरुग्राम जिलेभर में हुए सर्वे से आई रिपोर्ट के बाद विभाग ने लगभग 75 से 80 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों के विस्तार का निर्णय लिया है।

पहले चरण में यानी इसी वित्तीय वर्ष में इन सड़कों का विस्तार होगा। दूसरे चरण में यानी अगले वर्ष बाकी की सौ किलोमीटर के करीब सड़कों की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। इन सभी सड़कों पर काम पीडब्ल्यूडी (भवन एवं सड़कें) विभाग करेगा। बता दें कि ये ऐसी सड़कें हैं, जो वर्तमान में 12 फीट चौड़ी हैं। अब इन सड़कों की चौड़ाई 18 फीट की

जाएगी। पीडब्लूडी के कार्यकारी अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि वाहनों के बढ़ते दबाव के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों को चौड़ीकरण किया जा रहा है। दो साल में यह कार्य पूरा होगा। पहले चरण में 25 सड़कों को शामिल किया गया है।

इन सड़कों का चौड़ीकरण होगा

गुरुग्राम जिले के ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की लंबाई 600 किलोमीटर है। इसमें 25 सड़कों की 75 से 80 किलोमीटर तक लंबी सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने की मंजूरी दी है। इन पर करीब दस करोड़ रुपये खर्च होंगे। कुछ सड़कों पर चौड़ीकरण का काम शुरू हो चुका है। इसमें रिठौज से धूमसपुर वाया नया गांव, सोहना अभयपुर, लोहटकी, खेरला, दमदमा से रिठोज तक 15.62 किमी, मेडाव से उल्लाव और बहरामपुर तक 4.75 किलोमीटर तक, गुरुग्राम-अलवर रोड से सरकारी पॉलिटेक्निक तक डेढ़ किमी आदि सड़क शामिल है।

10 लाख समर्थकों के साथ रेजीनगर में हुंकार भरेंगे निलंबित टीएमसी विधायक

कोलकाता। बंगाल के मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में 11 फरवरी को कुरान पाठ के साथ बाबरी मस्जिद का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक और नवगठित जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। मुर्शिदाबाद के भरतपुर से विधायक कबीर ने पिछले साल छह दिसंबर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखी थी, जिसमें पूरे राज्यभर से मुस्लिम समुदाय के हजारों लोगों की भीड़ जुटी थी। कबीर ने शाम को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे से मस्जिद का निर्माण कार्य शुरू होने से पहले वहां पांच हजार लोगों को लेकर डेढ़ घंटे तक कुरान पाठ किया जाएगा। पाठ के बाद दोपहर 12 बजे से निर्माण कार्य शुरू होगा। उससे पहले आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कबीर शनिवार को मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में मेगा रैली करने जा रहे हैं। उन्होंने खुद इसकी जानकारी दी। कहा कि रेजीनगर में होने जा रहे मेगा समावेश में 10 लाख लोगों की भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। मेगा समावेश के लिए भाजपा व तृणमूल विरोधी कई छोटे-छोटे दलों को आमंत्रित किया गया है।

नोवाक जोकोविच 11वीं बार ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज से होगा मुकाबला; सिनर को 3-6, 6-3, 4-6, 6-4, 6-4 से हराया

मेलबर्न (एजेंसी)। सर्बिया के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। जहां उसका सामना वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज से एक फरवरी को दोपहर 2 बजे से होगा। 38 साल के जोकोविच ने मेंस सिंगल्स कैटेगरी के सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर को 3-6, 6-3, 4-6, 6-4, 6-4 से हराया। वे ओपन एरा में इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने हैं। जोकोविच ने 11वीं बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। वे 2023 के बाद खिताबी दौर में पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने 10 फाइनल खेले और सभी जीते हैं। जोकोविच अपने करियर के 25वें ग्रैंड स्लैम और 11वें ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल से एक जीत दूर हैं। फिलहाल वे मार्गरेट कोर्ट के 24 ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड की बराबरी पर हैं।

अल्काराज पहली बार फाइनल में पहुंचे- वर्ल्ड नंबर-1 स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। चोट से जूझ रहे अल्काराज ने सेमीफाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों तक चले मुकाबले में मात दी। मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला गया यह मैच 5 घंटे 27 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज ने ज्वेरेव को 6-4, 7-6, 6-7, 6-7, 7-5 से हराया।

अल्काराज बोले- मुझे खुद पर बेहद गर्व है- जीत के बाद अल्काराज ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं कि हालात चाहे जैसे भी हों, खुद पर भरोसा रखना बेहद जरूरी है। तीसरे सेट में मैं संघर्ष कर रहा था। शारीरिक रूप से यह मेरे करियर के सबसे कठिन मुकाबलों में से एक था। उन्होंने कहा- 'मैं पहले भी ऐसे मैच खेल चुका हूं, इसलिए मुझे पता था कि मुझे क्या करना है। मुझे इसमें दिल-जान लगा देनी थी। मैंने ऐसा ही किया और आखिरी गेंद तक लड़ता रहा। पांचवें सेट में जिस तरह से मैंने वापसी की, उस पर मुझे खुद पर बेहद गर्व है।' अल्काराज के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का मौका अल्काराज के ट्रॉफी कैबिनेट में अब तक का एकमात्र ग्रैंड स्लैम खिताब ऑस्ट्रेलियन ओपन ही बचा है। अगर वह इस साल मेलबर्न में जीत हासिल करते हैं, तो वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के मेंस प्लेयर बन जाएंगे।

करियर ग्रैंड स्लैम का मतलब है कि किसी खिलाड़ी ने अपने पूरे करियर के दौरान चारों ग्रैंड स्लैम कम से कम एक बार जीती हों। इन्हें एक ही कैलेंडर ईयर में जीतना जरुरी नहीं है।

पूर्व क्रिकेट इंटरनेशनल अंपायर रघुवीर सिंह का निधन

2 इंटरनेशनल टेस्ट और 7 वन-डे में की थी अंपायरिंग, पंजाब राज्यपाल कटारिया रहे स्टूडेंट

उदयपुर (एजेंसी)। उदयपुर के इंटरनेशनल क्रिकेट अंपायर प्रोफेसर रघुवीर सिंह राठौड़ (88) का शुक्रवार शाम निधन हो गया। प्रो. राठौड़ दो इंटरनेशनल क्रिकेट टेस्ट मैच और 7 इंटरनेशनल वन-डे में अंपायरिंग कर चुके हैं। वे सेंट्रल जोन (यूपी, एमपी, विदर्भ, रेलवे, राजस्थान) से निकले हुए पहले इंटरनेशनल टेस्ट अंपायर थे। करीब 11 साल तक राजस्थान रणजी टीम के सदस्य भी रह चुके थे। अशोक नगर निवासी प्रो.राठौड़ 15 दिन से अस्वस्थ थे। वे हॉस्पिटल में भर्ती थे। शाम करीब 4 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वे मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में भूगोल विषय के प्रोफेसर रह चुके हैं। उनके मित्र पूर्व इंटरनेशनल अंपायर बलवंत शर्मा ने कहा- पंजाब राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, पूर्व सांसद नमोनारायण मीणा और पूर्व आईएएस धर्मसिंह सागर सहित कई नामी लोग उनके स्टूडेंट रहे हैं।

पहला टेस्ट इंडिया-श्रीलंका के बीच कराया- उनके घनिष्ठ मित्र पूर्व इंटरनेशनल अंपायर बलवंत शर्मा ने बताया- रघुवीर सिंह राठौड़ मुझे अपना छोटा भाई मानते थे। उनसे मेरी करीब 45 साल की कई सारी यादें जुड़ी हैं। वे बहुत कॉपरेटिव और मिलनसार थे। उन्होंने वर्ष 1992 में चंडीगढ़ में इंडिया वर्सेज श्रीलंका के टेस्ट मैच में पहली बार इंटरनेशनल लेवल पर अंपायर की। इसके बाद दूसरे टेस्ट वर्ष 1993 में चेन्नई में इंडिया वर्सेज इंग्लैंड में अंपायर रहे। इसके अलावा 7 वन-डे इंटरनेशनल मैच में अंपायरिंग कर चुके हैं। इसमें सबसे पहला वन डे मैच इंडिया और आस्टेलिया के बीच कराया था।

आज अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत के चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ होगी भिड़ंत

बुलावायो (एजेंसी)। पांच बार की चैंपियन भारतीय अंडर-19 टीम रविवार को आईसीसी मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप के सुपर सिक्स मुकाबले में जब चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी, तो उसकी नजरें एशिया कप फाइनल में मिली करारी हार का बदला लेने पर होंगी। भारत को 21 दिसंबर को दुबई में खेले गए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। दिलचस्प बात यह रही कि उसी टूर्नामेंट के ग्रुप मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 14 दिसंबर को 90 रन से हराया था। अब आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली भारतीय टीम उस फाइनल हार का हिसाब चुकता करने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

हैंडशेक नीति पर कायम रह सकता है भारत

पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनज़र भारत का पाकिस्तान के खिलाफ 'नो हैंडशेक' रुख इस मुकाबले में भी जारी रह सकता है। भारतीय टीम ने इससे पहले एशिया कप के फाइनल और ग्रुप मैच, दोनों में पाकिस्तान के साथ पोस्ट-मैच हैंडशेक नहीं किया था।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत का दबदबा

भारत का अब तक का सफर बेहद शानदार रहा है। टीम इंडिया ने अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका को 6 विकेट से हराकर की, इसके बाद बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को भी ग्रुप चरण में मात दी। सुपर सिक्स के अपने पहले मुकाबले में भारत ने 27 जनवरी को मेजबान जिम्बाब्वे को 204 रन के विशाल अंतर से हराकर अपनी अजेय लय बरकरार रखी।

भारतीय बल्लेबाजी और गेंदबाजी की मजबूती

बल्लेबाजी में अभिज्ञान कुंडू (4 मैचों में 183 रन, सर्वोच्च 80) और वैभव सूर्यवंशी (4 मैचों में 166 रन) लगातार रन बना रहे हैं। दोनों खिलाड़ी अब अपने अर्धशतकों को शतकों में बदलना चाहेंगे। विहान मल्होत्रा (4 मैचों में 151 रन) भी शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 109 रन की पारी खेली थी। गेंदबाजी में हेनिल पटेल (4 मैचों में 10 विकेट) भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। वहीं उधव मोहन ने पिछले मैच में 3 विकेट लेकर प्रभावित किया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने भी ऑफ-ब्रेक से 3 विकेट झटके, जबकि आरएस अम्ब्रिश नई गेंद से असरदार रहे हैं।

पाकिस्तान की चुनौती भी कम नहीं

पाकिस्तान ने टूर्नामेंट की शुरुआत इंग्लैंड से हार के साथ की थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे को हराकर वापसी की। सुपर सिक्स में 27 जनवरी को पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराकर आत्मविश्वास हासिल किया है। पाकिस्तान के ओपनर समीर मिन्हास भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। उन्होंने एशिया कप फाइनल में 172 रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी। मौजूदा टूर्नामेंट में भी उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 74 और न्यूजीलैंड के खिलाफ 76 रन बनाए हैं।

टीमें

भारत- एरॉन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पांगलिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अम्ब्रिश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उधव मोहन, किशन सिंह।

पाकिस्तान- फरहान यूसुफ (कप्तान), उस्मान खान, अली हसन बलोच, हमजा जहीर, हुजैफा अहसान, मोहम्मद शायन, समीर मिन्हास, अहमद हुसैन, अब्दुल सुभान, अली रज़ा, दानियाल अली खान, मोहम्मद सय्याम, मोमिन क़मर, निक़ाब शफीक़, उमर ज़ैब।

महामुकाबले से पहले सचिन तेंदुलकर का खास संदेश, अंडर 19 के युवा खिलाड़ियों को दिया गुरुमंत्र

मुंबई (एजेंसी)। जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जा रहे आईसीसी अंडर-19 मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के बीच भारत की अंडर-19 टीम को दिग्गज बल्लेबाज़ सचिन तेंदुलकर से खास मार्गदर्शन मिला। पाकिस्तान अंडर-19 टीम के खिलाफ बुलावायो में होने वाले अहम सुपर सिक्स मुकाबले से पहले सचिन ने वर्चुअल बातचीत के जरिए युवा खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

सेमीफाइनल की दौड़ में अहम मुकाबला - भारत सुपर सिक्स ग्रुप-2 में अब तक अजेय रहा है और अपने तीनों मुकाबले जीत चुका है। हालांकि पाकिस्तान के खिलाफ मैच काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि सेमीफाइनल में पहुंचने की तस्वीर इसी मुकाबले से साफ हो सकती है। पाकिस्तान फिलहाल ग्रुप में तीसरे स्थान पर है और उसने तीन में से दो मैच जीते हैं। अगर भारत यह मुकाबला हारता है तो सेमीफाइनल में पहुंचने का फैसला नेट रन रेट के आधार पर हो सकता है। वहीं इंग्लैंड अपनी चारों सुपर सिक्स मैच जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है।

सचिन ने सफलता और लंबे करियर का दिया मंत्र - बीसीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर इस बातचीत की जानकारी साझा की और इसे युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद खास अनुभव बताया।

सचिन तेंदुलकर ने खिलाड़ियों को तकनीकी मजबूती और फिटनेस के साथ-साथ अनुशासन, फोकस, विनम्रता और सफलता के बाद जमीन से जुड़े रहने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि आधुनिक क्रिकेट में लंबा और सफल करियर बनाने के लिए ये गुण बेहद जरूरी हैं। भारत ने टूर्नामेंट की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ सात विकेट की आसान जीत से की थी, जहां टीम ने 108 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल किया। इसके बाद भारत ने बांग्लादेश को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 18 रन से हराया। न्यूजीलैंड के खिलाफ भी भारत ने सात विकेट से जीत दर्ज कर सुपर सिक्स में जगह बनाई। सुपर सिक्स के पहले मुकाबले में भारत ने मेजबान जिम्बाब्वे को 204 रन से हराकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। इस मैच में विहान मल्होत्रा ने नाबाद 109 रन बनाकर भारत को 352/8 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद कप्तान आयुष म्हात्रे और उदय मोहन ने तीन-तीन विकेट लेकर जिम्बाब्वे को 148 रन पर समेट दिया।

पाकिस्तान के खिलाफ जीत पर नजर - लगातार शानदार प्रदर्शन और सचिन तेंदुलकर के मार्गदर्शन से उत्साहित भारतीय टीम अब पाकिस्तान के खिलाफ संतुलित और मजबूत प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026

ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, स्टार तेज गेंदबाज पैट कमिंस चोट के कारण बाहर

सिडनी (एजेंसी)। आगामी आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 से ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज पैट कमिंस चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपने 15 सदस्यीय स्क्वाड का ऐलान कर दिया है, जिसमें मिचेल मार्श कप्तान होंगे। यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में 7 फरवरी से 8 मार्च तक खेला जाएगा।

पैट कमिंस और मैथ्यू शॉर्ट टूर्नामेंट से बाहर - आईसीसी वेबसाइट के अनुसार पैट कमिंस अपनी पीठ की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं, इसलिए उन्हें वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया गया है। वहीं, टॉप ऑर्डर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को भी मूल 15 सदस्यीय स्क्वाड से बाहर किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने बेन द्वार्शुइस और मैथ्यू रेंसॉ को टीम में शामिल किया है।

चांदी के बढ़ते दामों के बीच प्रतिका रावल ने दिखाई दिलचस्पी

बेचने को लेकर यूजर्स से मांगी राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांदी के लगातार बढ़ते दामों पर भारतीय महिला टीम की स्टार ओपनर प्रतिका रावल ने दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर यूजर्स से राय मांगी। बता दें कि, भारत में पहली बार चांदी की वायदा कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम का आंकड़ा छू गई हैं। बाजार विश्लेषकों की मानें तो वैश्विक स्तर पर जिस तरह का माहौल है, उस लिहाज से चांदी की कीमत कम होने की संभावना नहीं दिखती।

प्रतिका ने मांगी यूजर्स से राय

प्रतिका रावल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मेरे पास 15 किलो चांदी है जो मैंने 75 हजार में खरीदी थी और बहुत से लोग मुझे इसे बेचने की सलाह दे रहे हैं, क्या मुझे इसे बेच देना चाहिए? या इसके और बढ़ने का इंतजार करना चाहिए? हमने इसे कोविड के समय खरीदा था।

चोट से उबर रहीं प्रतिका- प्रतिका इन दिनों महिला विश्व कप के दौरान लगी चोट से उबर रही हैं। इस टूर्नामेंट में उनका बल्ला खूब गरजा। सात मैचों में उन्होंने 308 रन बनाए और भारत की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं। हालांकि, चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में छोड़ना पड़ा, इसके बावजूद वह सभी टीमों में चौथी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं।

पाकिस्तान से मैच के पहले सचिन ने भारतीय अंडर-19 टीम से की बातचीत

बीसीसीआई ने साझा की तस्वीरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंडर-19 विश्व कप में हिस्सा ले रही भारतीय टीम के खिलाड़ियों से पाकिस्तान के खिलाफ अहम सुपर सिक्स मुकाबले से पहले वर्चुअल बातचीत की। इंग्लैंड ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। इसके बाद रविवार

को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला और भी महत्वपूर्ण हो गया है। सुपर सिक्स ग्रुप बी से नॉकआउट चरण में सिर्फ एक ही टीम जगह बना पाएगी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर वर्चुअल मुलाकात की तस्वीरों के साथ एक पोस्ट में कहा, यह अनुभव बेहद महत्वपूर्ण रहा जिसमें अगली पीढ़ी को लगातार बदलते खेल में सफलता और लंबे करियर के लिए अहम जानकारियां और दृष्टिकोण मिला।

सैम करन टी-20 में हैट्रिक लेने वाले दूसरे इंग्लिश क्रिकेटर

इंग्लैंड ने पहले मुकाबले में श्रीलंका को हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

पल्लेकेले (एजेंसी)। इंग्लैंड ने श्रीलंका को पहले टी-20 मुकाबले में डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 11 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लिश टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। बारिश के कारण मुकाबला तय समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके चलते ओवरों में कटौती कर इसे 17-17 ओवर का मैच कर दिया गया।

शुक्रवार को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लिश गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 133 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में इंग्लैंड ने 15 ओवर में 4 विकेट पर 125 रन बना लिए थे, तभी बारिश ने फिर से खलल डाल दिया और आगे का खेल संभव नहीं हो सका। डकवर्थ-लुईस नियम के अनुसार इंग्लैंड उस समय टारगेट से आगे था, जिसके चलते मुकाबला इंग्लैंड के नाम रहा। गेंदबाजी में सैम करन और आदिल रशीद ने अहम भूमिका निभाई, जिसमें करन ने हैट्रिक ली।

सैम करन की हैट्रिक

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद श्रीलंका की टीम 16.2 ओवरों में 133 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका की ओर से कुसल मेंडिस ने 37 जबकि पाथुम निसांका ने 23 रन बनाए। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसमें आदिल रशीद और सैम करन ने तीन-तीन विकेट चटकाए। सैम करन ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर दासुन शनाका, महीश तीक्षणा और माथीश पथिराना को आउट करते हुए हैट्रिक पूरी की।

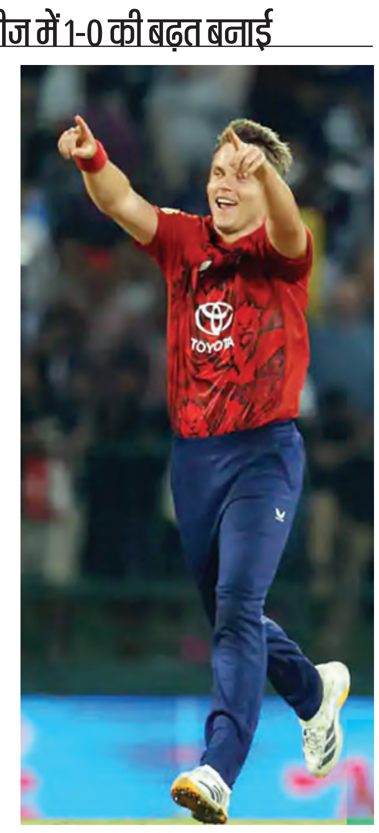

चोटिल पैट कमिंस टी-20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर

- **बेन ड्वारशुइस को मौका, मिचेल मार्श कप्तानी करेंगे; 3 नए प्लेयर्स को मौका**

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस 7 फरवरी से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। वे बैक इंजरी से रिकवर नहीं हो पाए हैं। उनकी जगह लेफ्टी पेसर बेन ड्वारशुइस को मौका दिया गया है। कमिंस के अलावा, मैथ्यू शॉर्ट भी अपनी जगह नहीं बच सके हैं। उनके स्थान पर मैट रैनशॉ को चुना गया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को टीम का ऐलान किया। मिचेल मार्श को कप्तानी दी गई है। वहीं, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनली और मैथ्यू कुह्नेमन जैसे युवाओं को मौका दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 11 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। फिलहाल, ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान के खिलाफ 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेल रही है। टीम को पहले मैच में 22 रन की पराजय झेलनी पड़ी। सीरीज का दूसरा मैच आज शाम 4:30 बजे से लाहौर में खेला जाएगा।

3 प्लेयर्स वर्ल्ड कप डेब्यू करेंगे- स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन, ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप टीम में मौका मिला है।

न्यूज बाइट्स

वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा को लेकर केंद्र घोषित

केंद्र के 500 मीटर परिधि तक निषेधाज्ञा लागू

झारखण्ड अधिविद्य परिषद, राँची
JHARKHAND ACADEMIC COUNCIL, RANCHI

गोड्डा (नि. सं.)। झारखण्ड अधिविद्य परिषद द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा दिनांक-03 से 17 फरवरी तक एवं इंटरमीडिएट (कला/विज्ञान/वाणिज्य) परीक्षा, दिनांक-03 से 23 फरवरी तक के लिए के लिए परीक्षा केंद्र की सूची जारी कर दी गई है। इनमें गोड्डा अनुमंडल अंतर्गत एम0ए0 के0 आजाद डिग्री कॉलेज बसंतराय / एम0ए0के0 आजाद इंटर कॉलेज, बसंतराय / मध्य विद्यालय बसंतराय / महिला महाविद्यालय, गोड्डा/ डिस्ट्रिक्ट सी0एम0 एस0ओ0ई0, गोड्डा (पुराना भवन) / एस0आर0पब्लिक स्कूल सरकण्डा, गोड्डा/वीर कुंवर सिंह इंटर कॉलेज गोड्डा/खीस्त राजा मिशन स्कूल, गोड्डा / मध्य विद्यालय गोड्डा (बालक) / बाल विकास विद्यालय, गोड्डा / यू0एच0एस0 गोढ़ीघाट, गोड्डा / यू0पी0जी0 हाई स्कूल गुम्मा/संत जोसेफ उच्च विद्यालय, बरमसिया, पथरगामा / संत जोसेफ मध्य विद्यालय, बरमसिया, उच्च विद्यालय, पथरगामा / मध्य पथरगामा / बालिका विद्यालय पथरगामा (बालक) / एन0जी0+-2 उच्च विद्यालय, पथरगामा / एस0बी0एस0एस0पी0एस0 जे0 इंटर महाविद्यालय, पथरगामा / डी0ए0भी0, पब्लिक स्कूल, पथरगामा/अपग्रेड हाई स्कूल गंगटाकला, पथरगामा/संत मेरी स्कूल अगियामोड़ पोड़ैयाहाट/सूरज मंडल इंटर महाविद्यालय, पोड़ैयाहाट / मध्य विद्यालय, पोड़ैयाहाट (बालक)/+2 उच्च विद्यालय, पोड़ैयाहाट / हॉली फैमिली गर्ल्स उच्च विद्यालय, पोड़ैयाहाट / संत फ्रांसिस उच्च विद्यालय, पोड़ैयाहाट / संत फ्रांसिस मध्य विद्यालय, पोड़ैयाहाट / प्रभात तारा मिशन स्कूल चन्दना/आई0टी0आई0 सुन्दरपहाड़ी / यू0पी0जी0 +2 उच्च विद्यालय, सुन्दरपहाड़ी (बालक) / भारत भारती पब्लिक स्कूल, गोड्डा/ज्ञान स्थली पब्लिक स्कूल, गोड्डा के परीक्षा केन्द्रों पर शामिल हैं। जहां दोनो पालियों में (प्रथम पाली 09.45 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक एवं द्वितीय पाली 02.00 बजे अपराह्न से 05.15 बजे अपराह्न) तक परीक्षा आयोजित होगी। इसे लेकर अनुमण्डल दण्डाधिकारी बैद्यनाथ उरांव द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों के 500 गज की परिधि के अंतर्गत दिनांक-03.02.2026 से परीक्षा समाप्ति तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत् प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नांकित निषेधाज्ञा लागू किया गया है।

मेडिकल हेल्थ यूनिट के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार जारी

महागामा (गोड्डा) (नि. सं.)। प्रखंड क्षेत्र में हेल्पेज ऑर्गेनाइजेशन एवं अदाणी फाउंडेशन के द्वारा संयुक्त रूप से संचालित मेडिकल हेल्थ यूनिट (एमएचयू) के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार जारी हैं। इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत महागामा प्रखंड के करीब 50 गांवों में नियमित रूप से मेडिकल वैन का संचालन किया जा रहा है, जिससे दूर-दराज के ग्रामीणों को उनके गांव में ही बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो रही है।महागामा स्थित एमएचयू में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों की समर्पित टीम क्षेत्रवासियों को समय पर उपचार, जांच एवं परामर्श प्रदान कर रही है। एमएचयू में तैनात डॉ0 ललन कुमार चिकित्सक के रूप में मरीजों की नियमित जांच, प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य परामर्श में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वहीं बंटी कुमार महतो, चालक के रूप में मेडिकल वैन के संचालन एवं आपातकालीन सेवाओं में पूरी जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ अपनी भूमिका निभा रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से गांव-गांव तक पहुंच पा रही हैं। इसके अलावा एएनएम सोनामती मरांडी द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की जांच तथा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। वहीं सोशल प्रोटेक्शन ऑफिसर वंदना प्रजापति के माध्यम से सरकारी स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही है, जिससे जरूरतमंद लाभार्थियों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि हेल्पेज ऑर्गेनाइजेशन और अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से संचालित यह एम एच यू सेवा क्षेत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हुई हैं, बल्कि ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। लोगों ने एम एच यू की पूरी टीम की सराहना करते हुए इसे महागामा प्रखंड के लिए एक सराहनीय पहल बताया है।

नगरपालिका चुनाव को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता | दुमका

नगरपालिका आम चुनाव–2026 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में शनिवार को शाम करीब चार बजे पीआरडी की ओर से एक प्रेस रिलीज जारी की गई। प्रेस रिलीज के माध्यम से जानकारी दी गई कि दुमका के समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चुनाव से जुड़े अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया में लगे पदाधिकारियों और कर्मियों को चुनाव से संबंधित नियमों, व्यय निगरानी की प्रक्रिया और आदर्श आचार संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी देना रहा। कार्यक्रम के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि चुनाव के दौरान होने वाले सभी खर्चों की कड़ी निगरानी की जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना न रहे।

कार्यक्रम में दुमका नगर परिषद और बासुकीनाथ नगर पंचायत के व्यय प्रेक्षक उपस्थित रहे। उन्होंने चुनावी दायित्वों का निर्वहन करने वाले अधिकारियों और कर्मियों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही व्यय लेखा संधारण, खर्चों की नियमित और समयबद्ध रिपोर्टिंग तथा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। प्रशासन की ओर से बताया गया कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से चुनाव से जुड़े अधिकारियों और कर्मियों की समझ और तैयारी मजबूत होती है। साथ ही आपसी समन्वय बेहतर होने से चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय तरीके से संपन्न कराने में सहायता मिलती है।

शिविर में वीर परिवार सहायता योजना की मिली जानकारी

निज संवाददाता | गोड्डा

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रमेश कुमार एवं सचिव दीपक कुमार के निर्देश पर राजकीय मेला परिसर में विधिक जागरुकता शिविर आयोजित कर आम लोगों को कानून की जानकारी दी गई। इस दौरान कानून से संबंधित बुकलेट का वितरण किया गया।

इस दौरान डालसा की ओर से गठित टीम के सदस्यों में शामिल अधिकार मित्र नवीन कुमार ,अजय टूडू ,ललिता कुमारी, अर्चना कुमारी, सुनील कुमार, बासुदेव मणीनंदन कुमार, रामविलास महतो आदि ने ग्रामीणों को विविध जानकारी दी। कार्यक्रम में ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जिला इकाई की प्रभारी बीके पुनम ने कहा कि कानून हमें अनुशासन का पाठ पढ़ाता है। कानून समाज के सभी वर्गों पर समान रूप से लागू होता है। ऐसे में हमें अपने अधिकार व कर्तव्यों के प्रति जागरुक रहना चाहिए। दूसरे के अधिकार का अतिक्रमण करना ही अपराध है। सभी वैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। डालसा की टीम ने वीर परिवार सहायता योजना पर प्रकाश डाला। कहा कि शहादत का सम्मान -- न्याय की राह आसान । इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारत के सशस्त्र बलों, अर्द्ध सैनिक बलों और राज्य पुलिस बलों के उन शहीद जवानों के परिवारों को सहायता प्रदान करना जिन्होंने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी है। नालसा का प्रयास है कि इन वीर परिवारों को निःशुल्क विधिक सहायता , मुआवजा प्राप्ति और सरकारी लाभ योजनाओं तक पहुंच में सहायता दी जाय।

मासिक लोक अदालत में 332 वादों के निष्पादन के साथ सात करोड़ से अधिक की राशि का हुआ समझौता

निज संवाददाता | दुमका

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के तत्वाधान में व्यवहार न्यायालय, दुमका के न्याय सदन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका की अध्यक्षता में मासिक लोक अदालत का आयोजन शनिवार को किया गया।

जिसमें कुल 03 बेंचो का गठन किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका उत्तम सागर राणा द्वारा बताया गया कि मासिक लोक अदालत में न्यायालय में लंबित वादों के अलावा दुमका जिला में स्थित विभिन्न विभागों के फौजदारी संबंधी मामलों का आपसी सुलह समझौता के आधार पर निपटारा किया गया, जिसमें बेंच नंबर 1 से योगेश्वर मनी, प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय दुमका, प्रेमजीत लाल अधिवक्ता दुमका, राजेंद्र कुमार अधिवक्ता दुमका, बेंच नंबर 2 से योगेश कुमार सिंह, जिला जज द्वितीय दुमका, ओमियो कुमार मांझी, अधिवक्ता दुमका, नीरज कुमार दीक्षित, अधिवक्ता दुमका तथा बेंच नंबर तीन से राजेश श्रीवास्तव, एसीजेएम दुमका, विनीत कुमार, कार्यपालक दंडाधिकारी, दुमका एवं धर्मवीर मिश्रा, अधिवक्ता दुमका उपस्थित थे। इस तरह तीनों बेंचो के द्वारा कुल 332 वादों के निष्पादन के साथ रुपये 7,62,44,606/- का समझौता किया गया।

महेशपुर मां काली मंदिर में श्रृंगार प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर दो दिवसीय अनुष्ठान संपन्न

निज संवाददाता | गोड्डा

बसंतराय प्रखंड के महेशपुर मां काली मंदिर में माता काली की श्रृंगार प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्षगांठ पर आयोजित दो दिवसीय अनुष्ठान शनिवार को 700 श्लोकों के मंत्रोच्चार, हवन , कन्या पूजन, ब्राह्मण भोजन एवं प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हो गया। अनुष्ठान शुक्रवार को अखंड श्रीदुर्गासप्तशती पाठ से शुरु हुआ। दुर्गा पाठ से आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया। इसी कड़ी पारंपरिक विधि विधान व वैदिक विधि से माता काली की पूजा अर्चना की गई। सैकड़ों वर्ष पूर्व स्थापित माता काली की पूजा अर्चना करने के लिए बिहार और झारखंड से काफी संख्या में लोग अपनी मन्नत मांगने आते हैं। माता के दरबार पर जिसने भी श्रद्धा व विश्वास से माथा टेका है उसकी मन्नतें पूरी हुई हैं।

यही कारण है कि यहां सालों भर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। समस्त कार्यक्रम मां काली सेवा ट्रस्ट सुस्ती महेशपुर द्वारा आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर गुरुधाम से आए पंडितों की टोली के साथ- साथ स्थानीय आचार्य कुंज रमण झा , पंडित अर्जुन झा, अजय झा, जटाशंकर झा, मुख्य पंडा झुन्ना झा, नागेश्वर झा, जयकृष्ण झा, ऋषितोष झा, बिंदु झा ,दिलीप कुमार झा, रामाकांत झा, मुन्ना झा, पुल्लू झा आदि ने मंत्रोच्चार व हवन में भाग लिया। मां काली सेवा ट्रस्ट के नीलेश कुमार व दिलीप कुमार झा ने बताया कि माता काली के दरबार में सालों भर दुर्गासप्तशति पाठ सहित प्रत्येक अमावश्या को भव्य अमावश पूजन होता है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष चैत मास की प्रथम मंगलवार को भव्य पांच दिवसीय वार्षिकोत्सव भंडारा पूजन का भव्य आयोजन होता है।

नपं चुनावः वार्ड संख्या 12 के लिए प्रियंका कुमारी ने खरीदा पर्चा

निज संवाददाता | महागामा (गोड्डा)

नगर पंचायत क्षेत्र में नगर निकाय चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी अब अपने चरम पर पहुंचती नजर आ रही है। इसी कड़ी में वार्ड संख्या 12 से प्रत्याशी प्रियंका कुमारी ने आधिकारिक रूप से नाजीर रसीद कटवाकर चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा कर दी है। नाजीर रसीद कटते ही वार्ड संख्या 12 में चुनावी माहौल पूरी तरह गर्म हो गया है।नाजीर रसीद कटाने के दौरान प्रियंका कुमारी के साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थक और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। रसीद कटने के बाद समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला और वार्ड में प्रियंका कुमारी जिंदाबाद के नारे गूंजने लगे। इस दौरान पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रियंका कुमारी एक जमीनी और सक्रिय चेहरा हैं, जो लंबे समय से वार्ड की समस्याओं जैसे नाली, सड़क, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और सफाई व्यवस्था को लेकर आवाज उठाती रही हैं। उनके चुनावी मैदान में उतरने से वार्ड संख्या 12 में मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना जताई जा रही है। प्रियंका कुमारी ने नाजीर रसीद कटाने के बाद कहा कि यदि जनता ने उन्हें सेवा का अवसर दिया, तो वे वार्ड के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी ईमानदारी से कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य राजनीति नहीं, बल्कि वार्ड के हर परिवार की समस्या का समाधान करना है।इधर, महागामा नगर पंचायत के अन्य वार्डों में भी प्रत्याशियों द्वारा नाजीर रसीद कटाने और जनसंपर्क अभियान तेज किए जाने से चुनावी माहौल दिन-प्रतिदिन और रोचक होता जा रहा है।

राजकीय मध्य विद्यालय, सरभंगा में विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित

निज संवाददाता | महागामा (गोड्डा)

प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय सरभंगा के शिक्षिका वायलेट सोरेन एवं सहायक अध्यापक सब्बीर अहमद को सेवानिवृत्ति पर भावपूर्ण विदाई दी गई, साथ ही इस विद्यालय में पूर्व में कार्यरत रहे प्लस टू उत्क्रमित हाई स्कूल मेहरमा में पदस्थापित प्रधानाध्यापक के रूप में अनवारुल हक जी को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक रमेश दास एवं अन्य शिक्षक के नेतृत्व में एक समारोह का आयोजन किया गया। उक्त समारोह की अध्यक्षता राजेंद्र कृष्ण ठाकुर, पैक्स लैंप्मस संघ जिला अध्यक्ष गोड्डा ने किया और मंच संचालन महान विद्वान शिक्षक रितेश रंजन के द्वारा चुंबकत्व आकर्षण वाली वाणी से सभी बच्चों, अभिभावकों एवं समारोह में उपस्थित अतिथियों को शिक्षण मार्ग में चार चांद लगाने का काम किया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलित से हुई। इसके बाद छात्र-छात्राओं के द्वारा स्वागत गान, नृत्य एवं संगीत प्रस्तुत की गई।

विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्नेह को याद करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह अध्यक्ष राजेंद्र कृष्ण ठाकुर ने शॉल दे कर अनवारुल हक को सम्मानित किया। इस अवसर पर कहा की शिक्षक समाज की रीड होती है उन्होंने बैलेट सोरेन और शब्बीर अहमद के लंबे सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि इनके द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार अनुशासन और जीवन के मूल्य भी सिखाए इन दोनों का योगदान इस विद्यालय और हमारे समाज के लिए हमेशा के लिए यादगार रहेगा।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक रमेश दास ने दोनों शिक्षक शिक्षिकाओं के अंग वस्त्र एवं माला पहनाकर दोनों को सम्मानित किया और उनके अनुभव और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल से विद्यालय में हमेशा लाभ मिला। मुखिया प्रतिनिधि राम प्रसाद मांझी एवं ग्राम प्रधान अशोक कुमार झा के द्वारा शिक्षक मो॰ सब्बीर को डायरी पेन एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय की शिक्षिका मुन्नी देवी के द्वारा शॉल देकर एक साथ शिक्षण देने वाली शिक्षिका बैलट सोरेन को सम्मानित किया। समारोह की सभी प्रकार की व्यवस्था सहायक शिक्षक हाशिमुल हक, मो॰ नसीम, मो॰ सफरुद्दीन, अजय शाह, नरेंद्र भारती के नेतृत्व में संपन्न हुआ समारोह में उपस्थित अतिथि शिक्षक अंजना चौधरी, राधे ईश्वर, मोहम्मद हरीश, प्रबंध समिति अध्यक्ष गौतम मंडल, ग्रामीण अभिभावक सुरेंद्र शाह, अगस्त पंडित, नंदकिशोर शाह, राजेंद्र शाह, ब्रजेंद्र कुमार सहित सैकड़ो अभिभावक मौजूद थे। भावुक क्षणों में दोनों सेवानिवृत शिक्षक शिक्षिकाओं ने अनुभव साझा किया और विद्यालय सहकर्मियों तथा विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुई।

अंचल मुख्यालय में प्रधान परिषद की बैठक अधिकारों की अनदेखी पर जताई नाराजगी

निज संवाददाता | मेहरमा (गोड्डा)

अंचल मुख्यालय स्थित प्रधान भवन के सामने प्रधान परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता परिषद के जिला अध्यक्ष आशुतोष महतो ने की। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा प्रधानों को उचित सम्मान नहीं दिए जाने तथा उनके संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी पर गहरी चिंता व्यक्त की गई।

जिला अध्यक्ष आशुतोष महतो ने कहा कि प्रधानी मौजा में प्रधान की सहमति या अनुशंसा के बिना ही ग्राम सभा से योजनाएं पारित कर दी जा रही हैं तथा अंचल कार्यालय से जमीन संबंधी प्रतिवेदन भी जारी किया जा रहा है, जो प्रधानों के अधिकारों का सीधा हनन है।उन्होंने बताया कि कई मामलों में बिना जमीन का प्रतिवेदन दिए ही सरकारी कार्यों की स्वीकृति दी जा रही है, जिससे संवेदकों द्वारा सरकारी भूमि का अतिक्रमण कर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उपस्थित प्रधानों ने इस स्थिति पर एक स्वर में कड़ी आपत्ति जताई।बैठक में यह भी कहा गया कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर अंचल कार्यालय, विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र, कस्तूरबा विद्यालय तथा स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा प्रधानों को आमंत्रण नहीं भेजा गया, जो अपमानजनक है।

प्रधान परिषद ने मांग की कि प्रखंड एवं अंचल कार्यालय द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रधानी मौजा में योजनाओं के चयन हेतु आयोजित ग्राम सभा में संबंधित प्रधान की उपस्थिति व सहमति अनिवार्य हो तथा ग्राम सभा की अध्यक्षता प्रधान द्वारा ही कराई जाए। इसके साथ ही प्रधानों के एक वर्ष से अधिक समय से लंबित सम्मान राशि के भुगतान हेतु उपायुक्त से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की गई। बैठक में प्रधान परिषद के अध्यक्ष विनोद कुमार भगत, पूर्व अध्यक्ष निर्मल पोद्दार, अक्षय कांत मिश्र, लाल बिहारी साह, धनंजय प्रसाद सिन्हा, रुद्र प्रताप सिंह, निर्मल भगत, निलेश कुमार तिवारी, जयप्रकाश यादव, सजन कुमार मिश्र, मोहम्मद आफताब आलम, रवि शंकर सिंह, कमर अफाक, संतोष सिंह, अब्दुल सत्तार, सुभाष साह तथा रविंद्र कुमार राणा सहित कई प्रधान उपस्थित थे।

योगीवीर हनुमतपुरी पहाड़ पर तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह संपन्न

निज संवाददाता | मेहरमा (गोड्डा)

झारखंड एवं बिहार की सीमा पर स्थित ऐतिहासिक शक्तिपीठ योगीवीर हनुमतपुरी पहाड़ पर बाबा शनिदेव एवं मां राजराजेश्वरी दुर्गा के तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन महंत आचार्य माई जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। शनिवार को समारोह का समापन विधिवत पूजन-अर्चन एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ किया गया।

कार्यक्रम के तहत 30 जनवरी को बाबा शनिदेव का सरसों के तेल से अभिषेक, छप्पन भोग एवं महाआरती संपन्न हुई। वहीं 31 जनवरी को मां राजराजेश्वरी दुर्गा का भव्य पूजन-अर्चन, महाभोग एवं विशाल भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय चिंतन महागोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें देश की अखंडता एवं एकता बनाए रखने जैसे विषयों पर मुख्य अतिथियों एवं वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में स्काउट एंड गाइड के बच्चों ने सेवा कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस मौके पर पीरपैंती विधायक मुरारी पासवान, मानस शिरोमणि नागेश्वर राम, झारखंड प्रदेश की पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया सिंह पटेल, पूर्व मुखिया संजय कुमार, पंचायत समिति सदस्य मंटू रजक, स्काउट के जिला प्रशिक्षक मुकेश आजाद सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, श्रद्धालु एवं धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय भवन समिति की बैठक में कई अहम निर्माण प्रस्तावों पर सहमति

निज संवाददाता | दुमका

सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में शनिवार को भवन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कुनुल कंडिर ने की। बैठक में कुल छह एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की गई और विश्वविद्यालय के नियम एवं अधिनियम के अनुरूप कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक की शुरुआत 14 अक्टूबर 2025 को आयोजित भवन समिति की पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुमोदन के साथ की गई।

बैठक के दौरान विश्वविद्यालय परिसर के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने से जुड़े प्रस्तावों पर विचार किया गया। समिति ने नव-निर्मित एथलेटिक ग्राउंड को बेहतर और उपयोगी बनाने के उद्देश्य से वहां मिट्टी भराव एवं जलनिकासी के लिए नाला निर्माण कार्य हेतु प्राकलन प्राप्त करने की स्वीकृति प्रदान की। इसके साथ ही अकादमिक भवन के समक्ष शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार शेड एवं साइकिल शेड के निर्माण कार्य को भी अनुमोदन दिया गया। इसके अलावा विश्वविद्यालय में निर्मित बहुउद्देशीय प्रशाल में परीक्षा विभाग एवं एनसीसीएफ को स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक ग्रिल और विद्युत सामग्री की खरीद का निर्णय लिया गया। अन्य प्रस्तावों पर चर्चा के क्रम में भवन समिति के सदस्य टी.पी. सिंह एवं एस.एन. अधिकारी के प्रस्ताव पर विश्वविद्यालय परिसर के सभी भवनों की रंगाई-पुताई कराने पर सहमति बनी।

वहीं वित्त पदाधिकारी संजय कुमार सिन्हा के प्रस्ताव पर मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल के नवीनीकरण का निर्णय भी सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि भवन समिति द्वारा लिए गए सभी निर्णय क्रय समिति और वित्त समिति से अनुमोदन के पश्चात ही अंतिम रूप से प्रभावी होंगे। वहीं समिति ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के पीछे निर्मित तालाब के निर्माण कार्य के लिए अतिरिक्त राशि को आंतरिक फंड से स्वीकृत करने से इंकार कर दिया। इसके लिए सरकार अथवा किसी अन्य स्रोत से फंड की व्यवस्था करने की सलाह दी गई। बैठक में भवन समिति के सदस्य टी.पी. सिंह एवं एस.एन. अधिकारी के अलावा कुलसचिव राजीव रंजन शर्मा, वित्त सलाहकार बृजनंदन ठाकुर, वित्त पदाधिकारी संजय कुमार सिन्हा, सीसीडीसी अब्दुस सत्तार तथा संबंधित कार्यों से जुड़ी एजेंसियों के अभियंता उपस्थित थे।